19 नवंबर 2025
बुधवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

कोचस की महिला की लाश राजपुर के खेत में मिलने से हड़-कंप, आधार कार्ड से हुई पहचान
2

एनडीए हर जीविका दीदी को दें दो लाख रुपए : प्रशांत

- सामने आए प्रशांत किशोर, अब राजनीति छोड़ने की नई मियाद और शर्त

एजेंसी। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में शून्य पर सिमटने वाली जनसुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने आखिरकार सामने आ ही गए। पटना में उन्होंने प्रेस वार्ता की। उन्होंने पार्टी की हार की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा कि हमलोगों से जरूर कुछ गलती हुई है। इसलिए ऐसा परिणाम दिया। जनता ने हमलोगों को नहीं चुना। जनता ने हमलोगों पर विश्वास नहीं दिखाया। इस हार की जिम्मेदारी पूरी तरह से मेरी है। जिस प्रयास से हमलोग जुड़े थे, उनका विश्वास नहीं जीत पाया। हमलोग सामूहिक तौर पर हारे हैं। जो लोग जीतकर आए, उन्हें मैं बधाई देता हूं। सीएम नीतीश कुमार और भाजपा को बधाई। हमलोग बिहार से गरीबी दूर करने और पलायन कम होने की कामना करते हैं। मैं बिहार की जनता की अपेक्षाओं पर खड़ा नहीं उतर सका, इसके लिए मैं माफी चाहता हूं। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार अब हर जीविका दीदी को दो लाख रुपए दें। प्रायश्चित के तौर पर मैं भितिहरवा गांधी आश्रम में एक दिन का मौन उपवास रखूंगा। जो भी जनसुराज के साथी हैं, सभी लोग भितिहरवा गांधी आश्रम में 24 घंटे का उपवास रखूंगा। बिहार विधानसभा चुनाव में शून्य पर सिमटने वाली जनसुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने आखिरकार सामने आ ही गए। पटना में उन्होंने प्रेस वार्ता की। उन्होंने पार्टी की हार की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा कि हमलोगों से जरूर कुछ गलती हुई है। इसलिए ऐसा परिणाम दिया। जनता ने हमलोगों को नहीं चुना। जनता ने हमलोगों पर विश्वास नहीं दिखाया। इस हार की जिम्मेदारी पूरी तरह से मेरी है। जिस प्रयास से हमलोग जुड़े थे, उनका विश्वास नहीं जीत पाया। हमलोग सामूहिक तौर पर हारे हैं। जो लोग जीतकर आए, उन्हें मैं बधाई देता हूं। सीएम नीतीश कुमार और भाजपा को बधाई। हमलोग बिहार से गरीबी दूर करने और पलायन कम होने की कामना करते हैं। मैं बिहार की जनता की अपेक्षाओं पर खड़ा नहीं उतर सका, इसके लिए मैं माफी चाहता हूं। प्रायश्चित के तौर पर मैं भितिहरवा गांधी आश्रम में एक दिन का मौन उपवास रखूंगा। जो भी जनसुराज के साथी हैं, सभी लोग भितिहरवा गांधी आश्रम में 24 घंटे का उपवास रखूंगा। प्रशांत किशोर ने कहा कि गलती हो सकती है। लेकिन, हमने गुनाह नहीं किया है। मैं सिर उठाकर कह सकता हूं कि मैंने कोई गुनाह नहीं किया है। मैंने जातियों का जहर फैलाने का गुनाह नहीं किया। मैंने जनता का मत खरीदने की कोशिश नहीं की। जिस तरह महाभारत में अभिमन्यु को घेरकर छल से मार दिया गया। लेकिन, महाभारत नहीं जीता नहीं गया। जीत उसकी ही हुई जो धर्म के साथ थे। हमलोग फिर से खड़े होंगे। हमलोग जब तक जीतेंगे नहीं, तब तक छोड़ेंगे नहीं। जब तक व्यवस्था को सुधार नहीं देते तब तक पीछे नहीं हटेंगे। अब दोगुनी मेहनत से बिहार की जनता के लिए काम करेंगे।प्रशांत किशोर ने कहा कि 10 हजार रुपये की बड़ी चर्चा हो रही है। यह बात सही नहीं है। 10 हजार रुपये के लिए जनता अपने बच्चों का भविष्य नहीं बेच सकते हैं। लोगों ने सिर्फ 10 हजार रुपये के लिए अपना वोट नहीं बेचा। चुनाव आयोग पर भी टीका-टिप्पणी करने का वक्त नहीं है। पूरा सरकारी तंत्र लगाया गया यह बताने में कि अगर आप एनडीए को वोट करते हैं, आप दो लाख रुपये दिया जाएगा। इसके लिए 10 हजार रुपये बयाना के तौर पर दिया गया। हर विधानसभा जीविका, आंगनबाड़ी, ममता, प्रवासी मजदूरों को करीब 29 हजार करोड़ रुपये सरकार ने बांट दिए। 40 हजार करोड़ रुपये की योजना लाई।

सुरक्षाबलों ने एक करोड़ का इनामी नक्सली कमांडर हिडमा को किया ढेर

एजेंसी। बस्तर

सुरक्षा एजेंसियों को वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ एक बड़ी सफलता मिली है। भाकपा (माओवादी) की सेंट्रल कमेटी का सदस्य और दंडकारण्य क्षेत्र का सबसे कुख्यात कमांडर माड़वी हिड़मा मंगलवार तड़के आंध्र प्रदेश की पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया। सुरक्षाबलों ने यह भी बताया कि इस मुठभेड़ में कुल छह माओवादी ढेर हुए हैं, जिनमें हिड़मा की पत्नी राजे उर्फ राजक्का भी शामिल थी। घटना आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले के मारेडुमिल्ली जंगल क्षेत्र में हुई। वरिष्ठ अधिकारियों ने पुष्टि की कि मुठभेड़ सुबह लगभग 6:30 से 7 बजे के बीच चली, जिसमें हिड़मा और उसकी पत्नी के साथ सशस्त्र दस्ते के अन्य सदस्य भी मारे गए। घटनास्थल से दो एके-47 राइफलें, एक पिस्टल, एक रिवॉल्वर और विस्फोटक सामग्री का बड़ा जखीरा बरामद किया गया है, जिनमें इलेक्ट्रिक और नॉन-इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, फ्यूज वायर, कनेक्टर्स, कैमरा फ्लैश यूनिट और आईईडी निर्माण में इस्तेमाल होने वाले उपकरण शामिल हैं। हिड़मा का सफर बाल संघम से शुरू होकर सीपीआई (माओवादी) की सेंट्रल कमेटी तक पहुंचा था। वह संगठन में इन ऊंचे पदों तक पहुंचने वाला पहला आदिवासी नेता माना जाता है। 45 वर्ष की आयु पूरी करने से पहले उसने दो महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं-सेंट्रल कमेटी का सदस्य बनना और बटालियन नंबर 1 की कमान संभालना, जो संगठन की सबसे घातक इकाई मानी जाती है।

शपथ ग्रहण से पहले सामने आए नाम

नीतीश कैबिनेट में होंगे 2 डिप्टी सीएम और 20 मंत्री

एजेंसी। पटना

नई सरकार के शपथ के एक दिन पूर्व यानी बुधवार को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक गतिविधियां होंगी। सबसे पहले भाजपा और जदयू विधायक दल की अलग-अलग बैठक होगी। इसके बाद एनडीए विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें नीतीश कुमार को फिर से एनडीए विधायक दल का नेता चुना जाएगा। नेता चुने जाने के बाद मुख्यमंत्री राजभवन जाकर नई सरकार के गठन का दावा करेंगे। नीतीश कुमार 10वीं बार 20 नवंबर को गांधी मैदान में दिन के डेढ़ बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को पटना आएंगे। वहीं, गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को ही पटना पहुंचेंगे। भाजपा ने एनडीए शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों-उप मुख्यमंत्रियों के अलावा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं कई केंद्रीय मंत्रियों को आमंत्रित किया है। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार दो उपमुख्यमंत्रियों के अलावा करीब 20 मंत्रियों के साथ शपथ ग्रहण करेंगे। इनमें भाजपा, जदयू के अलावा लोजपा (रा), हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा एवं राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) के विधायक भी शामिल होंगे। भाजपा के संभावित मंत्रियों की सूची को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अंतिम रूप दे रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जदयू के मंत्रियों की सूची बना रहे हैं। हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा के संतोष कुमार सुमन नई सरकार में भी मंत्री रहेंगे। लोजपा (रा) की ओर से राजू तिवारी के अलावा अनुसूचित जाति के किसी विधायक को कैबिनेट में जगह मिल सकती है। रालोमो की ओर से प्रो. स्नेहलता को मंत्री बनाया जा सकता है। वह पहली बार सासाराम से विधायक चुनी गई है।बुधवार 11 बजे भाजपा और जदयू के विधानमंडल दल के सदस्यों की अलग-अलग बैठक शुरू होगी। भाजपा के विधायकों को 10.30 बजे तक पार्टी कार्यालय में पहुंचने का निर्देश दिया गया है। उसी समय जदयू विधानमंडल दल के सदस्य एक, अणे मार्ग पहुंचेंगे।

होगा भाजपा विधायक दल के नेता का चयन

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भाजपा विधायक दल के नेता के चयन के लिए होने वाली विधायक दल की बैठक का केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया गया है। मौर्य पटना पहुंच गए हैं। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह के अनुसार केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति सह पर्यवेक्षक बनाए गए हैं।भाजपा केंद्रीय नेतृत्व ने आपसी विमर्श के आधार पर विधायक दल के नेता का नाम तय कर लिया है। विधानमंडल दल की बैठक में इसकी घोषणा होगी और सर्वसम्मति से निर्वाचन हो जाएगा। भाजपा कोटे से दो उप मुख्यमंत्री होंगे। विधायक दल के नेता उनमें से एक रहेंगे।

संघ की स्थापना किसी को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं की गई : भागवत

एजेंसी। पटना

गुवाहाटी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि जो कोई भी भारत पर गर्व करता है वह हिंदू है। मंगलवार को यहां प्रतिष्ठित लोगों के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने यह भी दावा किया कि हिंदू केवल एक धार्मिक शब्द नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत पहचान है जो हजारों वर्षों की सांस्कृतिक निरंतरता में निहित है। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत और हिंदू का अर्थ समान है। इसकी आधिकारिक घोषणा करने की कोई जरूरत नहीं है कि भारत हिंदू राष्ट्र है। इसकी सभ्यतागत प्रकृति पहले से ही इसको प्रदर्शित करती है। उन्होंने कहा कि आरएसएस की स्थापना किसी का विरोध करने या उसे नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने और भारत को वैश्विक नेता बनाने में योगदान देने के लिए की गई थी। विविधता के बीच भारत को एकजुट करने की पद्धति को आरएसएस कहा जाता है। असम में जनसांख्यिकीय बदलावों के बारे में चिंताओं को लेकर संघ प्रमुख ने कहा कि आत्मविश्वास, सतर्कता और अपनी भूमि व पहचान के प्रति दृढ़ लगाव के जरिये इसे निपटा जा सकता है। उन्होंने अवैध घुसपैठ, हिंदुओं के लिए तीन बच्चों के मानदंड सहित एक संतुलित जनसंख्या नीति की आवश्यकता और विभाजनकारी धर्मांतरण का विरोध करने के महत्व जैसे मुद्दों पर बात की। लोगों, खासतौर पर युवाओं को सोशल मीडिया को उपयोग जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए।संघ प्रमुख ने पूर्वोत्तर को भारत की विविधता में एकता का एक शानदार उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि लचित बोरफुकन और श्रीमंत शंकरदेव जैसी हस्तियां न केवल क्षेत्रीय महत्व रखती हैं, बल्कि राष्ट्रीय प्रासंगिकता भी रखती हैं और सभी भारतीयों को प्रेरित करती हैं।

माल ढुलाई सिस्टम में हुआ बदलाव पूरे देश में होगा एक ही किराया

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने माल ढुलाई से जुड़ा एक महत्वपूर्ण बदलाव किया है, जो आने वाले समय में उद्योगों और कारोबारियों के लिए बड़ा फायदा साबित हो सकता है। रेलवे ने अपना पुराना और जटिल रेट सिस्टम खत्म करते हुए उसकी जगह सरल और एकरूप फ्लैट रेट सिस्टम लागू कर दिया है। इस नए मॉडल का सबसे ज्यादा लाभ उन कंपनियों को मिलेगा जो बड़ी मात्रा में माल खासकर सीमेंट जैसी थोक वस्तुएँ परिवहन करती हैं। इससे माल भेजने की प्रक्रिया आसान होगी, लागत में पारदर्शिता बढ़ेगी और उद्योगों को माल ढुलाई की बेहतर सुविधा मिलेगी। दरअसल, पहले रेलवे में माल ढुलाई का सिस्टम काफी उलझा हुआ था। वजन और दूरी के कई स्लैब लागू होते थे। इससे यह अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता था कि असली खर्च कितना आएगा। अलग-अलग माल के लिए अलग-अलग रेट कहीं कंटेनर रेट, तो कहीं स्पेशल रेट लागू रहते थे। खाली कंटेनर पर भी अलग शुल्क देना पड़ता था। इन सब वजहों से कंपनियों पर अतिरिक्त खर्च बढ़ जाता था और ढुलाई की प्रक्रिया लंबी, जटिल और काफी परेशानी भरी हो जाती थी। लेकिन अब रेलवे की नई नीति पूरी तरह सरल और स्पष्ट है। अब न कंटेनर का आकार मायने रखेगा, न उसकी क्षमता। पूरा किराया सिर्फ दो बातों पर तय होगा ट्रेन कितनी दूरी चली और कितना वजन लदा था। इसी आधार पर प्रति टन प्रति किलोमीटर 0.90 रुपये की फ्लैट दर लागू की गई है।

60 दिन में बदलने होंगे व्यवसायिक एसएमएस के सभी तत्व

डिजिटल ठगी रोकने के लिए ट्राई हुआ सख्त

एजेंसी। नई दिल्ली

टेलीकॉम क्षेत्र में बढ़ते डिजिटल फ्रॉड और फर्जी लिंक के इस्तेमाल को रोकने के लिए भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने बड़ा कदम उठाया है। ट्राई ने सभी एक्सेस प्रोवाइडर्स को निर्देश दिया है कि अब से व्यावसायिक एसएमएस में इस्तेमाल होने वाले सभी बदलने योग्य तत्व जैसे लिंक, ऐप डाउनलोड यूआरएल या कॉल-बैक नंबर को पहले से प्री-टैग करना अनिवार्य होगा। यह कदम बढ़ते साइबर अपराधों, फिशिंग और बैंकिंग धोखाधड़ी पर कड़ा नियंत्रण लाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। ट्राई ने साफ किया है कि एसएमएस टेम्पलेट में मौजूद वेरिएबल फील्ड की पहचान अब पहले से की जानी चाहिए, ताकि ऑपरेटर्स इन्हें स्कैन कर सकें और नकली या मालिशियस लिंक को फौरन ब्लॉक कर सकें। वेरिएबल फील्ड वे हिस्से होते हैं जो प्राप्तकर्ता के हिसाब से बदलते हैं जैसे लिंक, ऐप डाउनलोड पते या कॉल-बैक नंबर। इससे ऑपरेटर्स पहचान सकेंगे कि संदेश के किन हिस्सों में खतरनाक लिंक डाले जा सकते हैं और उन्हें रोक सकेंगे।

फर्जी लिंक और फिशिंग पर सख्त कार्रवाई

ट्राई ने कहा कि कई शिकायतों और जांचों में यह पाया गया कि रजिस्टर्ड टेम्पलेट के वेरिएबल हिस्सों का अपराधियों ने गलत इस्तेमाल किया। बिना टैग वाले वेरिएबल फील्ड में स्कैमर्स ने नुकसानदेह लिंक डालकर लोगों को धोखा दिया, जिसके कारण वित्तीय नुकसान, डेटा चोरी, मैलवेयर इंस्टॉलेशन और पहचान की चोरी जैसी बड़ी घटनाएं सामने आईं। ट्राई का मानना है कि प्री-टैगिंग से न केवल धोखाधड़ी पर रोक लगेगी, बल्कि डिजिटल कम्युनिकेशन सिस्टम में पारदर्शिता और सुरक्षा भी बढ़ेगी।

सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कराने को लेकर नगर पंचायत सक्रिय

- चालकों को दिलाई गई शपथ, नियम पुस्तिका भी की गई वितरित

केटी न्यूज/डुमरांव

सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने और परिवहन विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नगर पंचायत की ओर से मंगलवार को वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा से संबंधित शपथ दिलाई गई। इस दौरान सभी चालकों के बीच सड़क सुरक्षा नियमों की कॉपी भी वितरित की गई। कार्यक्रम में मौजूद नप प्रबंधक एवं अधिकारियों ने चालक दल को

विस्तृत रूप से बताया कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन केवल कानून का पालन भर नहीं, बल्कि स्वयं और आसपास चलने वाले लोगों की जिंदगी को सुरक्षित रखने का महत्वपूर्ण माध्यम है। अधिकारियों ने कहा कि अक्सर लापरवाही, तेज रफ्तार या नियमों की अनदेखी के कारण सड़क हादसे होते हैं, जिन्हें जागरूकता और सतर्कता से रोका जा सकता है। इसी उद्देश्य से सभी चालकों को यह शपथ दिलाई गई कि वे आगे से ओवरटेकिंग, जेब्रा क्रॉसिंग, सिग्नल व यातायात संकेतों के नियमों का पालन करेंगे। उन्हें स्पष्ट रूप से निर्देश दिया गया कि लाल सिग्नल पर वाहन रोकें और केवल हरी बत्ती जलने पर आगे बढ़ें। बाइक सवारों को विशेष रूप से हेमलेट पहनने की अनिवार्यता समझाई गई। बताया गया कि केवल चालक ही नहीं, पीछे बैठने वाले यात्री के लिए भी हेलमेट जरूरी है। हेलमेट गंभीर दुर्घटना की स्थिति में जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसी तरह चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने की अनिवार्यता समझाई गई। बताया गया कि सीट बेल्ट गंभीर चोटों से बचाता है और एयरबैग के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी आवश्यक है।सड़क सुरक्षा परिषद द्वारा जारी गाइडलाइन का उल्लेख करते हुए कहा गया कि वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। मोबाइल पर बात करना या मैसेज करना ध्यान भटकाता है, जिससे कुछ सेकंड की लापरवाही बड़ा हादसा बन सकती है। इसलिए वाहन चलाते समय मोबाइल से दूरी बनाए रखना बेहद जरूरी है। चालकों को गति सीमा के प्रति भी जागरूक किया गया। अधिकारियों ने बताया कि तेज

चोरों की धर-पकड़ में जुटी पुलिस, सोवा गांव की बड़ी चोरी कांड का खुलासा जल्द, मिले अहम सुराग

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

सोवा गांव में तीन घरों में एक ही रात में हुई लाखों की चोरी ने स्थानीय लोगों के साथ पुलिस प्रशासन को भी हिलाकर रख दिया है। हालांकि पुलिस अब इस पूरे मामले की जांच को निर्णायक मोड़ पर पहुंचा चुकी है। वैज्ञानिक तरीकों से जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर पुलिस का दावा है कि अपराधी बहुत जल्द गिरफ्त में होंगे। बता दें कि रविवार की अल सुबह सोवा गांव के जिस तरह तीन घरों को निशाना बनाकर चोरों ने नगदी, आभूषण और अन्य कीमती सामान समेत लिए, उसने पूरे इलाके में दहशत का माहौल बना दिया था। चोरी की शिकार बने कुमार शिशुपाल, पुष्पा देवी और अनिता देवी ने संयुक्त रूप से अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। घटना की गम्भीरता को देखते हुए थाना प्रभारी संदीप कुमार राम ने इसे पुलिस की प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रखा। सोमवार की शाम पुलिस टीम ने तीनों घरों का बारीकी से निरीक्षण किया और वैज्ञानिक पद्धति से कई महत्वपूर्ण डाटा और फिंगर प्रिंट जैसे तकनीकी साक्ष्य इकट्ठा किए। मौके पर मिले फुटप्रिंट, प्रवेश मार्ग, हथियारों या औजारों के निशान तथा चोरों की आवाजाही से जुड़े सबूतों को सुरक्षित किया गया है। पुलिस तकनीकी टीम इन डाटा को विश्लेषित कर चोरों की संभावित पहचान और उनके रूट को ट्रैक कर रही है। थानाध्यक्ष संदीप कुमार राम ने बताया कि जांच अब निर्णायक अवस्था में है। कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। अपराधियों का दायरा काफी हद तक सिमट चुका है। जिन लोगों पर संदेह है, उनकी गतिविधियों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। जल्द ही गिरफ्तारी होगी,ष उन्होंने कहा।

कोचस की महिला की लाश राजपुर के खेत में मिलने से हड़कंप, आधार कार्ड से हुई पहचान

- संदिग्ध हालात में मौत, एफएसएल टीम जांच में जुटी

केटी न्यूज/राजपुर

राजपुर थाना क्षेत्र के अकबरपुर पंचायत के बधार में मंगलवार की सुबह एक अज्ञात महिला का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। खेत में पड़े पुआल के ढेर के नीचे छिपाई गई इस लाश की पहचान शुरू में नहीं हो रही थी, लेकिन बाद में शव के आस-पास गिरे उसके आधार कार्ड के जरिए शिनाख्त हो गई। मृतका की पहचान रोहतास जिले के कोचस थाना क्षेत्र के धनैती गांव की 55 वर्षीय जानकी देवी, पति विक्रमा सिंह के रूप में की गई है।

जानकी देवी के पुत्र अजीत सिंह ने बताया कि उनकी मां सोमवार दोपहर करीब तीन बजे कोचस स्थित अपने मायके में बीमार नानी का हाल जानने निकली थीं। परिजनों ने सोचा कि वह रात में

वहीं रुक गई होंगी, लेकिन मंगलवार की सुबह जब उन्हें फोन पर जानकारी मिली कि उनकी मां की लाश कोचस से लगभग 10 किलोमीटर दूर बक्सर जिले के राजपुर क्षेत्र में संदिग्ध हालात में मिली है, तो उनके होश उड़ गए। परिवार तत्काल वहां पहुंचा और आधार कार्ड देखकर पहचान की पुष्टि की।

घटना की सूचना मिलते ही बक्सर सदर एसडीपीओ गौरव पांडेय दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने स्थल का बारीकी से निरीक्षण कर हर एंगल से जांच के निर्देश दिए। वैज्ञानिक सबूत जुटाने के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गया है। पुलिस ने आसपास के थाना क्षेत्रों को मृतका की तस्वीर भेजकर उसके अंतिम समय की गतिविधियों का सुराग जुटाना शुरू कर दिया है।

स्थानीय किसान, जिसने सबसे पहले शव देखा, सुबह खेत पहुंचा तो धान की फसल रौंदी हुई थी। पास ही पुआल का एक संदिग्ध ढेर दिखाई दिया। शक होने पर जब उसने ढेर हटाया तो नीचे महिला का शव बरामद हुआ। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद राजपुर थानाध्यक्ष निवास कुमार ने जांच शुरू की।

घटनास्थल की परिस्थितियों को देखकर ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि महिला की हत्या कहीं और की गई है और सबूत मिटाने के उद्देश्य से शव को यहां लाकर छिपाया गया है। पुलिस इस एंगल को प्राथमिकता से जांच में शामिल कर रही है। मौत के असली कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल, राजपुर-कोचस इलाके में यह मामला चर्चा का मुख्य विषय बना हुआ है।

वहीं, घटना के बाद कई तरह की चचाएं हो रही है। फिलहाल स्वजनों ने किसी तरह की आशंका नहीं जताई है। वैसे महिला की मौत हो सुनियोजित हत्या से इंकार नहीं किया जा सकता है।

पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट व एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद ही इस मामले में कुछ कहा जा सकता है। वैसे पुलिस घटना के संबंध में बारीकी से जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि जल्दी ही इस घटना का उद्भेदन कर लिया जाएगा तथा यदि महिला की हत्या की गई होगी तो हत्यारों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही पुलिस स्वजनों के आवेदन का इंतजार भी कर रही है।

खरवनिया के शिव मंदिर के दो दिवसीय अनुष्ठान का समापन, भक्ति में डूबा रहा क्षेत्र

केटी न्यूज/केसठ

प्रखंड के खरवनिया गांव स्थित नहर मार्ग पर बंगला के समीप बालेश्वर शिव मंदिर में आयोजित दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का सोमवार को समापन हो गया। अनुष्ठान के दूसरे दिन 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन संपन्न हुआ, जिसमें क्षेत्र के विभिन्न गांवों की कीर्तन मंडलियों ने बारी-बारी से अपनी मधुर स्वर लहरियों से भक्तों को हरि नाम का रसपान कराया।कीर्तन के उपरांत विधिवत रुद्राभिषेक, हवन एवं पूजन किया गया। शाम होते ही विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें कतीकनार, भटौली, सेंवई टोला, केसठ सहित आसपास के गांवों के श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में शामिल होकर प्रसाद ग्रहण किया। प्रसाद वितरण देर शाम तक चलता रहा।मंदिर के संरक्षक पप्पू कुमार सिंह ने बताया कि पहले यहां नहर बंगला के पास छोटा सा जर्जर शिव

मंदिर था, जो झाड़ियों से घिर गया था। ग्रामीणों की पहल से इसे नया स्वरूप देकर भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया। इसके बाद हर वर्ष पूजा-अर्चना, रुद्राभिषेक, हवन और भंडारे के साथ मेला का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें क्षेत्रवासियों की भारी भागीदारी रहती है।पूरे कार्यक्रम में पप्पू कुमार सिंह, गोलू कुमार सिंह, सोनू कुमार सिंह, सूरज कुमार, आदित्य कुमार, प्रताप कुमार सिंह, अशोक सिंह, विदेशी राम, शेरा राम, त्रिवेणी राम सहित ग्रामीणों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। मंदिर परिसर दो दिनों तक भक्ति और उत्साह से सराबोर रहा।

अदालत ने हत्या के तीन दोषियों को सुनाई उम्रकैद की सजा, पीड़ित परिवार बोला देर से सही, मिला न्याय

केटी न्यूज/बक्सर

ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र में जमीन पर अवैध कब्जा को लेकर वर्षों से चल रहा विवाद आखिरकार न्यायिक फैसले के बाद नई दिशा में पहुंच गया है। मंगलवार को एडीजे-5 संजीत कुमार सिंह की अदालत ने इस बहुचर्चित मामले में फैसला सुनाते हुए तीन आरोपियों को हत्या का दोषी करार दिया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा के साथ 10-10 हजार रुपये के आर्थिक दंड से दंडित किया। अदालत ने अपने निर्णय में साफ कहा कि जमीन विवाद की आड़ में जान लेने जैसा कृत्य किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। अपर लोक अभियोजक शेषनाथ सिंह, अनिल सिंह और मोहम्मद जावेद फैमिली ने बताया कि मामला ब्रह्मपुर चौक के पास स्थित दयाशंकर प्रसाद की भूमि से जुड़ा था। आरोप था कि आरोपी पक्ष जबरन ईंट जोड़कर भूमि पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा था। विरोध होने पर विवाद हिंसक रूप ले बैठा और लाठी-डंडे एवं धारदार हथियारों से किए गए हमले में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल रामाशंकर प्रसाद को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पीड़ित पक्ष ने घटना के बाद संजय तिवारी, उमाशंकर तिवारी, ध्रुव तिवारी सहित कई अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। पुलिस जांच और साक्ष्यों के आधार पर तीन आरोपितों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया। न्यायालय ने गवाहों के बयानों, चिकित्सीय रिपोर्ट और अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्यों पर विचार करते हुए तीनों आरोपितों को दोषी पाया।

अंतर विद्यालय विज्ञान प्रदर्शनी व क्विज प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाया प्रतिभा का जलवा

- गरिमा-काजल और रिमझिम-रागिनी ने बाजी मारी, क्विज में रितेश-अंजली प्रथम

केटी न्यूज/चौगाई

प्रखंड संसाधन केंद्र चौगाईं में मंगलवार को आयोजित अंतर विद्यालय विज्ञान प्रदर्शनी एवं क्विज प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने अपनी वैज्ञानिक समझ, रचनात्मकता और सामान्य ज्ञान का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा जगाना, नवाचार को बढ़ावा देना तथा शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा के माध्यम से उनकी प्रतिभा को निखारना था।विज्ञान प्रदर्शनी के दो अलग-अलग वर्गों कक्षा 6 से 8 तथा

कक्षा 9 से 12 में छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत, जल प्रबंधन, रोबोटिक्स और विज्ञान के दैनिक जीवन में उपयोग से जुड़े मॉडल प्रस्तुत किए। निर्णायक मंडल द्वारा मूल्यांकन के पश्चात कक्षा 6-8 वर्ग में गरिमा भारती और काजल कुमारी की टीम ने प्रथम स्थान हासिल किया। इन दोनों छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मॉडल में स्थानीय संसाधनों के उपयोग से ऊर्जा संरक्षण की उत्कृष्ट परिकल्पना दिखाई गई, जिसकी सभी ने सराहना की।वहीं कक्षा 9-12 वर्ग की विज्ञान प्रदर्शनी में रिमझिम कुमारी और रागिनी कुमारी की टीम विजेता बनी। इन छात्राओं ने आधुनिक विज्ञान तकनीक के माध्यम से ग्रामीण समस्याओं के समाधान पर केंद्रित अभिनव मॉडल तैयार किया, जिसने निर्णायकों और दर्शकों दोनों का ध्यान आकर्षित किया। इसी क्रम में आयोजित क्विज प्रतियोगिता में छात्रों की सामान्य ज्ञान क्षमता, विज्ञान, इतिहास, भूगोल तथा सामयिक घटनाओं से जुड़ी जानकारी की परख की गई। कक्षा 9-12 वर्ग में आयोजित क्विज में रितेश कुमार और अंजली कुमारी ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के दौरान छात्रों में उत्साह देखने लायक था और प्रत्येक राउंड रोमांच से भरा हुआ रहा।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ

डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः– सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

डुमरांव विधायक राहुल सिंह को कैबिनेट में शामिल करने की मांग हुई तेज

- जदयू प्रदेश अध्यक्ष और रालोमो प्रमुख से मुलाकात के बाद बढ़ी चचाएं, क्षेत्रीय नेतृत्व में नई रणनीति की आहट

केटी न्यूज/डुमरांव

बिहार की नई सरकार के गठन के साथ ही राजनीतिक गलियारों में नए समीकरण और संभावनाओं की सरगोशियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में डुमरांव विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक राहुल कुमार सिंह को बिहार कैबिनेट में शामिल करने की मांग राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन गई है। जदयू नेता रवि उज्ज्वल कुशवाहा ने इस मुद्दे को मुखरता के साथ उठाते हुए मंगलवार को जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा तथा रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा से मुलाकात की। दोनों नेताओं से मुलाकात के बाद क्षेत्रीय राजनीति में नई दिशा की

संभावनाएं और प्रबल होती दिख रही हैं। रवि उज्ज्वल ने बताया कि डुमरांव के विधायक राहुल सिंह न सिर्फ अपने व्यवहार और विकासपरक सोच के कारण जनता के बीच भरोसेमंद चेहरा बनकर उभरे हैं, बल्कि वे लगातार समतामूलक समाज की स्थापना के लिए प्रयासरत हैं। उनका कहना है कि बिहार की राजनीति में ऐसे युवा और साफ-सुथरी छवि वाले जनप्रतिनिधियों की भूमिका और मजबूत होनी चाहिए। जदयू नेता ने यह भी कहा कि राहुल सिंह के बड़े भाई मनोज सिंह का व्यक्तित्व और उनका सामाजिक योगदान भी लोगों को प्रेरित करता है, जिससे क्षेत्रीय नेतृत्व को मजबूती मिलती है।

उन्होंने कहा कि डुमरांव और पूरे शाहाबाद क्षेत्र को तेजी से विकास की जरूरत है, जिसे गति देने के लिए ऐसे प्रतिनिधियों को कैबिनेट स्तर की जिम्मेदारियां मिलना आवश्यक है। उनका मानना है कि क्षेत्र की आकांक्षाओं को पूरा करने और विकास के बड़े रोडमैप को धरातल पर उतारने के लिए विधायक राहुल सिंह जैसी हस्तियों की भूमिका महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

इसी बीच, कुछ राजनीतिक बयानबाजियों को लेकर भी उन्होंने चिंता जाहिर की। रवि उज्ज्वल ने स्पष्ट कहा कि समाज में अनावश्यक तनाव पैदा करने वाले लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। उन्होंने यह भी अपील की कि विकास और सद्भाव की राजनीति को प्राथमिकता देने वाले जनप्रतिनिधियों को मजबूती देने का समय है।

जदयू नेता ने डुमरांव विधायक राहुल सिंह के साथ-साथ संतोष निराला और आनंद मिश्रा की जीत पर भी बधाई देते हुए कहा कि शाहाबाद ही नहीं, पूरे राज्य ने एनडीए को ऐतिहासिक जनसमर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की संयुक्त विकास नीति का परिणाम है, जिसने बिहार के लोगों में उम्मीदों की नई रोशनी जगाई है। उन्होंने दावा किया कि पिछले वर्षों में हुए विकास कार्य एक क्रांति की तरह रहे और इसी वजह से एनडीए को अविश्वसनीय जीत मिली।

कैबिनेट विस्तार से पहले बढ़ रही इस तरह की राजनीतिक सक्रियता ने राज्य की राजनीति में नए समीकरणों और संभावित बदलावों के संकेत दे दिए हैं। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या डुमरांव को बिहार कैबिनेट में प्रतिनिधित्व मिलता है या नहीं।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

नशा एक बड़ी सामाजिक चुनौती, खुद से करे बदलाव की शुरूआत : जिलाधिकारी

- नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ पर समाहरणालय में शपथ, डीएम ने युवाओं से जुड़ने की अपील

केटी न्यूज/बक्सर

जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग के तत्वावधान में मंगलवार को समाहरणालय परिसर स्थित सभाकक्ष में नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की उपस्थिति में नशीले पदार्थों के उपयोग के विरुद्ध सामूहिक शपथ दिलाई गई। इस दौरान बड़ी संख्या में जिले के पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की शक्ति होते हैं और देश के विकास में उनकी भूमिका अहम होती है। ऐसे में यह आवश्यक है कि अधिक से अधिक युवा नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़ें। उन्होंने कहा कि नशा एक बड़ी सामाजिक चुनौती है। बदलाव की शुरूआत स्वयं से होती है, इसलिए हम सब न केवल अपने परिवार और समाज बल्कि खुद को भी नशे से दूर रखने का संकल्प लें।

डीएम ने बताया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना है। उन्होंने कहा कि आम नागरिक भी ऑनलाइन माध्यम से नशा मुक्ति शपथ लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए क्यूआर कोड स्कैन कर सीधे ऑनलाइन शपथ ग्रहण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में ऑनलाइन और ऑफलाइन शपथ ग्रहण कर नशा मुक्त समाज के निर्माण में योगदान दें जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि नशा न केवल किसी व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि उसके परिवार, समाज और देश की प्रगति में भी गंभीर बाधा उत्पन्न करता है। उन्होंने लोगों से नशे के किसी भी रूप से दूर रहने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नशा उन्मूलन केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से संभव है। जब समाज के सभी वर्ग इसमें एकजुट होकर आगे आएंगे, तभी स्वस्थ और सुरक्षित भारत का निर्माण संभव हो सकेगा। इस मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त बक्सर, अपर समाहर्त्ता, विशेष कार्य पदाधिकारी, नजारत उप समाहर्ता सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं विभिन्न कार्यालयों के कर्मचारी मौजूद थे।

कार्यक्रम का समापन सामूहिक संकल्प और नशा मुक्त भारत के लिए व्यापक जनजागरूकता फैलाने के संदेश के साथ हुआ।

एक नजर

कांग्रेस की समीक्षा बैठक में जिलाध्यक्ष ने उठाए निर्वाचन आयोग की पारदर्शिता पर सवाल

बक्सर। बक्सर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज पांडे की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में विधानसभा चुनाव 2025 के परिणामों की समीक्षा को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। करीब चार घंटे चली इस बैठक में सभी प्रखंड अध्यक्ष, वरिष्ठ कांग्रेसजन, प्रदेश प्रतिनिधि और एआईसीसी सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में महागठबंधन प्रत्याशी की हार के कारणों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की शुरूआत में डॉ. पांडे ने चुनाव परिणाम से जुड़े सभी बिंदुओं पर गंभीरता से विमर्श किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ-वार प्रदर्शन, मतदान प्रतिशत में कमी और विपक्षी मतों में आए उतार-चढ़ाव के कारणों पर राय मांगी। चर्चा के बाद सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित कर केंद्रीय नेतृत्व तथा बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी को भेजा गया। डॉ. पांडे ने कहा कि अगले दो सप्ताह के भीतर बूथ-स्तर पर विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इसके लिए विशेष टीमें गठित की जा रही हैं, जो गांव-गांव जाकर वास्तविक परिस्थितियों का अध्ययन कर रिपोर्ट पेश करेंगी। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि कई चरणों में संदेहजनक स्थितियां बनीं, जिससे चुनाव की पारदर्शिता पर प्रश्न खड़ा होता है। विपक्षी मतों में अचानक आए बदलाव से चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी संदेह गहराया है। इस संदर्भ में उन्होंने राहुल गांधी द्वारा पिछले छह महीनों से दिए जा रहे चेतावनी भरे वक्तव्यों को भी प्रासंगिक बताया। बैठक में कार्यकताओं ने संगठनात्मक कमजोरियों पर भी चिंता जताई। विशेष रूप से जिला कांग्रेस की नई कमेटी का अनुमोदन न होना हार के कारणों में शामिल माना गया। डॉ. पांडे ने कहा कि मजबूत और सक्रिय कमेटी के बिना प्रभावी चुनावी रणनीति संभव नहीं है। इसके साथ ही महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री के नाम की असमय घोषणाकृतेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री और मुकेश सहनी को उपमुख्यमंत्री घोषित करने को भी हार का प्रमुख कारण बताया गया। कार्यकताओं का मानना है कि यह निर्णय कई क्षेत्रों में जनता को स्वीकार नहीं हुआ, जिसका असर सीधे मतदान पर पड़ा।

नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ पर शपथ ग्रहण, लोगों को किया गया जागरूक

डुमरांव। नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ के अवसर पर मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न सरकारी कार्यालयों, शिक्षण संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर लोगों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर नशा उन्मूलन को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रखंड कार्यालय स्थित बुनियाद केन्द्र में डॉ. विकास कुमार की अगुआई में कर्मियों, सहयोगियों और स्थानीय लोगों को नशा नहीं करने तथा समाज को नशा मुक्त बनाने की सामूहिक शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में शामिल सभी उपस्थित लोगों को बताया गया कि नशा न सिर्फ स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अनुमंडल कार्यक्रम प्रबंधन इकाई के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लोगों ने सामूहिक रूप से शराब, तंबाकू, नशीले पदार्थों से दूरी बनाने और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि नशे की आदत से व्यक्ति आर्थिक, मानसिक और सामाजिक रूप से कमजोर होता है, इसलिए इससे बचना ही सुरक्षित व बेहतर जीवन का आधार है। कार्यक्रम के दौरान यह भी चर्चा हुई कि राज्य में शराब बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध होने के बावजूद महुआ की शराब, यूपी और झारखंड से अवैध रूप से लाई गई शराब की बिक्री और सेवन की गुप्त गतिविधियाँ जारी हैं। कई धंधेबाजों को पकड़कर जेल भेजा जा चुका है, फिर भी कुछ लोग इस अवैध कारोबार में शामिल हैं। अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि यदि समाज एकजुट होकर नशे का सेवन पूरी तरह बंद कर दे, तो अवैध तस्करी और बिक्री स्वतः समाप्त हो जाएगी। डॉ. विकास कुमार ने जनता से अपील की कि नशा मुक्त समाज बनाने में सभी अपनी भूमिका निभाएं, क्योंकि बदलाव तभी संभव है जब व्यक्ति स्वयं नशे से दूरी बनाए और दूसरों को भी प्रेरित करे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने हाथ उठाकर नशा मुक्त भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने की शपथ ली।

डुमरांव व नया भोजपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 2.45 लाख की वसूली, ट्रक चालकों में हड़कंप

नो एंट्री उल्लंघन और ओवरलोड पर पुलिस का शिकंजा कसा

केटी न्यूज/डुमरांव

शहर में लगातार बढ़ते जाम, अव्यवस्थित वाहनों की आवाजाही और परिवहन नियमों की अनदेखी पर अनुमंडल पुलिस ने सख्ती की नई मिसाल पेश की है। मंगलवार को डुमरांव और नया भोजपुर पुलिस ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर नो एंट्री के उल्लंघन और ओवरलोड परिचालन में पकड़े गए ट्रकों से कुल 2.45 लाख रुपए का जुमार्ना वसूला। पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से ट्रक चालकों में हड़कंप मचा हुआ है।गौरतलब है कि सोमवार को भी डुमरांव पुलिस ने नो एंट्री तोड़ने वाले 34 ट्रकों से 1.60 लाख रुपए का जुमार्ना वसूला था। लगातार दूसरे दिन की इस सघन कार्रवाई ने यह साफ कर दिया है कि नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

शहर को जाम से मुक्ति दिलाना लक्ष्य: डुमरांव थानाध्यक्ष

डुमरांव थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि शहर को जाम की समस्या से राहत दिलाना तथा वाहन चालकों को परिवहन नियमों के पालन के प्रति जागरूक करना प्राथमिक उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि नो एंट्री और ओवरलोडिंग से शहर की सड़कों पर अनावश्यक दबाव बढ़ता है। इससे न केवल जाम लगता है बल्कि दुर्घटनाओं की संभावना भी रहती है। इसलिए पुलिस इस अभियान को नियमित रूप से जारी रखेगी।

नया भोजपुर में 60 हजार की वसूली

वहीं नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि एनएच-922 पर ओवरलोड ट्रकों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। मंगलवार को अभियान के दौरान ओवरलोड परिचालन करते पकड़े गए वाहनों से 60 हजार रुपए का जुमार्ना वसूला गया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कोई भी वाहन चालक परिवहन नियमों का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई अनिवार्य है।

नो एंट्री के दौरान भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित

डुमरांव में प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात 9 बजे तक नो एंट्री लागू रहती है। इस अवधि में भारी वाहनों का शहरी क्षेत्र में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित है। इसके बावजूद ट्रक चालक शहर की परिधि पर ट्रकों को खड़ा कर नो एंट्री खुलने का इंतजार करते रहे, जिससे शहर के प्रवेश द्वारों पर लंबी लाइन और जाम की स्थिति बनती थी।

ट्रक चालकों की मनमानी से बिगड़ रही थी व्यवस्था

पुलिस की बार-बार की चेतावनी के बाद भी ट्रक चालक नियमों की अनदेखी कर रहे थे। टेढ़की पुल से आगे ट्रक खड़ा करने का स्पष्ट निर्देश दिया गया था, ताकि शहर की सीमा में जाम न हो। शुरूआत में चालक निर्देश का पालन करते दिखे, लेकिन कुछ ही दिनों में मनमानी शुरू हो गई।

बता दें कि ट्रकों के सड़क किनारे खड़े रहने से जाम की समस्या बढ़ गई है। कई बार दुर्घटनाएं भी हुईं तथा शहर में विधि-व्यवस्था की स्थिति प्रभावित हुई। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने फिर से कड़ा रुख अपनाते हुए विशेष अभियान शुरू किया।

किसी को छूट नहीं, अभियान रहेगा जारी

दोनों थानाध्यक्षों ने कहा कि परिवहन नियमों को ताक पर रखकर शहर की व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

थानाध्यक्षों ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई होगी। शहर की शांति, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है।

पुलिस की सख्ती से शहरवासियों को राहत की उम्मीद

लगातार चल रहे इस अभियान से शहरवासियों को उम्मीद है कि जाम, अव्यवस्था और दुर्घटनाओं की घटनाओं पर लगाम लगेगी। पुलिस की सक्रियता ने यह संदेश दे दिया है कि शहरी यातायात में सुधार अब प्रशासन की प्राथमिकता है, और नियमों का पालन न करने वालों पर आगे भी शिकंजा कसता रहेगा।

तेज रफ्तार ने ली एक और जान : एनएच-922 पर ट्रक की भीषण टक्कर, चालक की मौत, खलासी गंभीर

केटी न्यूज/बक्सर

बक्सर-पटना एन एच 922 पर औद्योगिक थाना क्षेत्र के कथकौली लड़ाई मैदान गेट के पास मंगलवार की अहले सुबह तेज रफ्तार की सड़क दुर्घटना एक बार फिर मौत का सबब बन गई। सुबह करीब साढ़े तीन बजे हुए इस भीषण हादसे में एक ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि खलासी गंभीर रूप से घायल हो गया। अचानक गूंजे जोरदार धमाके से आसपास के गांवों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और लोग घरों से बाहर निकल आए।स्थानीय लोगों के अनुसार, कोहरे और तेज रफ्तार की वजह से दृश्यता कम थी। इसी बीच पटना की ओर जा रही एक तेज रफ्तार ट्रक सामने चल रही बालू लदी ट्रक से पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आगे वाली ट्रक का केबिन पूरी तरह पिचक गया और अगला हिस्सा कबाड़ में तब्दील हो गया। हादसा इतना भयावह था कि चालक और खलासी केबिन में बुरी तरह फंस गए। सूचना मिलते ही औद्योगिक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। घायलों को तत्काल एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने चालक को मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान मध्यप्रदेश के निवासी जगदीश भेल पिताझछावा लाल भेल के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल खलासी का इलाज अस्पताल में जारी है। पुलिस ने घटना स्थल से दोनों ट्रकों को जब्त कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

सिमरी में प्राकृतिक खेती पर किसानों का प्रशिक्षण संपन्न

- रासायनिक मुक्त खेती, पोषक आहार और पर्यावरण संरक्षण पर विशेषज्ञों ने दी जानकारी

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी प्रखंड मुख्यालय स्थित ई-किसान भवन में मंगलवार को राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन योजना के अंतर्गत चयनित क्लस्टर के किसानों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक एवं रासायनिक मुक्त खेती के प्रति जागरूक करना, उनकी क्षमता का निर्माण करना और खेती को टिकाऊ एवं लाभकारी बनाना था।

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने किसानों को बताया कि प्राकृतिक खेती न केवल मिट्टी की सेहत को पुनर्जीवित करती है बल्कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता कम कर उत्पादन लागत को भी काफी हद तक घटाती है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से उत्पन्न खाद्यान्न अधिक पौष्टिक होने के साथ-साथ मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए सुरक्षित होते हैं। प्रशिक्षकों ने जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, मल्चिंग, मिश्रित खेती तथा गो-आधारित कृषि प्रणालियों के लाभों पर विस्तृत जानकारी दी। किसानों को फसल संरक्षण के जैविक तरीकों तथा जल-संरक्षण तकनीकों के उपयोग से उत्पादन बढ़ाने के उपाय भी बताए गए। कार्यक्रम में प्रखंड कृषि पदाधिकारी डॉ. रविंद्र कुमार, उर्वरक निरीक्षक सह कृषि सामान्य पदाधिकारी अमन अहमद समेत प्रशिक्षक दल उपस्थित रहे। सैकड़ों किसानों ने प्रशिक्षण में भाग लेकर प्राकृतिक खेती अपनाने का संकल्प व्यक्त किया। इस प्रशिक्षण के माध्यम से किसानों में टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने और रासायनिक मुक्त खेती के प्रति उत्साह देखने को मिला। जिला कृषि विभाग ने ऐसे कार्यक्रमों को भविष्य में भी जारी रखने की बात कही।

बक्सर जिले को मोतियाबिंद मुक्त बनाना है मेरा लक्ष्य : प्रदीप जायसवाल

- रोटरी जगदीश आई अस्पताल में 500 मरीजों की आंखों की मुफ्त जांच
- 200 चयनित मरीजों का 20 नवंबर को होगा मोतियाबिंद ऑपरेशन व लेंस प्रत्यारोपण

केटी न्यूज/डुमरांव

स्थानीय रोटरी जगदीश आई अस्पताल में मंगलवार को आयोजित विशाल नेत्र जांच शिविर में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। जेपी मेमोरियल चौरिटेबल ट्रस्ट तथा रोटरी क्लब बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में स्वर्गीय जगदीश प्रसाद की स्मृति में आयोजित इस शिविर में 500 से अधिक मरीजों की आंखों की विस्तृत जांच की गई, जिसमें 200 मरीज मोतियाबिंद से प्रभावित पाए गए। सभी चयनित मरीजों का 20 नवंबर को मुफ्त मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाएगा।

गरीब मरीजों को मिलेगा फ्री ऑपरेशन, लेंस, दवा और चश्मा

जांच के बाद डॉक्टरों ने बताया कि जिन मरीजों को लेंस प्रत्यारोपण की आवश्यकता है, उनका ऑपरेशन आधुनिक फेको तकनीक से किया जाएगा, जिसमें अत्याधुनिक मशीनों का उपयोग कर बिना टांके के लेंस लगाया जाता है। चयनित सभी मरीजों को फ्री चश्मा, दवा, भोजन, तथा आने-जाने का किराया भी दिया जाएगा, ताकि इलाज में किसी प्रकार की आर्थिक बाधा न रहे। अस्पताल में सुबह से ही मरीजों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। जांच का कार्य डॉ. ईश्वरीय पटेल और उनकी अनुभवी टीम द्वारा किया गया। शिविर में न सिर्फ डुमरांव, बल्कि आसपास के ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे।

बक्सर को मोतियाबिंद मुक्त बनाने का है लक्ष्य

अस्पताल के डायरेक्टर सह रोटेरियन प्रदीप कुमार जायसवाल ने बताया कि वे अपने पिता स्वर्गीय जगदीश प्रसाद की स्मृति में हर वर्ष गरीब और जरूरतमंद मरीजों का मुफ्त ऑपरेशन करवाते हैं। उन्होंने कहा कि उनके पिता समाज सेवा के प्रतीक थे, जिनसे प्रेरणा लेकर वे लगातार नेत्रदान, नेत्र जांच शिविर और ऑपरेशन शिविर का आयोजन करते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेरी कोशिश है कि बक्सर जिले का कोई भी व्यक्ति मोतियाबिंद जैसी समस्या से अंधेरे में न रहे। जब तक मैं सक्षम हूं, गरीब मरीजों की आंखों का मुफ्त ऑपरेशन करवाता रहूंगा। जायसवाल ने आगे बताया कि शिविर में आए कई बुजुर्ग मरीज ऐसे थे, जो महीनों से दृष्टि धुंधली होने की परेशानी झेल रहे थे, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण ऑपरेशन नहीं करा पा रहे थे। ऐसे मरीजों के चेहरे पर जांच और चयन के बाद बड़ी राहत दिखी। बता दें कि प्रदीप जायसवाल अबतक 10 हजार से अधिक मरीजों के मोतियाबिंद का मुफ्त ऑपरेशन करवा चुके है।

शिविर में उमड़े मरीज, व्यवस्था रही चाक-चौबंद

शिविर के दौरान अस्पताल परिसर में मरीजों की भारी भीड़ के बावजूद सभी के लिए उचित व्यवस्था की गई थी। पानी, बैठने की व्यवस्था, रजिस्ट्रेशन और जांच की प्रक्रिया सुचारू रूप से चलती रही। अस्पताल कर्मियों और स्वयंसेवकों ने मरीजों को लाइन में लगवाने से लेकर जांच कक्ष तक पहुंचाने में लगातार सहयोग किया। डॉ. पटेल ने बताया कि समय पर मोतियाबिंद की पहचान और ऑपरेशन बेहद जरूरी होता है, क्योंकि देरी होने पर मरीज की दृष्टि पूरी तरह नष्ट भी हो सकती है। इसलिए शिविर जैसे आयोजन दूर-दराज के गरीब मरीजों के लिए जीवन बदलने का अवसर होते हैं। शिविर में डॉ. दिलशाद आलम, एसएम शाहीद, समेत शहर के कई गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। सभी ने रोटरी क्लब और जेपी मेमोरियल ट्रस्ट के इस प्रयास को अत्यंत सराहनीय बताते हुए कहा कि यह कदम समाज को नई दृष्टि देने का काम कर रहा है। शिविर के समापन पर रोटरी क्लब के सदस्यों ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे नेत्र शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि आमजन को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण नेत्र उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

रोटरी सहेली सेंटर ने 21वें वार्षिकोत्सव पर दिया महिलाओं की प्रतिभा को संवारने का संदेश

केटी न्यूज/बक्सर

सिविल लाइन स्थित रोटरी सहेली सेंटर का 21वां वार्षिकोत्सव मंगलवार को महिलाओं की प्रतिभा, सामाजिक उत्तरदायित्व और सांस्कृतिक विविधता को समर्पित रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य सिर्फ स्थापना दिवस का उत्सव नहीं, बल्कि समाज में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और क्षमता को रेखांकित करना था। दीप प्रज्वलन और राष्ट्रीय गीत के साथ आरंभ हुए इस समारोह की अध्यक्षता सेंटर के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. दिलशाद आलम ने की। उन्होंने कहा कि आज की लड़कियां हर क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रही हैं और ऐसे मंच उनकी अभिव्यक्ति को नई उड़ान देते हैं।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा बालिकाओं और युवा प्रतिभाओं का सांस्कृतिक प्रदर्शन। पलक की प्रस्तुति ने दर्शकों से भरपूर प्रशंसा बटोरी, जबकि नन्हीं प्रतिभा सांभवी सौम्या ने अपनी कला से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंकिता और पायल ने मंच पर ऊर्जा और आत्मविश्वास से भरी प्रस्तुतियां देकर सभागार में तालियां गूंजा दीं।

संगीत के क्षेत्र में भी आयोजन यादगार रहा। गुड्डू पाठक, ख्वाजा उमेश और शिवम कश्यप ने एक से बढ़कर एक गीत प्रस्तुत किए। मंच पर डॉ. दिलशाद आलम और डॉ. सीएम सिंह ने भी अपने सुरों से विशेष माहौल बनाया। कार्यक्रम का संयोजन और मंच संचालन दीपक अग्रवाल ने संभाला, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रेसिडेंट इलेक्ट निर्मल कुमार ने दिया।

सृजन घोटाले में तीन दोषी करार, कोर्ट ने सुनाई सजा और लगाया भारी जुर्माना

एजेंसी/पटना

सीबीआई की विशेष अदालत ने बहुचर्चित सृजन घोटाले के पहले मामले में सजा सुनायी। भागलपुर डीएम कार्यालय के तत्कालीन नाजिर और इंडियन बैंक के तत्कालीन सहायक प्रबंधक समेत एवं अजय पांडेय को सश्रम कारावास और जुमार्ना की सजा कोर्ट ने सुनायी है। पटना स्थित सीबीआई की स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुनील कुमार-2 ने सृजन घोटाला से जुड़े आरसी 11ए/2017 (स्पेशल केस नंम्बर 3/2018) में फैसला सुनाया। बता दें कि सृजन घोटाला का यह मामला 12 करोड़ 20 लाख रुपये से

अधिक का है। सृजन घोटाला मामले में सीबीआई ने 38 अभियोजन गवाह पेश किये थे। गवाहोंके बयान और साक्ष्यों के आधार पर सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने इन तीनों को कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत दोषी पाया था। अदालत ने अमरेन्द्र कुमार यादव को 4 साल की सजा और 14 लाख जुमार्ना, अजय पांडेय को 4 साल का सश्रम कारावास और 6 लाख 25 हजार जुमार्ना जबकि इंडियन बैंक के तत्कालीन सहायक मैनेजर राकेश कुमार को 3 वर्ष की सजा सुनाई है। इनके ऊपर भी ढाई लाख रुपये का अर्थदंड लगाया है।। मामला 2017 का है, जब भागलपुर और बांका ट्रेजरी से 12 करोड़ रुपये की रकम को सृजन महिला विकास समिति लिमिटेड के खाते में अवैध रूप से हस्तांतरित किया गया था। यह मामला तब उजागर हुआ था। 2003-04 से 2017 के बीच ठञ्ह्ड के खाते में इस रकम को भेजी गई थी। मामला सामने आने के बाद इसकी जांच पुलिस ने शुरू कर दी लेकिन इसकी गंभीरता को देखते हुए मामले को सीबीआई को सौंपा गया। जिसके बाद इस केस की जांच में सीबीआई जुट गयी। आज इसी मामले में तीन आरोपियों को दोषी करार दिया गया है। इन सभी को सीबीआई की स्पेश कोर्ट ने सजा के साथ-साथ आर्थिक दंड भी लगाया है।

जुनून : प्यार में मिला धोखा तो प्रेमी ने प्रेमिका के लिए आग लगा दे दी जान

- **पहले शरीर पर छीड़का पेट्रोल फिर लाइटर से लगा ली आग**

केटी न्यूज/रोहतास

प्यार अंधा होता है, किसी फिल्म का यह डायलॉग शहर के न्यू एरिया में चरितार्थ होते दिखा। प्रेम में अपनी नाकामी से आहत प्रेमी ने प्रेमिका के दरवाजे पर ही खुद को आग लगा कर मार डाला। नगर थाना क्षेत्र के न्यू एरिया वार्ड संख्या 16 में एक युवक द्वारा फिल्मी अंदाज में की गई घटना से सभी भौंचक हैं। हालांकि युवक के परिजनों का आरोप है, कि लड़की के घर वालों ने उनके इकलौते पुत्र को मारपीट के बाद जलाकर मार दिया है। इधर पुलिस को सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दिया है। नगर एएसपी अतुलेश झा व नगर थानाध्यक्ष शिवेंद्र कुमार दल-बल

के साथ पहुंचे। एफएसएल की टीम के साथ घटनास्थल की घेराबंदी कर पूरे मामले की छानबीन शुरू कर दी। घटना के बारे में बताया जाता है कि मंगलवार की सुबह करीब 8 बजे ईदगाह मुहल्ला निवासी राकेश कुमार रजक का पुत्र अंकित कुमार न्यू एरिया में प्रेमिका के दरवाजे पर पहुंचा और हंगामा करने लगा। लोगों के मुताबिक उक्त युवक अपने साथ एक पोलिथिन में ज्वलनशील पदार्थ लेकर आया था। थोड़े हंगामेबाजी के बाद वह अपने सिर पर जहरीला पदार्थ उड़ेल लिया और लाईटर जलाकर खुद को आग लगा ली। अति ज्वलनशील पदार्थ के कारण आग बुझाया नहीं जा सका, और देखते-देखते उसकी मौत हो गई। उसके आग के हवाले होते देख कर आस-पड़ोस के लोगों ने बुझाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। आग बुझाने को दौड़े डेहरी अनुमंडल विधिक संघ के पूर्व अध्यक्ष रामाकांत दूबे का भी दोनों हाथ जख्मी हो गया। युवक का जला हुआ शव उनके ही दरवाजे के सामने पड़ा हुआ था। स्थानीय लोगों ने बताया कि एक दिन पहले ही लड़की का छेंका हुआ था और लड़के वाले रश्म अदा कर वापस लौट गए थे। सुबह अचानक प्रेमी पहुंच गया। दरवाजे पर जोर जोर से चिल्लाने लगा और एक बार लड़की से बात कराने की जीद की। लेकिन जब सफलता नहीं मिली तो अपने को आग के हवाले कर दिया। दूसरी ओर लड़के के परिजन घटनास्थल पर पहुंचकर चीखते - चिल्लाते हंगामा कर रहे थे। उनका आरोप था, कि उनके लड़के को बुलाया गया था, और घर में बांध कर मारपीट की जानकारी मिली थी। लेकिन जब तक वह पहुंचते की कुछ देर बाद ही पुलिस से उसके मौत की सुचना मिली। आरोप लगाया कि लड़की के परिजनों ने उसकी हत्या की है। एएसपी अतुलेष झा ने बताया कि पुलिस तमाम बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए जांच पड़ताल कर रही है। वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन व अनुसंधान किया जा रहा है। अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। प्राथमिकी दर्ज कर करवाई की जा रही है।

शहीद गरुण कमांडो ज्योति प्रकाश निराला के आठवीं पुण्यतिथि पर लोगों ने दी श्रद्धांजलि

केटी न्यूज। रोहतास

एयर फोर्स के गरुण कमांडो शहीद ज्योति प्रकाश निराला की आठवीं पुण्यतिथि पर काराकाट प्रखंड के बदिलाडीह गांव में शहीद निराला के पिता डॉ. तेजनारायण सिंह द्वारा श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई । ज्योति प्रकाश निराला की मंगलवार को आठवीं पुण्यतिथि मनाई गई। जहां लोगों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि के साथ-साथ नमन व वंदन किया । इस शहादत श्रद्धांजलि सभा में बिक्रमगंज एसडीएम प्रभात कुमार, काराकाट विधायक तथा अंचलाधिकारी डॉ. रितेश कुमार पहुंचे,जहां शहीद ज्योति प्रकाश निराला की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई । गौरतलब है कि गरुण कमांडो निराला वर्ष 2017 में काश्मीर में आतंकवादियों के साथ हुए मुठभेड़ में गोली लगने के बाद भी उन्होंने कई आतंकवादियों को मार गिराए थे ।उनकी सेवा और बहादुरी के लिए उन्हें मरणोपरांत जनवरी 2018 को भारत के सर्वोच्च शांतिकालीन सैन्य

सम्मान अशोक चक्र से सम्मानित किया गया था। भारतीय वायु सेना की ओर से सुहास विश्वास और राकेश शर्मा के बाद शहीद निराला तीसरे वीर योद्धा बने । बता दें कि निराला बिहार के रोहतास जिला अंतर्गत काराकाट प्रखंड के बदिलाडीह गांव के रहने वाले थे । उनका जन्म 15 नवंबर 1986 को हिंदू परिवार में तेज नारायण सिंह यादव और मालती देवी के घर हुआ था । शहीद ज्योति प्रकाश निराला का विवाह 2010 में सुषमा नंद यादव से हुआ और उनकी एक बेटी जिज्ञासा कुमारी भी है । कार्यक्रम में मौजूद विधायक ने कहा कि शहीद ज्योति प्रकाश निराला की शहादत पर पूरे देश को गर्व है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने बताया जिस तरह से वे देश के दुश्मनों से लड़े,हम उनकी इस शहादत के लिए उनको आजीवन शत-शत नमन के साथ वंदन करते हैं।

बिहार के इस जिले में पुलिस वाहन और ट्रक में टक्कर, कई जवान घायल

एजेंसी। मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर के सदर थाना क्षेत्र के दीघड़ा पेट्रोल पंप के पास सोमवार देर शाम भीषण सड़क हादसा हो गया है। यहाँ बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के बाद वापस लौट रही विशेष अस्त्र पुलिस टीम की गाड़ी आगे चल रहे ट्रक के अचानक ब्रेक लगाने से संतुलन खो बैठी और ट्रक के पिछले हिस्से में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में गाड़ी के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और इस पर सवार कई जवान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग दौड़े और घायलों को बाहर निकालने में जुट गए। सदर थाना पुलिस और डायल 112 की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद कुछ को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। घायलों की संख्या 8 बताई जा रही है, जिनमें से 4 की हालत नाजुक

है। सभी का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार ट्रक अचानक धीमा हुआ, जिससे पीछे से आ रही पुलिस गाड़ी टकरा गई। चालक ने ब्रेक लगाने की कोशिश की, लेकिन रफ्तार ज्यादा होने से नियंत्रण नहीं हो सका। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया है, जिसकी तलाश जारी है। गाड़ी को जब्त कर लिया गया है। प्राथमिक जांच में लापरवाही और तेज रफ्तार मुख्य वजह लग रही है। सदर थानाध्यक्ष ने कहा कि त्र्ऋफ्र दर्ज हो चुकी है और विस्तृत जांच चल रही है। चुनाव ड्यूटी में तैनात विशेष अस्त्र पुलिस की यह टीम मतदान प्रक्रिया पूरी करने के बाद मुख्यालय लौट रही थी। घायल जवानों के परिजन अस्पताल पहुंचे हैं। विभाग ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया है और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

एक नजर

जमुई में अपराधियों का तांडव जारी, युवक को गोली मारी, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

जमुई । चंद्रदीप थाना क्षेत्र अंतर्गत अलीगंज बाजार में मंगलवार की शाम अपराधियो ने एक युवक को गोली मार दी। गोली लगने के बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आनन-फानन में उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज जारी है। घायल युवक की पहचान हुडरहिया गांव निवासी रणधीर यादव के रूप में हुई है। बताया जाता है कि मंगलवार कि शाम लगभग 4 बजे रणधीर यादव अलीगंज बाजार धरमकाटा के समीप ट्रैक्टर में बेल्डिंग का काम करवा रहा था, तभी अपाची बाईक सवार तीन हथियारबंद बदमाश युवक आया और तीन गोली चलाई। जो युवक के जांघ तथा दाये बांह मे जा लगी और एक बाहर निकल गया। घायल युवक को अलीगंज पीएचसी लाया जहां प्राथमिक उपचार के बाद जमुई रेफर कर दिया गया है। छोटा दोनों डॉक्टर साजिद हुसैन ने बताया कि युवक की बाह मे गोली लगी है। थानाध्यक्ष राजेन्द्र साह ने बताया कि घटना की जानकारी मिली पुलिस मामले की छानबीन मे जुट गई है और जल्द ही अपराधियों को चिन्हित कर लिया जाएगा। इधर गोली चलने से फिर एक बार अलीगंज बाजार दहल उठा। इस घटना से लोगों में दहशत का माहौल है।

घूसखोरी मामले में उप सरपंच गणेश साव दोषी करार: एक साल का सश्रम कारावास और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा

बिहारशरीफ। भ्रष्टाचार के एक मामले में नालंदा के बिहारशरीफ के पचौरी पंचायत के उप सरपंच गणेश साव को निगरानी कोर्ट ने दोषी ठहराया है। निगरानी कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस मोहम्मद रूस्तम ने फैसला सुनाते हुए गणेश साव को एक साल का सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। वही 10 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर एक महीने का अतिरिक्त साधारण कारावास होगा। दोनों सजाएं साथ-साथ चलेगी। बता दें कि अब तक 2025 में कुल 24 भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों में निगरानी कोर्ट ने सजा सुनाई है। ये सभी दोषसिद्ध की कार्रवाई न्यायाधीश मोहम्मद रूस्तम की कोर्ट ने सुनाई है। उप सरपंच गणेश साव पर चेक पर हस्ताक्षर करने के एवज में तीन हजार रुपए घूस मांगने का आरोप था। मामला 22 जनवरी 2011 का था। इस मामले में तत्कालीन आईओ पुलिस निरीक्षक अक्षय कुमार मिश्रा ने समय पर आरोप पत्र दायर किया। जिसके बाद बिहार सरकार की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजय भानु ने प्रभावी तरीके से पैरवी की और आरोपी गणेश साव को दोष सिद्ध कराने में सफलता हासिल की।

20 नवंबर को गांधी मैदान में नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण समारोह में निशांत भी होंगे शामिल

पटना। एनडीए की प्रचंड जीत के बाद बिहार में नई सरकार के गठन की तैयारी तेज हो गई है। आगामी 20 नवंबर को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में भव्य शपथग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्र सरकार के कई मंत्री और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। इस दिन नीतीश कुमार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके साथ डिप्टी सीएम सहित कई नए मंत्रियों को भी पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। इधर, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार भी शपथग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए गांधी मैदान पहुंचेंगे। निशांत ने बिहार की जनता के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ह्लबिहार की जनता ने पिताजी पर जो भरोसा जताया है, उसके लिए मैं हृदय से धन्यवाद देता हूं। साथ ही, हमारे सभी एनडीए गठबंधन के साथियों को भी जीत की बधाई देता हूं। निशांत ने समारोह में आने वाले सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि जनता ने आशीर्वाद के रूप में एनडीए को जीत दिलाई है और वह स्वयं भी शपथग्रहण कार्यक्रम में शामिल होंगे। निशांत ने कहा है कि बिहार की जनता का आशीर्वाद पिताजी को मिला है। इसके लिए मैं बिहार की महान जनता को धन्यवाद देता हूं। जितने भी हमारे एनडीए गठबंधन के साथी हैं उन सभी को भी मैं बधाई देता हूं। वही शपथग्रहण समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों का निशांत ने स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जनता ने आशीर्वाद के रूप में एनडीए को जिताया है। कहा कि हम भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए गांधी मैदान जाएंगे।

बिहार से गुजरने वाली कई ट्रेनें रद्द, कई के परिचालन में हुआ बदलाव

केटी न्यूज। पटना

ठंड और कोहरे को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने बड़ा फैसला लिया है। रेलवे ने आगामी 1 दिसंबर 2025 से 28 फरवरी 2026 तक कुछ ट्रेनों का परिचालन रद्द कर दिया है तो कई ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द कर दिया है। इसके साथ ही कुछ ट्रेनों के परिचालन के दिनों में कमी की गयी है। देखिए.. पूरी लिस्ट....

पूर्णतः रद्द ट्रेनें

1.गाड़ी सं. 14112 प्रयागराज जं. -मुजफ्फरपुर एक्सप्रेस - 01.12.25 से 25.02.26 तक

2.गाड़ी सं. 14111 मुजफ्फरपुर-प्रयागराज जं. एक्सप्रेस - 01.12.25 से 25.02.26 तक

3.गाड़ी सं. 22198 वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी)-कोलकाता एक्स. - 05.12.25 से 27.02.206 तक

4.गाड़ी सं. 22197 कोलकाता-वीरांगना लक्ष्मीबाई (झांसी) एक्स. - 07.12.25 से 01.03.26 तक

5.गाड़ी सं. 12327 हावड़ा-देहरादून उपासना एक्सप्रेस - 02.12.25 से 27.02.26 तक

6.गाड़ी सं. 12328 देहरादून-हावड़ा उपासना एक्सप्रेस - 03.12.25 से 28.02.26 तक

7.गाड़ी सं. 14003 मालदा टाउन-नई दिल्ली एक्सप्रेस - 06.12.25 से 28.02.26 तक

8.गाड़ी सं. 14004 नई दिल्ली-मालदा टाउन एक्सप्रेस -04.12.25 से 26.02.26 तक

9.गाड़ी सं. 14523 बरौनी-अम्बाला हरिहर एक्सप्रेस - 04.12.25 से 26.02.26 तक

10.गाड़ी सं. 14524 अम्बाला-बरौनी हरिहर एक्सप्रेस - 02.12.25 से 24.02.26 तक

11.गाड़ी सं. 14617 पूर्णिया कोर्ट-अमृतसर जनसेवा एक्सप्रेस - 03.12.25 से 02.03.26 तक

12.गाड़ी सं. 14618 अमृतसर-पूर्णिया कोर्ट जनसेवा एक्सप्रेस - 01.12.25 से 28.02.26 तक

13.गाड़ी सं. 15903 डिब्रूगढ़-चंडीगढ़ एक्सप्रेस - 01.12.25 से 27.02.26 तक

14.गाड़ी सं. 15904 चंडीगढ-डिब्रूगढ़. एक्सप्रेस - 03.12.25 से 01.03.26 तक

15.गाड़ी सं. 15620 कामाख्या-गया एक्सप्रेस - 01.12.25 से 23.02.26 तक

16.गाड़ी सं. 15619 गया-कामाख्या एक्सप्रेस - 02.12.25 से 24.02.26 तक

17.गाड़ी सं. 15621 कामाख्या-आनंद विहार एक्सप्रेस - 04.12.25 से 26.02.26 तक

18.गाड़ी सं. 15622 आनंद विहार-कामाख्या एक्सप्रेस - 05.12.25 से 27.02.26 तक

19.गाड़ी सं. 12873 हटिया-आनंद विहार एक्सप्रेस - 01.12.25 से 26.02.26 तक

20.गाड़ी सं. 12874 आनंद विहार-हटिया एक्सप्रेस - 02.12.25 से 27.02.26 तक

21.गाड़ी सं. 22857 संतरागाछी-आनंद विहार एक्सप्रेस - 01.12.25 से 02.03.26 तक

22.गाड़ी सं. 22858 आनंद विहार-संतरागाछी एक्सप्रेस - 02.12.25 से 03.03.26 तक

23.गाड़ी सं. 18103 टाटा-अमृतसर एक्सप्रेस - 01.12.25 से 25.02.26 तक

24.गाड़ी सं. 18104 अमृतसर-टाटा एक्सप्रेस - 03.12.25 से 27.02.26 तक

परिचालन के दिनों में कमी कर के चलायी जाने वाली ट्रेनें

प्रारंभिक स्टेशन से खुलने वाली निम्नलिखित ट्रेनों का परिचालन उनके आगे अंकित दिन को निम्नानुसार रद्द रहेगाः

1.गाड़ी सं. 11123 ग्वालियर-बरौनी एक्सप्रेस दिनांक 01.12.25 से 26.02.26 तक प्रत्येक सोमवार एवं गुरूवार को रद्द ।

2.गाड़ी सं. 11124 बरौनी-ग्वालियर एक्सप्रेस दिनांक 02.12.25 से 27.02.26 तक प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को रद्द ।

3.गाड़ी सं. 12988 अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस दिनांक 02.12.25 से 28.02.26 तक प्रत्येक मंगल, गुरू एवं शनिवार

कांग्रेस नेता ने लिया बड़ा फैसला दान में देंगे करोड़ों की पुस्तैनी जमीन

केटी न्यूज। पटना

जहानाबाद जिले के कांग्रेस नेता सैयद कैसर आलम रिजवी ने बड़ा फैसला लेते हुए जिले के लाचार और गरीब बुजुर्गों के लिए वृद्धाश्रम और बच्चों के स्कूल बनाने के लिए अपनी एक बीघा पुस्तैनी जमीन दान देने की घोषणा की है। उन्होंने शहर के जाफरगंज रिजवी कॉलोनी में घोषणा करते हुए कहा कि वह अपने स्वतंत्रता सेनानी दादा के नाम से वृद्धाश्रम और स्कूल बनवाना चाहते हैं, लेकिन उनके पास इसे बनवाने के लिए पैसे नहीं है। इस कारण उन्होंने राहुल गांधी को ईमेल किया है कि वह उनके गांव के खानदानी एक बीघा जमीन पर जिले के लाचार वृद्ध और गरीब बच्चों के लिए आश्रम और स्कूल बनवा दें। उन्होंने बताया कि ज्यादातर गरीब बच्चे सातवीं के बाद पढ़ाई छोड़ देते हैं। इसलिए वह सातवीं से लेकर 12वीं तक का स्कूल खोलना चाहते हैं। ताकि गरीबों के बच्चे उसमें 12वीं तक की शिक्षा हासिल कर सके। जिले के गरीब और लाचार वृद्धो की स्थिति भी खराब है। उनके लिए वह शरण स्थली बनवाना चाहते हैं। उनके दादा हकीम सैयद तल्लुफ हुसैन और पिता भी सैयद मंजरुल हुसैन दोनों स्वतंत्रता सेनानी थे और स्वतंत्रता आंदोलन में बढ़कर हिस्सा लेते थे। जिसके कारण उन दोनों को आजादी की लड़ाई में जेल भी जाना पड़ा था। उनके दादा जहानाबाद जिले के जाने-माने स्वतंत्रता सेनानी और पूर्व विधायक स्वर्गीय फिदा हुसैन के बहनोई थे और के उन्हीं की संगत में स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेते थे। उस समय कांग्रेस के तमाम बड़े नेताओं का पत्र उनके दादा के पास आते थे। महात्मा गांधी जब 1947 में जहानाबाद आए थे तो उनके घर भी आए थे। उनके दादा कांग्रेस के 27 में अधिवेशन में 1922 में भाग लिए थे। इसके लिए चितरंजन दास जी का पत्र इनके दादा के पास आया था। इनके दादा का निधन आजादी के पहले 1929 में ही हो गया था। इनके बाद उनके पिता सैयद मंजरुल हुसैन ने आजादी की लड़ाई की कमान संभाली थी।

सुल्तानगंज से कटोरिया तक नई रेल लाइन बिछाने की तैयारी, खर्च किए जाएंगे 1261 करोड़

एजेंसी। पटना

बिहार में रेल कनेक्टिविटी को नई ऊंचाई देने वाली 1261 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी परियोजना को अब हरी झंडी मिल गई है। अजगैबीनाथ धाम (सुल्तानगंज) से कटोरिया तक 74.8 किलोमीटर नई रेल लाइन अब जल्द बिछेगी। सर्वे पूरा हो चुका है और भूमि अधिग्रहण भी आने वाले दिनों में शुरू होगा तथा नए साल में निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। यह लाइन असरगंज, तारापुर, बेलहर, श्रीनगर और सूयाबथान होते हुए कटोरिया तक जाएगी। वहीं, नए स्टेशन असरगंज, तारापुर, बेलहर, श्रीनगर और सूयाबथान में बनेंगे, जबकि कटोरिया

भी स्टेशन के रूप में विकसित होगा। सबसे बड़ा फायदा देशभर के शिवभक्तों और खासकर कांवड़ियों को होगा। अभी सुल्तानगंज से देवघर की रेल दूरी भागलपुर-बांका-कटोरिया होकर 131 किमी है। नई लाइन बनने के बाद यह दूरी घटकर सिर्फ 101 किमी ही रह जाएगी। प्रतिवर्ष लाखों कांवड़िए गंगा जल लेकर देवघर जाते हैं ऐसे में आगे से कम समय और कम खर्च में उनकी यात्रा पूरी होगी। पूर्व रेलवे के सीपीआरओ ने बताया है कि भूमि अधिग्रहण का अंतिम आकलन एक-दो दिन में पूरा हो जाएगा। इसके बाद भू-अर्जन विभाग को रिपोर्ट सौंपी जाएगी और मुआवजा वितरण शुरू होगा। निर्माण पूरा होने पर इस इलाके में ट्रेनों की संख्या बढ़ेगी, व्यापार को बल मिलेगा और हजारों लोगों को रोजगार भी मिलेगा। स्थानीय लोग और कांवड़ संघ इस घोषणा के बाद उत्साहित हैं। उनका कहना है कि दशकों पुराना उनका सपना अब साकार होने जा रहा है। 2028-29 तक इस लाइन पर ट्रेनें दौड़ने की उम्मीद है। बिहार का रेल नक्शा आने वाले वर्षों में और मजबूत होने जा रहा है।

क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में क्रांति

- अजगैबीनाथ धाम सीधे देवघर और बांका से जुड़ेगा
- जमालपुर-भागलपुर-साहिबगंज, भागलपुर-दुमका और गोड्डा-पीरपैंती लाइन से कनेक्शन
- भागलपुर-मंदारहिल सेक्शन से बांका रूट मजबूत होगा
- देवघर के लिए दो वैकल्पिक रूट मिल जाएंगे

20 नवंबर को गांधी मैदान में नीतीश कुमार लेंगे शपथ, तैयारियों का सीएम ने लिया जायजा

एजेंसी। पटना

बिहार की जनता ने एनडीए को भारी मतों से विजयी बनाया है। बिहार में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनने जा रही है। पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में 20 नंवबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पद और गोपनियता की शपथ लेंगे। साथ ही डिप्टी सीएम सहित कई मंत्री भी शपथ लेंगे। इसकी तैयारी गांधी मैदान में युद्धस्तर पर जारी है। शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गांधी मैदान पहुंचे। उनके साथ सम्राट चौधरी,नीतिन नवीन, बीजेपी के प्रभारी विनोद ताबड़े सहित कई नेता मौजूद रहे। इस दौरान पटना डीएम, एसपी के साथ-साथ कई अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। बता दें कि बिहार चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद 20 नवंबर को नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया

जाएगा। पटना के गांधी मैदान में नीतीश कुमार दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। कार्यक्रम को भव्य रूप देने की तैयारियाँ तेजी से चल रही हैं। शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के शामिल होने की संभावना है। बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि समारोह में करीब दो से तीन लाख लोगों के पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि बुधवार को भाजपा विधायक दल की बैठक होगी, जिसके बाद एनडीए विधायक दल की बैठक आयोजित की जाएगी। इसके बाद 20 नवंबर को गांधी मैदान में शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न होगा। इस समारोह में विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और समाज के गणमान्य लोगों को भी आमंत्रित किया गया है। जायसवाल ने कहा कि मतदाताओं ने एनडीए को अभूतपूर्व समर्थन दिया है, इसलिए व्यापक स्तर पर जनता को भी आमंत्रित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नई सरकार विकसित बिहार के सपने को साकार करने का संकल्प लेगी। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को विधायक दल का नेता चुने जाने पर जायसवाल ने कहा कि यदि वे नेता प्रतिपक्ष बनते हैं, तो उन्हें अपनी भूमिका अनुशासनपूर्वक निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि राज्य के विकास में सकारात्मक सहभागिता निभाना भी है।

नीतीश कैबिनेट के शपथ ग्रहण की तैयारी तेज

बिहार में नई सरकार के गठन की तैयारी तेज हो गई है. नीतीश कुमार शपथ ग्रहण समारोह की तैयारी का जायजा लेने के लिए अन्य नेताओं के साथ गांधी मैदान पहुंचे. उनके साथ सम्राट चौधरी और मंत्री नितिन नवीन भी मौजूद थे. नीतीश कुमार ने गांधी मैदान में हो रहे शपथ ग्रहण समारोह की व्यवस्थाओं का खुद जायजा लिया. उनके साथ मौजूद नेताओं ने भी तैयारियों को परखा. इस दौरान उन्होंने सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं के बारे में संबंधित अधिकारियों से बातचीत की होगी।

एक नजर

पटना में बालू माफियाओं का कहर, खनन टीम पर ट्रैक्टर चढ़ा, सैप जवान की मौत, एक घायल

पटना जिला के दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जब अवैध बालू खनन पर लगाम लगाने गई सरकारी टीम पर बालू माफियाओं ने जानलेवा हमला कर दिया। अवैध बालू ढोने वाली गाड़ियों की जांच के लिए गई खनन विभाग की टीम पर माफियाओं ने ट्रैक्टर चढ़ा दिया। इस भयावह हमले में सैप के जवान दुखहरन पासवान की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य जवान लक्ष्मण सिंह गंभीर रूप से घायल हैं। घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत और सनसनी का माहौल है। खनन विभाग की टीम को दुल्हिन बाजार क्षेत्र में लंबे समय से चल रहे अवैध बालू खनन और ढुलाई की सूचना मिली थी। मंगलवार सुबह टीम गश्त पर निकली और संदेह के आधार पर एक ट्रैक्टर को रोकने का प्रयास किया। लेकिन ट्रैक्टर चालक और उसके साथ मौजूद माफिया तत्वों ने टीम पर अचानक हमला बोल दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही खनन टीम ने ट्रैक्टर को रोकने का इशारा किया, चालक ने वाहन को तेज कर दिया। टीम के विरोध करने पर माफियाओं ने जान-बूझकर ट्रैक्टर टीम के जवानों की ओर मोड़ दिया और उनपर वाहन चढ़ा दिया। इस अप्रत्याशित हमले में सैप के जवान दुखहरन पासवान गंभीर रूप से घायल हो गए और कुछ ही मिनटों में उनकी मौत हो गई। उसूत्र बताते हैं कि ट्रैक्टर पर बैठे माफिया हमले के बाद तुरंत मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस क्षेत्र में लंबे समय से बालू माफियाओं का बोलबाला है। कई बार कार्रवाई के बावजूद ये गिरोह रात के अंधेरे और नदी क्षेत्र के सहारे अवैध खनन कर सरकारी राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाते रहे हैं।

गोपालगंज में बीएसएफ जवान की मां की गोली मारकर हत्या घर में घुसकर अपराधियों ने वारदात को दिया अंजाम

गोपालगंज। गोपालगंज से इस वक्त की सबसे बड़ी खबर सामने आ रही है। मीरगंज थाना क्षेत्र के पांडेय समईल गांव में देर रात सनसनीखेज वारदात हुई है। अज्ञात अपराधियों ने बीएसएफ के जवान के घर में घुसकर महिला की नजदीक से गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। मृतका की पहचान सविता देवी, पति मुन्ना यादव के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल पुलिस हर ऐंगल से मामले की जांच में जुटी है और हत्या के संभावित कारणों को लेकर कई बिंदुओं पर पड़ताल कर रही है। शुरूआती जांच में सीलबंद वाद-विवाद (सी-विवाद) और जमीन विवाद की आशंका सामने आ रही है। मीरगंज थाना क्षेत्र के पांडेय समईल गांव में, जहां बीती रात गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा इलाका दहशत में। यहां अज्ञात अपराधियों ने घर में घुसकर सविता देवी को बेरहमी से गोलियों से भून डाला। घटना इतनी अचानक हुई कि परिवार के लोग संभल भी नहीं पाए। गोली लगते ही मौके पर ही सविता देवी की मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। एसडीपीओ आनंद मोहन गुप्ता ने बताया कि कल संध्या लगभग 6 बजे पांडेय समईल गांव में महिला की हत्या की सूचना मिली। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। शुरूआती जांच में सी-वाद एवं जमीन विवाद की बात सामने आ रही है। अनुसंधान जारी है। जांच पूरी होने के बाद ही हत्या के कारणों की पूरी पुष्टि की जा सकेगी। पुलिस संभावित आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। शव का पोस्टमार्टम करा कर रिपोर्ट का इंतजार, पड़ोसियों और रिश्तेदारों से पूछताछ जारी, पुरानी रंजिश और जमीन विवाद के एंगल से जांच। मोबाइल कॉल डिटेल और आसपास के सीसीटीवी की जांच की जा रही है।

मोतिहारी में पुलिस की बड़ी कार्रवाई : हत्या की साजिश नाकाम, छह अपराधी गिरफ्तार

एजेंसी। मोतिहारी

मोतिहारी पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पूर्व जिला परिषद सुरेश यादव हत्याकांड के मुख्य वादी उनके सगे भाई विजय यादव एवं उनके सहयोगी की हत्या करने की योजना बना रहे शूटर सहित आधा दर्जन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों के पास से 9 एमएम के दो पिस्टल के साथ एक दर्जन कारतूस भी जब्त किया है। वहीं घटना के संबंध में सदर वन डीएसपी दिलीप सिंह ने खुलासा करते हुए बताया कि एसटीएफ और डी आई ओ की टीम से गुप्त सूचना मिली थी की बंजरिया थाना क्षेत्र के चैलाहा कोठी भूतही माई स्थान के पास कुछ अपराधी एकत्रित हो कर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे है। जिसके बाद एसपी स्वर्ण प्रभात ने सदर वन, टू और अरेराज डीएसपी के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर छापेमारी करने का निर्देश दिया टीम द्वारा छापेमारी कर दो बाइक पर सवार तीन

अपराधी को गिरफ्तार किया, जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से दो पिस्टल तीन मैगजीन 12 गोली के साथ गिरफ्तार किया गया। उनके निशानदेही पर इसमें लाइनर की भूमिका निभाने श वाले तीन और लोगो को गिरफ्तार किया गया। जब पूछताछ की गई तो बताया सभी स्वर्गीय सुरेश यादव हत्या कांड से जुड़े दो लोगो की हत्या करने के लिए सुपारी दिया गया है। पूछताछ के दौरान बताया की यहीं का वह आदमी है जो दुबई में बैठा है। जो तीन लाख रुपये में हत्या करने का सुपारी दिया। शूटर के आने के बाद रियाज उसे हथियार उपलब्ध करवाया था, वहाँ से हथियार लेने के बाद घटना को अंजाम देने के फिराक में था लेकिन इससे पहले पुलिस ने उसे उठा लिया।

मुंगेर में 21 वर्षीया महिला ने एक साथ 3 बेटियों को दिया जन्म, पत्नी को देखने तक नहीं आया पति

एजेंसी। मुंगेर

मुंगेर में एक अनोखा मामला सामने आया है, जहां एक 21 वर्षीया महिला ने सिजेरियन प्रसव के दौरान एक साथ तीन बच्चियों को जन्म दिया। जच्चा और तीनों नवजात पूरी तरह स्वस्थ बताए जा रहे हैं। इस खुशखबरी से मायके पक्ष में

खुशी का माहौल है, लेकिन पति की बेरुखी ने विवाद की स्थिति पैदा कर दी है। मामला मुंगेर जिले के धरहरा प्रखंड की है। धरहरा निवासी कैलाश कुमार की पत्नी जुली कुमारी को अचानक प्रसव पीड़ा होने पर परिजन उन्हें धरहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। वहां हालत गंभीर देखकर डॉक्टरों ने तुरंत सदर अस्पताल मुंगेर रेफर कर दिया। अस्पताल प्रबंधक तौसीफ हसनैन की देखरेख में, महिला चिकित्सक डॉ. स्मृति और उनकी टीम ने सिजेरियन ऑपरेशन किया। ऑपरेशन के दौरान जुली कुमारी ने तीन बच्चियों को जन्म दिया। अस्पताल के अनुसार, प्रसूता और तीनों नवजात सुरक्षित हैं और उन्हें एसएनसीयू वार्ड में रखा गया है। प्रसूता की बहन ने बताया कि वे मूल रूप से पाटम की रहने वाली हैं और जुली का ससुराल धरहरा में है। उन्होंने आरोप लगाया कि जुली के पति, जो प्राइवेट ड्राइवर हैं, अपनी पत्नी को देखने तक नहीं आए। मायके वाले ही देखभाल कर रहे हैं। तीन-तीन बच्चियों के जन्म से हम सभी बेहद खुश हैं, लेकिन पति की बेरुखी दुखद है। डॉ. स्मृति ने कहा कि सिजेरियन ऑपरेशन सफल रहा और तीनों बच्चियों तथा मां की स्थिति स्थिर है। उन्होंने कहा कि अब सदर अस्पताल में सुविधाएं बेहतर होने के कारण मरीजों को निजी अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। तीन बच्चियों के जन्म से जहां मायके पक्ष में उल्लास का माहौल है, वहीं पति की उदासीनता इस खुशी में कड़वाहट घोल रही है।

मुजफ़्फ़रपुर में बड़ा हादसा : करजा पुल की रेलिंग तोड़कर नदी में गिरा कंटेनर, बाल-बाल बचे राहगीर

एजेंसी। मुजफ़्फ़रपुर

बिहार के मुजफ़्फ़रपुर जिले में अहले सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। करजा थाना क्षेत्र अंतर्गत NH-722 पर बने करजा पुल से एक कंटेनर अनियंत्रित होकर सीधे कदाने नदी में जा गिरा। हादसा इतना भीषण था कि आसपास के लोगों में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। तेज रफ्तार में आ रहा कंटेनर अचानक संतुलन खो बैठा और पुल की मजबूत सुरक्षा रेलिंग को तोड़ते हुए नदी में धंस गया। हालांकि घटना गंभीर थी, लेकिन राहत की बात यह रही कि कंटेनर का ड्राइवर सुरक्षित बाहर निकल आया और उसकी जान बच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हादसा सुबह 5 बजे के आसपास हुआ, जब सड़क पर ट्रैफिक बहुत कम था। कंटेनर मुजफ्फरपुर की ओर से आ रहा था और जैसे ही वह रेवा रोड पर स्थित करजा पुल के ऊपर पहुंचा, अचानक उसका नियंत्रण बिगड़ गया। ड्राइवर ने ब्रेक लगाया, लेकिन गाड़ी की रफ्तार इतनी तेज थी कि वह रोक नहीं पाया। गाड़ी बेकाबू होते ही पुल

ग्रामीणों की फुर्ती से बची ड्राइवर की जान

घटना के चंद मिनटों में ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। कंटेनर आधा पानी में धंसा था, जबकि उसका आगे का हिस्सा नदी की ओर झुका हुआ था। ग्रामीणों ने बिना किसी देरी के राहत कार्य शुरू कर दिया। उन्होंने रस्सियों का इस्तेमाल करते हुए ड्राइवर तक पहुंचने की कोशिश की। करीब 10 मिनट की मशक्कत के बाद ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। उसे हल्की चोटें आईं, लेकिन गंभीर चोटों से वह पूरी तरह बच गया। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायल ड्राइवर को पानी से बाहर लाकर सुरक्षित स्थान पर बैठाया।स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर यह हादसा दिन के समय होता, जब ठल-722 पर काफी ट्रैफिक रहता है, तो स्थिति कहीं ज्यादा भयावह हो सकती थी। कंटेनर के अलावा अन्य वाहन भी इसकी चपेट में आ सकते थे।

की रेलिंग से टकराई और धड़ाम की आवाज के साथ नीचे नदी में जा गिरी। रेलिंग टूटने की आवाज सुनकर आसपास के घरों और खेतों में मौजूद लोग मौके पर दौड़ पड़े। शुरूआती क्षणों में सभी को लगा कि कोई बड़ा हादसा हो गया है और शायद ड्राइवर को बचाना मुश्किल होगा, लेकिन स्थानीय लोगों की तत्परता ने स्थिति को बदल दिया।

बढ़ती ठंड के बीच मुजफ्फरपुर में डेंगू के मामलों में उछाल, आंकड़ा 100 पार

एजेंसी। मुंगेर

मुजफ्फरपुर जिले में डेंगू के मामलों में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार जिले में डेंगू मरीजों की संख्या 100 के पार पहुंच गई है। बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग की सभी टीमें अलर्ट मोड में आ गई हैं। विभाग ने सभी पीएचसी, सीएचसी सहित जिले के सरकारी अस्पतालों को सतर्क रहते हुए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। डेंगू प्रभावित इलाकों को चिन्हित कर वहां लगातार फॉगिंग और एंटी-लार्वा स्प्रे कराया जा रहा है। विभाग की टीमों को हॉटस्पॉट क्षेत्रों में विशेष रूप से निगरानी बढ़ाने

को कहा गया है। गौरतलब है कि बीते एक सप्ताह में डेंगू के मामलों में तेज उछाल आया है। एसकेएमसीएच की जांच रिपोर्ट में नए मामलों की पुष्टि होने के बाद मरीजों की संख्या पहले 96 थी, जो अब बढ़कर 100 से अधिक हो गई है। नए रोगियों में हल्का बुखार, शरीर दर्द और प्लेटलेट्स गिरने जैसी सामान्य लक्षण देखे जा रहे हैं। कई संदिग्ध बुखार के मरीज भी अस्पतालों में जांच और इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।जिले के बोचहां और मुसहरी प्रखंड में सबसे अधिक मामले सामने आए हैं। शहरी इलाके और मुसहरी प्रखंड के कई वार्डों में भी डेंगू संक्रमण तेजी से फैल रहा है, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग ने विशेष टीम बनाकर प्रभावित क्षेत्रों में नियंत्रण अभियान तेज कर दिया है। साथ ही डेंगू से बचाव के प्रति लोगों को जागरूक करने का अभियान भी चलाया जा रहा है। डेंगू की स्थिति पर जानकारी देते हुए स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर कुमार ने बताया कि सभी सरकारी अस्पतालों में डेंगू जांच और इलाज की पर्याप्त व्यवस्था है। एसकेएमसीएच से लेकर पीएचसी स्तर तक दवाइयों और अन्य चिकित्सकीय संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। अस्पतालों में डेंगू मरीजों के लिए विशेष वार्ड भी बनाए गए हैं। विभाग द्वारा शहर और ग्रामीण इलाकों में लगातार फॉगिंग व एंटी-लार्वा छिड़काव कराया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए सभी उपायों पर तेजी से काम किया जा रहा है।

जमुई के मलयपुर पुलिस लाइन में हथियार की सफाई के दौरान चली गोली, सीआरपीएफ जवान घायल

एजेंसी। जमुई

जमुई जिले के बरहट प्रखंड अंतर्गत मलयपुर पुलिस लाइन में हथियार की सफाई के दौरान सोमवार की दोपहर गोली चल गई। जिसकी चपेट में आने से एक जवान घायल हो गया। जिसे आनन-फानन में इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। 215 बटालियन के सीआरपीएफ जवान की पहचान बरहट प्रखंड अंतर्गत मलयपुर पुलिस लाइन में तैनात सीआरपीएफ जवान दिनेश मरांडी (30) वर्ष के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार दिनेश मरांडी सीआरपीएफ जवान है जो सोमवार की दोपहर पुलिस लाइन स्थित अपने कैंप में हथियार की सफाई कर रहा था। तभी अचानक गलती से हथियार से एक गोली चल गई। गोली उसके एक पैर में लग गयी और छिटककर कर गोली निकल गई। इस घटना में सीआरपीएफ जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। वही घायल जवान को अन्य जवानों की मदद से उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के बाद चिकित्सक ने उसे खतरे से बाहर बताया है। बता दें कि यह कोई पहले घटना नहीं है। इसके पहले भी हथियार सफाई के दौरान गोली चली है। जिसमें कुछ जवान और एसआई भी घायल हो चुके हैं। हालांकि पूरे मामले को लेकर वहां मौजूद वरीय सीआरपीएफ जवानों से बात की तो उन्होंने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया।

सुभाषितम्

कविता वह सुरंग है जिसमें से गुजर कर मनुष्य एक विश्व को छोड़ कर दूसरे विश्व में प्रवेश करता है। - रामधारी सिंह दिनकर

बिखरा हुआ विपक्ष

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन के सहयोगी दलों को 202 सीटों पर विजय प्राप्त हुई है, जो किसी चमत्कार से कम नहीं है। यह जीत भी तब मिली जब इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने एसआईआर और वोट चोरी के मुद्दे पर पूरे बिहार में रैली निकालकर जन जागरण का काम किया। चुनाव-प्रचार के दौरान सरकार के खिलाफ भारी विरोध जनता के बीच में देखने को मिला। उसके बाद भी एनडीए गठबंधन की यह जीत सभी को आश्चर्यचकित कर रही है। यह चमत्कार कैसे हुआ? मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा, दिल्ली और अब बिहार में जिस तरह की जीत मोदी और शाह की जोड़ी ने हासिल की है, उसे देखते हुए यह स्पष्ट प्रतीत होने लगा है कि राज्यों में भाजपा अपनी ही सरकार बनाकर 2047 तक का जो सपना उन्होंने देखा है उसे साकार करने में लग गई है। केंद्र एवं राज्य में भाजपा की ही सरकार हो इसके लिए जो रणनीति 2017 से भाजपा और संघ बना रहा था वह पूरी तरीके से परवान चढ़ चुकी है। लोकसभा 2024 के चुनाव में भाजपा से एक गलती हुई थी, कि उसने यह मान लिया था कि 300 सीटों पर उसका कब्जा है। उसने उन 100 सीटों पर ध्यान दिया था, जहां से वह 400 सीट का लक्ष्य प्राप्त करना चाहते थे, लेकिन सत्ता पक्ष के खिलाफ जो वातावरण बन गया था उसमें 300 सीटों को वह बचा के नहीं रख पाए। वहीं पर उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान हुआ और 240 सीटों पर आकर भाजपा रुक गई। इस गलती से भाजपा ने सबक लिया और अब उसने चुनाव आयोग के माध्यम से जीत की जो नई इबारत लिखना शुरू की है उसका विपक्ष के पास कोई तोड़ नहीं है। विपक्षी दलों के बीच में यह कहा जा रहा है कि वो जाएं तो कहां जाएं, केंद्रीय चुनाव आयोग में जो आयुक्त हैं वह सरकार द्वारा नियुक्त किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट में उसके खिलाफ जो याचिका लगी हैं उस पर आज तक सुनवाई नहीं हुई। संसद के 141 सदस्यों को बर्खास्त कर सरकार ने संसद से चुनाव कानून पास कराया था। चुनाव आयुक्तों के ऊपर कोई भी आपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता है। सरकार ने कानून बनाकर उसे असीमित शक्तियां दे दी हैं। ऐसे में कहा जा रहा, कि न्याय पालिका से अब जो भी न्याय मिल रहा है वह सरकार को मिल रहा है। न्याय पालिका विपक्ष के ऊपर आक्रामक है। ईडी, सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियां जिस तरीके से विपक्ष को निशाने पर लेती हैं, न्यायपालिका से उन्हें संरक्षण मिलता है। ऐसी स्थिति में एक-एक करके समस्त विपक्षी दलों के नेता और क्षेत्रीय दलों के नेता भाजपा के निशाने पर हैं। एक-एक करके उन राज्यों में भी भाजपा बहुमत के साथ अपनी सरकार बनाती जा रही है जहां पर भाजपा का पहुंच पाना संभव ही नहीं था। इस मामले में चुनाव आयोग की भूमिका अति महत्वपूर्ण हो गई है। चुनाव आयोग कई ऐसे सॉफ्टवेयर उपयोग में ला रहा है जो चुनाव में मनमाफिक चुनाव परिणाम मशीन की सहायता से ला सकते हैं। चुनाव आयोग ने पूरी चुनाव व्यवस्था का केंद्रीय कारण कर लिया है। चुनाव आयोग में जो भी डिजिटाइजेशन है उस पर चुनाव आयोग का ही नियंत्रण है। ईवीएम मशीन, वीवीपेट, मतदाता सूची और मतगणना सभी पर केंद्रीय चुनाव आयोग का नियंत्रण है। चुनाव आयोग से संबंधित कार्यों के लिए जो ईवीएम मशीन और वीवीपेट वगैरा इस्तेमाल किए जा रहे हैं, उनकी जो सॉफ्टवेयर कंपनियां हैं उनमें भाजपा के ही पदाधिकारी सदस्य बनकर काम कर रहे हैं। मतदान, मतगणना और मतदाता सूची में गड़बड़ियों को लेकर राहुल गांधी तथ्यों के साथ पत्रकार वार्ता करके जो गड़बड़ियां की गई हैं उन्हें उजागर कर चुके हैं। एड़ीआर ने भी 2024 के लोकसभा चुनाव में लगभग 80 लोकसभा सीटों पर मतदान और मतगणना के परसेंटेज और चुनाव परिणाम को लेकर चुनाव आयोग को जो आपत्ति दर्ज कराई थी उसे भी चुनाव आयोग ने ठंडे बस्ते में डाल रखा है। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में भी जब ये मामले जाते हैं तब इन मामलों पर तारीख पर तारीख मिलती है। सुनवाई और फैसला किसी मामले में नहीं होता है। इस स्थिति में विपक्ष और क्षेत्रीय दलों की मूर्खता और सत्ता लोलुपता के कारण भाजपा को दिन प्रतिदिन शक्तिशाली बनाती चली जा रही है।

विश्व शौचालय दिवस सिर्फ एक दिन का जश्न नहीं

-कांतिलाल मांडोत

विश्व शौचालय दिवस सिर्फ एक दिन का जश्न नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि शौचालय तक पहुँच और स्वच्छता सिर्फ बुनियादी मानवाधिकार ही नहीं, बल्कि सामाजिक समानता, स्वास्थ्य सुरक्षा और गरिमा का मामला है। भारत में स्वच्छ भारत मिशन ने इस दिशा में अहम कदम उठाए हैं, लेकिन उसके बावजूद कई चुनौतियाँ अभी भी बनी हुई हैं, विशेष रूप से महिलाओं का मामला। महिलाओं की स्थिति और शौच के अभाव में चुनौतियाँ बड़ी मुश्किल राहे थी।भारत में पारंपरिक सामाजिक और आर्थिक असमानताओं के कारण, महिलाओं अक्सर खुले में शौच के लिए मजबूर होती थीं। यह सिर्फ स्वास्थ्य-खतरे का मामला नहीं था, बल्कि उनकी सुरक्षा, गरिमा और आत्मसम्मान से जुड़ा सवाल था।सुरक्षा और असमर्थता खुले में शौच करने का मतलब होता था दूर-दूर जाना, अक्सर अंधेरे में या असुरक्षित स्थानों पर। महिलाओं के लिए यह खतरा दोगुना था । उन्हें यौन उत्पीड़न, जान-बचाव की परेशानी और शारीरिक असुविधा का सामना करना पड़ता था। विशेष रूप से गर्भवती महिलाएं, बुजुर्ग महिलाएं और किशोर लड़कियों के लिए यह प्रक्रिया बेहद जोखिम भरी होती थी। स्वास्थ्य और स्वच्छताखुले में शौच के कारण कीचड़, कीड़े, बैक्टीरिया और मैल घुला पानी आसपास फैलता था, जिससे डायरिया, गंदे पानी से संक्रामक रोगों का जोखिम बढ़ता था। इस तरह की स्थितियाँ बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य पर भारी असर डालती थीं। गरिमा और सामाजिक दबाव महिलाओं की सामाजिक प्रतिष्ठा और आत्मसम्मान के लिए इज्जतघर बहुत मायने रखते हैं। बिना शौचालय के, उन्हें न केवल शारीरिक असुविधा बल्कि सामाजिक शर्मिंदगी भी झेलनी पड़ती थी। कई जगहों पर महिलाएं इससे जुड़ी सामाजिक बंदिशों और शर्मिंदगी के कारण अपनी जरूरतों को छिपाती थीं या जोखिम भरा विकल्प चुनती थीं।सरकार की भूमिका और शौचालय निर्माण की प्रगति स्वच्छ भारत मिशन का दृष्टिकोण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत मिशन की शुरूआत की थी, जिसके दो हिस्से थे। ग्रामीण (एसबीएस-जी) और शहरी (एसबीएस-यू)। इसका प्रमुख लक्ष्य था ओपन डेफेक्शन फ्री (ओडीएफ) भारत बनाना।सरकार ने अपनी नीति में यह माना कि सिर्फ शौचालय बनाना ही पर्याप्त नहीं है उन्हें बनाना तो पहला कदम है, लेकिन उसके बाद उपयोग, रख-रखाव, व्यवहार परिवर्तन और अपशिष्ट प्रबंधन बेहद जरूरी हैं।निर्मित शौचालयों की संख्या करोड़ो में है।स्वच्छ भारत मिशन के आंकड़े बताते हैं कि सरकार ने बड़े पैमाने पर निर्माण किया है। सितंबर 2024 तक, ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 11.66 करोड़ घर-घर शौचालय बनाए जा चुके हैं। शहरी क्षेत्रों में, स्इट-व्ठुल्ल के अंतर्गत 63.63 लाख (लगभग 6.36 करोड़) व्यक्तिगत घरेलू शौचालय बनाए गए हैं। इसके अलावा, शहरी हिस्से में लगभग 6.36 लाख (636,000) सार्वजनिक और सामुदायिक शौचालय भी बनाए गए हैं। ग्रामीण स्तर पर 2.41 लाख से अधिक सामुदायिक सैनिटरी (सार्वजनिक) परिसर तैयार किए गए हैं। लगभग 5.87 लाख गाँवों को ओडीएफ ,+ स्टेटस मिला है, जहाँ सिर्फ खुले में शौच खत्म करने के बाद ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन तक किया जा रहा है। इस तरह की उपलब्धियाँ इस मिशन की गंभीरता और व्यापकता को दर्शाती हैं। लोगों की सोच शौचालय के प्रति जन दृष्टिकोण और जनता की सोच इस मिशन के बारे में मिश्रित है। कुछ सकारात्मक दृष्टिकोण हैं, तो कुछ आलोचनाएँ भी।लोगो के सकारात्मक दृष्टिकोण है कि इसे मोदी सरकार की प्रमुख सफलता के रूप में देखते हैं।उन्होंने दस वर्ष के अंदर लाखों-करोड़ों शौचालय बनवाए, जिससे पहले खुले में शौच करना सामान्य था और अब बहुत से गाँव और शहर ओडीएफ घोषित हुए हैं।महिलाओं और बच्चों की गरिमा में सुधार हुआ है। इज्जतघर का विचार सिर्फ भौतिक सुविधा नहीं, एक सामाजिक परिवर्तन भी है।स्वास्थ्य पर असर भी सकारात्मक दिखता है।बच्चों में डायरिया जैसी बीमारियों में कमी, और स्वच्छता से जुड़ी जागरूकता बढ़ी है।.नकारात्मक और सतर्क दृष्टिकोण केवल लोगो का ही नही है। विपक्ष भी हमलावर है और देश का विकास उनको पच नही रहा है।कांग्रेस ने देश की आजादी के बाद लोगो को मुलभुत सुविधा देने के लिए कभी सकारात्मक रुख नही अपनाया।जनता को अपने हाल पर छोड़ दिया। कुछ विशेषज्ञ और समाजशास्त्री कहते हैं कि सिर्फ निर्माण ही काफी नहीं है। आईएमपीआरआई की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कई घरों में शौचालय बने होने के बावजूद, हर जगह उनका उपयोग नहीं हो रहा है। रख-रखाव की बड़ी समस्या है। कई शौचालयों में साफ-सफाई, पानी और अपशिष्ट प्रबंधन नहीं हो पाता।व्यवहार परिवर्तन का काम अधूरा है। कुछ जगहों पर लोग फिर भी खुले में जाना पसंद करते हैं, या उपयोग न करने की आदत बन गई है क्योंकि उनकी निर्माण की गुणवत्ता अच्छी नहीं थी या सुविधाएँ सीमित थीं। मोदी सरकार को लोग कैसे देखते हैं ।मोदी सरकार को स्वच्छता को हिंदुस्तान की प्राथमिकता बनाने के लिए बहुत सम्मान मिला है। यह मिशन न सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर योजना है, बल्कि एक जन आंदोलन के रूप में पेश किया गया है।सरकार के बजट और संसाधन आवंटन को एक गंभीर सरकारी प्रतिबद्धता माना गया है । कई लोगों के नजर में यह दिखाता है कि मोदी सरकार ने सिर्फ घोषणाएँ नहीं की, बल्कि बड़े पैमाने पर कार्रवाई की।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस मिशन को पहचान मिली है, जिससे भारत की स्वच्छता छवि में सुधार हुआ है। कुछ आलोचक कहते हैं कि सरकार ने शुरूआत में पर्याप्त बजट नहीं दिया था, या आवंटन और रिलीज के बीच देरी रही। भ्रष्टाचार और बिचौलियों की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं। निर्माण ठेकेदार, दलाल, स्थानीय मिस्त्रीगण और सरकारी एजेंसियाँ लाभ में शामिल हो सकती हैं।उपयोग और रख-रखाव के बाद की विस्तार योजनाओं (जैसे ओडीएफ प्लस) में जनता और स्थानीय समुदाय की भागीदारी कुछ जगहों पर सुस्त है।भ्रष्टाचार, बिचौलिये और कमी समस्या के पहलूआज भी विधमान है।भ्रष्टाचार इस मिशन की चुनौतियों में एक बड़ी बाधा रही है। बिचौलियों और दलालों की भूमिका में ग्रामीणों के मजबूरी का फायदा उठाया गया है।कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि शौचालय निर्माण में स्थानीय दलाल और मिडिलमैन शामिल होते हैं। वे लाभ कमाने के लिए निम्न-मानक निर्माण सामग्री उपयोग करते हैं। ठेकेदारों और मिस्त्रीगण कभी-कभी गुणवत्ता नियंत्रण की अनदेखी करते हैं, जिससे टॉयलेट की दीवारें, टैंक या सीटें खराब बनती हैं।दावा किया गया है कि लाभार्थियों को मिलने वाली राशि (वित्तीय सहायता) पूरी तरह गायब नहीं होती, बल्कि कुछ हिस्सा दलालों या ठेकेदारों के पास चला जाता है।जिसमे पंचायत के कार्मिक से लेकर उच्च अधिकारी और सरपंच शामिल रहते थे। यह वित्तीय हस्तक्षेप लोगों तक सीधा नहीं पहुँचने का कारण बनता है।इस वजह से, कुछ परिवारों के हाथ में आठ- दस हजार जैसा हिस्सा आता है, जबकि शौचालय निर्माण में खर्च उससे कहीं अधिक हो सकता है।

कांग्रेस में बदलाव के साथ ही विद्रोह का ग्रहण!

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

उत्तराखंड में कांग्रेस पार्टी ने अपने संगठन में बदलाव किया है । पार्टी ने उत्तराखंड में बड़ा बदलाव करते हुए गणेश गोदियाल को प्रदेश कांग्रेस कमेटी का एक बार फिर अध्यक्ष नियुक्त किया है। पार्टी ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह को चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बनाया है।इसके अलावा पार्टी ने पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता हरक सिंह रावत को चुनाव प्रबंधन समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इन नियुक्तियों को स्वीकृति प्रदान की है।गणेश गोदियाल ने करण महारा का स्थान लिया है।करण महारा को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पद से मुक्त किए जाने के बाद कांग्रेस कार्य समिति का विशेष आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया गया है। गोदियाल दो बार उत्तराखंड विधानसभा के सदस्य रहे हैं। वह सन 2012 के विधानसभा चुनाव में पौड़ी गढ़वाल जिले की श्रीनगर विधानसभा सीट से चुनाव जीते थे।उत्तराखंड के लिए पार्टी ने नया प्रभारी भी नियुक्त किया है। मनोज यादव अब उत्तराखंड कांग्रेस के नए प्रभारी बनाये गए है। इसके साथ ही प्रदेश में 27 नए जिलाध्यक्षों की भी घोषणा की गई है। अल्मोड़ा से भूपेंद्र सिंह भोज, बागेश्वर से अर्जुन चंद्र भट्ट, देहरादून सिटी से डॉ. जसविंदर सिंह गोगी, हरिद्वार से बलेश्वर सिंह, रुद्रप्रयाग से कुलदीप कंडारी और टिहरी से मुरारी लाल खंडवाल को अध्यक्ष बनाया गया।सन 2017 और सन 2022 के विधानसभा चुनाव और सन 2024 के लोकसभा चुनाव में गोदियाल हार गए थे। जुलाई 2021 में भी वह प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने थे, लेकिन सन 2022 के उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था और महारा को यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी।उत्तराखंड कांग्रेस में जिला और महानगर कमेटी के गठन के बाद कही कही बगावत भी हो गई है। पूर्व कैबिनेट मंत्री तिलक राज बेहड़ के बेटे समेत 12 पार्षदों ने कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है। इन पार्षदों ने सर्च कमेटी के निर्णयों पर सवाल उठाए है और कांग्रेस द्वारा की गई रायशुमारी को नाटकबाजी करार दिया है। उन्होंने कहा कि इससे कांग्रेस को नुकसान होगा।उन्होंने सर्च कमेटी के निर्णयों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब मनोनयन ही करना था तो रायशुमारी क्यों की गई?उधम सिंह नगर कांग्रेस का अध्यक्ष फिर से हिमांशु गाबा को बनाया गया है। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष सीपी शर्मा को हटाकर कांग्रेस की महिला कार्यकर्ता ममता रानी को रुद्रपुर शहर की कमान सौंपी गई है। जिसके बाद कांग्रेस के 12 पार्षदों ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा देने की बात कही है।कांग्रेस पार्षदों ने सिटी क्लब में प्रेस वार्ता कर बताया कि पहले ही कांग्रेस की चुनाव में काफी हालत खराब हैं,अब फिर से अध्यक्ष रिपीट करना कार्यकर्ताओ का अपमान है।पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि इस संगठन सृजन में हम बहुत अच्छी संख्या में, जिलों में ब्राह्मण वर्ग से आने वाले नौजवानों को जिम्मेदारी पर दे सकेंगे। हरीश रावत के इस बयान से नए सियासी समीकरणों को लेकर भी बहस छिड़ गई है। पहली बार कांग्रेस खुलकर ब्राह्मण वर्ग को ज्यादा जिम्मेदारी देने की बात कर रही है। ऐसे में इसे कांग्रेस की नई सोच का परिणाम माना जा रहा है। क्या 2027 में कांग्रेस ब्राह्मण वर्ग को अधिक तवज्जो देने जा रही है, या कांग्रेस के अंदर बड़े पदों पर ब्राह्मण वर्ग का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। कांग्रेस में नारायण दत्त तिवारी और विजय बहुगुणा ब्राह्मण वर्ग से सीएम रह चुके हैं। जबकि ठाकुर के रूप में हरीश रावत को मौका मिला था। उत्तराखंड में ब्राह्मण और ठाकुर की सियासत में संतुलन बिठाया जाता रहा है। जब ब्राह्मण सीएम हो तो ठाकुर को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाता है और जब ठाकुर सीएम हो तो ब्राह्मण को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाता है।ब्राह्मण वर्ग में गणेश गोदियाल और किशोर उपाध्याय प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष रह चुके हैं। हालांकि किशोर अब भाजपा में हैं। पूर्व सीएम हरीश रावत अपने एक बयान में कहते हैं सनातन, कांग्रेस और ब्राह्मण इन तीनों का मेल है। इनके मेल का जब भी संयोग बना है इसने देश को मजबूत किया है। संगठन में बदलाव से पहले ही उन्होंने इशारों में बता दिया था कि कांग्रेस ब्राह्मण वर्ग का खासा ख्याल रखने वाली है।सन 2017 से सन 2022 के बीच ठाकुर मतदाताओं का झुकाव बीजेपी की तरफ रहा है।सन 2017 में जहां भाजपा को लगभग 53प्रतिशत ठाकुर वोट मिला था, सन 2022 में यह बढ़कर 60 प्रतिशत पर पहुंच गया। दूसरी ओर कांग्रेस का हिस्सा 29प्रतिशत से घटकर 26प्रतिशत रह गया।ब्राह्मण वोट बैंक में तो बदलाव और भी तेज रहा। सन 2017 में भाजपा को इस समुदाय से 52प्रतिशत वोट मिला था, जो सन 2022 में बढ़कर 63प्रतिशत तक पहुंच गया, यानी सीधे 11प्रतिशत की छलांग लगाई। इसके मुकाबले कांग्रेस का वोट शेयर 28प्रतिशत से गिरकर 26प्रतिशत रह गया।इसके उलट दलित समुदाय में कांग्रेस का ग्राफ ऊपर गया है। भाजपा का दलित वोट शेयर सन 2017 के 37प्रतिशत से गिरकर सन 2022 में 26प्रतिशत रह गया, जबकि कांग्रेस का समर्थन बढ़ा है।उत्तराखंड में ठाकुर (35प्रतिशत) और ब्राह्मण (25प्रतिशत) मिलाकर कुल 60प्रतिशत सवर्ण वोट शेयर बनाते हैं, जबकि बाकी सभी वर्ग- अल्पसंख्यक (16प्रतिशत), एसटी-ओबीसी (18.9प्रतिशत) और एससी (2.81प्रतिशत) सिर्फ 40 प्रतिशत हैं।तभी तो अभी तक हर मुख्यमंत्री भी इन्हीं दो वर्गों से बने हैं।

भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है

- नरेंद्र भारती

आधुनिक इंसान पता नहीं किस गलतफहमी में जी रहा है कि सदा ऐसे ही चलती रहेगी।मौत एक अटल सच्चाई है। आदमी ही आदमी से भेदभाव करता है मगर मौत कोई भेदभाव नहीं करती।जिन्दगी एक बार मिलती है फिर यह नफरत क्यों की जा रही है।इंसान को इंसानियत नहीं भूलनी चाहिए।हर इंसान से एक जैसा व्यवहार करना चाहिए।सादा जीवन जीना चाहिए।समाज में कुछ लोग ऐसे है जो गरीबों को इंसान नही नहीं समझते मगर अब हर आदमी आत्म निर्भर हो गया है। अब वह समय नहीं रहा कि किसी आदमी का प्रयोग करो और छोड़ दो।कैसी विडम्बना है कि जब इन्सान जिन्दा होता है तो कोई उसका हाल तक नहीं पूछता लेकिन जब संसार से रुखस्त हो जाता है तो हर आदमी मातम में शामिल होने में अपनी शान समझतें है। जिन्होने जब जिन्दा था तो बात तक नहीं की होगी। जब जीता है तो एक जोड़ी कपड़ा तक नसीब नहीं होता मगर जब उसके किसी काम का नहीं होता उसके मृत शरीर पर सैंकड़ों चादरें डाली जाती है।जीते जी जिसे घी नहीं मिलता जलाती बार मुहं में शुद्व देशी घी की आहुती दी जाती है जो व्यर्थ है।कहने का तात्पर्य यह है कि मानव की जीते जी सहायता कि जाए तो वही सच्ची मानवता कहलाएगी।आज लोगों के पास समय नहीं है इतना व्यस्त है कि रोटी खाने के लिये समय नहीं है। हर समय पैसा ही पैसा कमाने मे व्यस्त रहता है।अनैतिक तरीकों से धन कमा रहा है मगर मानव को यह पता है कि दुनिया में नंगा आया था नंगा ही जाएगा तो यह धन-दौलत का लालच क्यों कर रहा है। गलत काम करके पैसा अर्जित करके आलिशान महल बना रहा है मगर पल की खबर नहीं है। आज कुछ तथाकथित अमीर बने लोग कारों में बैठकर ऐसे बन जाते है कि धरती पर चल रहे मानव को कीडे-मकोड़े समझते है आज कारे तों छोटे से छोटे लोगों ने रखी है कार में बैठकर कोई बड़ा नहीं बन सकता समाज के लिए निस्वार्थ भाव से काम करने वाले के आगे कारों की चमक फीकी पड़ जाती है। यह लोग कार, कोठी और पैसे को ही जीवन का ध्येय मान बैठे हैं।महगें कपड़े पहन कर कोई आदमी बड़ा नहीं है बल्कि उसके गुणों के कारण ही पहचान होती है।कुछ लोग आत्मकेन्द्रित होते हैं बस अपना काम हो जाए दुनिया भाड़ में जाए।समाज में ऐसे लोग घातक होते है।आज भूखी जुएं अपनी औकात भूलकर ऐसे इतराती है कि जैसे खानदानी रईस हो पर वक्त के पास हर आदमी का लेखा-जोखा है कि कौन रईस था और कौन दाने-दाने को मोहताज था। किसी को छोटा नहीं समझना चाहिए हर आदमी से समानता का व्यवहार करना चाहिए।कभी भी भेदभाव नहीं करना चाहिए।वक्त बदलते देर नहीं लगती भाग्य किसी को भी अर्श पर ले जाता है और किसी को फर्श पर ले जाता है इसलिए मानव को मयार्दा में रहकर ही हर काम करना चाहिए।आदमी को किसी के साथ भी धोखा नहीं करना चाहिए।किसी के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए।क्योंकि एक बार विश्वास टूट जाता तो फिर से कायम कर पाना मुश्किल हो जाता है।ऐसे मानव का जीवन व्यर्थ है जो दूसरों को दुख देता है।गरीब आदमी को कभी नहीं सताना चाहिए अगर गरीब की बद्दुआ लग जाए तो बड़े से बड़ा धराशायी हो जाता है इसलिए हर मानव को हमेशा मानव के लिए अच्छे कार्य करने चाहिए।मानव को ऐसे काम करने चाहिए कि मरने के बाद भी उसे सदियों तक एक अच्छे इन्सान के रुप में हमेशा याद किया जा सके। भूखे को रोटी और प्यासे को पानी पिलाना चाहिए।

चिंतन-मनन

मूल्य भावना का

भगवान बुद्ध जेतवन में ठहरे हुए थे। हर सुबह वह भिक्षावृत्ति को निकलते तो उन्हें मार्ग में एक किसान अपने खेत में काम करता मिलता। अपने कार्य के प्रति उसकी निष्ठा देख बुद्ध के मन मं उसके लिए करुणा उमड़ी। वह प्रतिदिन वहां रुककर उस किसान को कुछ उपदेश देने लगे। जब उस किसान की फसल तैयार हुई तो उसने संकल्प किया कि वह अपनी फसल का एक हिस्सा भगवान बुद्ध को और भिक्षु संघ को भेंट करेगा। दुर्योगवश उसी रात मूसलाधार वर्षा हुई और उसकी सारी फसल चौपट हो गई। अगले दिन जब भगवान बुद्ध वहां से गुजरे तो उन्होंने किसान को वहां रोता हुआ पाया। पूछने पर किसान उनको सारी घटना सुना कर बोला, ह्यह्यप्रभु! मुझे दुख अपने नुक्सान का नहीं, वरन इस बात का है कि मैं आपकी सेवा का यह अवसर चूक गया बुद्ध मुस्कराए और बोले, ह्यभंते! मूल्य वस्तुओं का नहीं, भावनाओं का होता है। तुम्हारे हृदय में उमड़ी भावनाएं तो मुझ तक कल ही पहुंच गई थीं। इनके कारण तुम उससे ज्यादा पुण्य के भागी बन गए हो, जितना तुम उस फसल को समर्पित करके बनते। मेरा आशीर्वाद सदा तुम्हारे साथ है किसान की आंखें यह सुनकर नम हो उठीं।

आज का राशिफल

मेष दोपहर के बाद किसी उच्चाधिकारी से वाद-विवाद की स्थिति बनती हुई नजर आ रही है।

तुला दिन लाभ से भरा रहने वाला है। शुक्र ग्रह के प्रभाव से सुख में आज के दिन वृद्धि होगी।

वृषभ दिन उतार-चढ़ाव भरा रहने वाला है। कार्यस्थल पर किसी अधिकारी से मतभेद संभव दिख रही है।

वृश्चिक आज का दिन परोपकार से भरा रहेगा। दूसरों की मदद करने करने का मौका मिलेगा।

मिथुन दिन चुनौतीपूर्ण दिख रहा है। किसी प्रियजन से अलग होने का दुख मन को परेशान कर सकता है।

धनु दिन तनावपूर्ण रह सकता है। मंगल की स्थिति अशांति और मतभेद उत्पन्न कर सकती है।

कर्क चंद्रमा के अनुकूल प्रभाव से व्यापार और साझेदारी में सफलता के योग बनते हुए नजर आ रहे हैं।

मकर आज अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। किसी नई डील से लाभ प्राप्त होगा।

सिंह दिन मिश्रित परिणाम देने वाला रहेगा। आपकी लोकप्रियता आज के दिन बढ़ती हुई दिख रही है।

कुंभ दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। किसी बड़ी सफलता का समाचार प्राप्त हो सकता है।

कन्या आज का दिन सम्मान रहने वाला है। शनि और केतु का योग उत्तम संपत्ति प्राप्ति का संकेत दे रहा है।

मीन आज का दिन ऊर्जा से भरपूर रहेगा। गुरु का प्रभाव करियर में प्रगति के संकेत दे रहा है।

विशेष

बिहार में कितने उपमुख्यमंत्री?

बिहार में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बनाना भाजपा की मजबूरी बन गई है। ऐसी स्थिति में भाजपा और सहयोगी दलों के बीच में उप मुख्यमंत्री पद को लेकर रस्साकसी शुरू हो गई है। भाजपा की ओर से सम्राट चौधरी का उपमुख्यमंत्री बनना तय है। विजय सिन्हा भी अपना दावा छोड़ने के लिए तैयार नहीं है। रामविलास पासवान भी उपमुख्यमंत्री का पद चाहते हैं। उनके 19 विधायक जीते हैं। भाजपा नेताओं में नितिन नवीन तथा मंगल पांडे भी उपमुख्यमंत्री बनने की कतार में शामिल हैं। दलित को उपमुख्यमंत्री बनाने की भी बात हो रही है। अब देखते हैं, उपमुख्यमंत्री के रूप में किस-किस का भाग्य खुलता है। बिहार में कितने उपमुख्यमंत्री बनेंगे यह भी देखना होगा।

99 फीसदी की जमानत जब्त

प्रशांत किशोर ने 2022 में बिहार में राजनीतिक दल बनाया। उन्होंने बिहार की जनता से वादा किया था, वह 10 साल तक जनता की लड़ाई लड़ेंगे। 135 सीटों पर उन्होंने अपने प्रत्याशी उतारे थे। 99 फीसदी सीटों में उनके उम्मीदवारों की जमानत जप्त हो गई है। वह अपना एक भी उम्मीदवार नहीं जिता पाए। उनके लिए जीवन काल का यह सबसे बड़ा झटका है। हालांकि उनकी जन स्वराज पार्टी को 5.66 फीसदी वोट मिले हैं। लेकिन वह एक उम्मीदवार को भी विधायक नहीं बना पाए। बिहार में उन्होंने सबसे दुश्मनी जरूर ले ली है। इसको लेकर तरह-तरह की चचाएं चल रही हैं।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1899: सूडान के खलीफा अंग्रेजों के साथ लड़ाई में मारे गए। 1917: श्रीमती इंदिरा गांधी का जन्म। 1961: फ्रांस की जेलों में बंद अल्जीरिया के पांच हजार बंदियों ने राजनीतिक बंदी का दर्जा दिए जाने के बाद अपनी भूख हड़ताल समाप्त की। 1971: वेटिकन ने अमीर और गरीब के बीच खाई को पाटने के लिए राष्ट्रसंघ की योजना का जोरदार समर्थन किया। 1978: गयाना की फौजों ने एक विशेष समुदाय के शिविर को घेर कर सैकड़ों शव बरामद किए लेकिन किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकी। 1982: नौवें एशियाई खेल दिल्ली में शुरू हुए। 1987: इराक के कुर्दिश शहर दोहुक में ईरानी हमले में दस लोग मारे गए और सैकड़ों अन्य घायल हो गए। 1991: वुकोवार पर यूगोस्लाविया के कब्जे के बाद वहां से कई हजार शरणार्थी भाग निकले। 1993 प्रसिद्ध उद्योगपति जे.आर.डी. टाटा का निधन।

दैनिक पंचांग

19 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	वृश्चिक	06.04 ब.से
चंद्र	तुला में	धनु	08.24 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.29 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.15 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	13.48 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.19 बजे से
शनि	मीन में	वृष	16.59 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	18.57 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.10 बजे से
राहुकाल		सिंह	23.27 बजे से
12.00 से 1.30		कन्या	01.38 बजे से
बजे तक		तुला	03.49 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 323 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास मृगशीर्ष (दक्षिण भारत में कार्तिक) **पक्ष** कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 09.44 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 07.59 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 09.00 बजे को समाप्त।
करण शकुनि 09.44 बजे तदनन्तर चतुष्पद 23.01 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 28'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872533
जूलियन दिन 2460998.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल **तारीख** 27
विशेष दर्श अमावस्या।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44	बजे तक
काल	08.15 से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47	बजे तक	चर	10.16 से	11.47	बजे तक
रोग	11.47 से	01.16	बजे तक	रोग	11.47 से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44	बजे तक	काल	01.19 से	02.51	बजे तक
चर	02.44 से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

आइआइटी आइएसएम में नर्चरिंग फ्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम शुरू

धनबाद।, एजेंसी। आइआइटी आइएसएम में मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत आयोजित सातवें नर्चरिंग फ़्यूचर लीडरशिप प्रोग्राम की शुरुआत सोमवार को की गयी। पांच दिवसीय यह कार्यक्रम 17 से 21 नवंबर 2025 तक चलेगा। इसका आयोजन शिक्षकों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से किया गया है। एफडीसी कॉन्फ्रेंस हॉल आइ2एच बिल्डिंग में आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न शिक्षण संस्थानों से आये प्रोफेसर, शिक्षक नेता बड़ी संख्या में शामिल हुए। इसमें आइआइइएसटी शिवपुर, रांची यूनिवर्सिटी, विनोबा भावे यूनिवर्सिटी, सिदो-कान्हो बिरसा यूनिवर्सिटी और बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी समेत कई संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के निदेशक एवं मुख्य संरक्षक प्रो सुकुमार मिश्रा ने किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए शिक्षकों का नेतृत्व कौशल और सतत प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों को नई दिशा और प्रभावी नेतृत्व क्षमता प्रदान करते हैं। एनएफएल कार्यक्रम की समन्वयक प्रो मृणालिनी पांडे ने कहा कि यह प्लेटफॉर्म शिक्षण गुणवत्ता बढ़ाने और शैक्षणिक नेतृत्व को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाता है। शिक्षा मंत्रालय के सहयोग से आयोजित यह पहल भविष्य के शैक्षणिक नेताओं को तैयार करने में अहम योगदान देगा। यह प्रशिक्षण शिक्षकों में नवाचार, नेतृत्व और पेशेवर दक्षता को और सशक्त करेगा।

धनबाद में मालगाड़ी के कंटेनर पर चढ़ा युवक, मची अफरातफरी

धनबाद, एजेंसी। एक युवक धनबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर खड़ी मालगाड़ी के कंटेनर के ऊपर चढ़ गया। वह हाई टेंशन ओवरहेड तार के नीचे दौड़ने-भागने लगा। अफरातफरी मच गई। पता चलने पर रेलकर्मियों ने सबसे पहले ओवरहेड तार की बिजली कटवा दी। फिर जीआरपी और आरपीएफ ने एक घंटे की मशक्कत के बाद सीढ़ी लगाकर युवक को नीचे उतारा। इस दौरान उसने जवानों व रेलकर्मियों के साथ हाथापाई भी की। इससे उनके चेहरे और शरीर के अन्य हिस्सों में चोट आई। जांच में पता चला कि युवक विक्षिप्त है। काफी पूछने के बावजूद युवक के नाम-पते की जानकारी नहीं मिल सकी। उसे इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। वहीं, ओवरहेड तार की बिजली कटी रहने की वजह से जलियांवाला बाग एक्सप्रेस आधे घंटे से अधिक समय तक स्टेशन पर रुकी रही। बिजली सप्लाई शुरू होने पर ट्रेन को रवाना किया गया। एक रेलवे कर्मचारी ने बताया कि दूर से देखने पर एक युवक ट्रेन के डिब्बे के ऊपर चढ़ा हुआ दिखा। इसकी जानकारी तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिसके बाद लाइन बंद कराई गई। कर्मचारी के अनुसार, युवक नशे में था और उसे नीचे उतारने गए कर्मचारियों को चप्पल से मारने की कोशिश भी कर रहा था। युवक को 25,000 वोल्ट के बिजली के तार की चपेट में आने से बचाया गया।

राज्य में सेरेब्रल पाल्सी के 9097 मरीज, सबसे अधिक गोड्डा में

धनबाद ,एजेंसी। पूरे राज्य में सेरेब्रल पाल्सी के मरीज लगातार बढ़ते जा रहे हैं, पर झारखंड में अब तक इसके इलाज को लेकर ठोस पहल नहीं हो पायी है। पूरे राज्य में इस बीमारी से ग्रसित मरीजों की संख्या 9097 है। इनमें से 3251 मरीज सिर्फ धनबाद, बोकारो, गिरिडीह और गोड्डा जिले में हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार धनबाद में 357, गिरिडीह में 553, बोकारो में 845 व गोड्डा में सबसे अधिक 1496 मरीज हैं। ज्ञात हो कि इस बीमारी की गंभीरता के अनुसार इसकी रोकथाम के लिए राज्य के सरकारी अस्पतालों में स्पीच और ऑक्युपेशनल थेरेपिस्ट नहीं हैं। ऐसे में मरीजों को उचित उपचार और परामर्श से वंचित रहना पड़ता है। झारखंड में सेरेब्रल पाल्सी के सबसे अधिक 1496 मरीज गोड्डा जिले में हैं। इसके बाद कोडरमा में 891, साहेबगंज में 778 और बोकारो में 845 मरीज हैं। जबकि सबसे कम सात मरीज सिमडेगा में और 20 मरीज सरायकेला में हैं। अन्य जिलों में भी बड़ी संख्या में मरीज हैं। धनबाद जिले में एक भी स्पीच थेरेपिस्ट नहीं हैं। कुछ ऐसा ही हाल आसपास के जिलों में भी है। ऐसे में मरीजों को बेहतर इलाज के लिए दिल्ली, मुंबई या अन्य बड़े शहरों में ले जाना पड़ता है। इससे मरीज के परिजनों पर आर्थिक बोझ बढ़ जाता है। सेरेब्रल पाल्सी एक न्यूरोलॉजिकल विकार है, जो बच्चे के मस्तिष्क के विकास के दौरान ऑक्सीजन की कमी या प्रसव के समय चोट लगने से होता है। इससे बच्चे की मांसपेशियों की गतिविधि, बोलने की क्षमता, संतुलन और चाल-ढाल पर असर पड़ता है। फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी और ऑक्युपेशनल थेरेपी से इसमें काफी हद तक सुधार लाया जा सकता है। सेरेब्रल पाल्सी के लक्षण जन्म के शुरुआती छह माह में पहचान लिये जायें, तो ऐसे बच्चों की स्थिति में बड़ा सुधार लाना संभव है। नियमित फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी, ऑक्युपेशनल थेरेपी और पोषणयुक्त आहार से मरीज सामान्य जीवन जी सकता है। वहीं प्रत्येक जिले में पुनर्वास केंद्र व थेरेपिस्ट की नियुक्ति सुनिश्चित होने और अभिभावकों के लिए जागरूकता अभियान चलाने पर

14 हजार गर्भवती व धात्री महिलाओं को 3 माह से नहीं मिला पोषाहार

बोकारो, एजेंसी। राज्य सरकार का लक्ष्य राज्य को कुपोषण मुक्त करने का है। लेकिन सरकार ही इस पर ध्यान नहीं दे रही है। आलम यह है कि जिले के गर्भवती व धातृ महिलाओं के साथ-साथ बच्चों को पोषण आहार ही नहीं मिल रहा है। इसका बड़ा कारण समाज कल्याण विभाग से सप्लायर्स को आर्डर नहीं मिलना है। सप्लायर्स को आर्डर नहीं मिलने से कहीं पोषण आहार की सप्लाई नहीं हो रही है। बोकारो की दो कंपनी और पतरातू की एक कंपनी पूरे राज्य में पोषण आहार सप्लाई करती है।

बोकारो जिले की बात करें तो 2255 आंगनबाड़ी केंद्रों में 14,001 गर्भवती और धातृ महिलाएं है। वहीं 3 माह से 6 वर्ष के बच्चों की संख्या 10 लाख 31 हजार 194 है। इसमें से 1,163 बच्चे कुपोषित हैं। पोषण आहार नहीं मिलने से आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से मिलने वाला पूरक पोषण नहीं मिल पाएगा, जिससे गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं का पोषण अधूरा रह जाएगा। वहीं बच्चों के पोषण पर भी इसका प्रभाव पड़ेगा।

सबसे अधिक 1195 कुपोषित बच्चे गोमिया में

06 माह से 03 वर्ष तक के 50647 बच्चे हैं। 03 वर्ष से 5 वर्ष के 38205 और 05 वर्ष से 06 तक के 14342 बच्चे हैं। इसमें 6 माह से 3 वर्ष तक के 732 बच्चे कुपोषित हैं। 3 वर्ष से 5 वर्ष के 431 बच्चे कुपोषित हैं। वहीं गर्भवती महिलाओं की संख्या 8394 है और धात्री महिलाओं की संख्या 5607 है। सबसे अधिक गर्भवती महिलाएं गोमिया में है। उनकी संख्या 1195 है। वहीं दूसरे स्थान पर चास ग्रामीण है, जहां गर्भवती महिलाओं की संख्या 1147 है। सबसे अधिक कुपोषित बच्चे 6 माह से 3 वर्ष तक के नावाडीह प्रखंड में है। वहीं 3 वर्ष से 5 वर्ष आयु वर्ग के सबसे अधिक कुपोषित बच्चे पेटरवार में हैं।

विभाग ऑर्डर देगा तो पुनः पोषक आहारों की आपूर्ति होगी

सही समय पर सही पोषण नहीं मिलना गर्भवती और धात्री महिलाओं के साथ-साथ उनके बच्चों के स्वास्थ्य को सीधे तौर पर प्रभावित करेगा। रेडी टू इट पैकेज में आवश्यक विटामिन और खनिज होते हैं। इनकी कमी से कुपोषण हो सकता है और खून की कमी से एनीमिया का खतरा बढ़ जाता है, जो गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत हानिकारक है। पोषण की कमी से महिलाओं की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो सकती है। गंभीर कुपोषण के कारण समय से पहले डिलीवरी, कम वजन वाले बच्चे का जन्म व उनका विकास प्रभावित हो सकता है और डिलीवरी के बाद की परेशानियां हो सकती है। वहीं बच्चों के कुपोषित होने की संभावनाएं बढ़ जाएगी और यह उनके शारीरिक विकास को प्रभावित कर सकता है।

एआइ के युग में मैनुअली चल रही धनबाद में ट्रैफिक व्यवस्था

जमशेदपुर, एजेंसी। एआइ के युग में भी देश की कोयला राजधानी कहे जाने वाली धनबाद जिला में आज भी ट्रैफिक सिस्टम मैनुअल है। देश के कस्बानुमा शहरों में जहां ऑटोमेटिक ट्रैफिक लाइट के जरिये ट्रैफिक कंट्रोल हो रही है।

धनबाद जिला में ट्रैफिक नियंत्रण के लिए 118 पुलिस के जवान व अधिकारी तैनात हैं। धनबाद नगर निगम क्षेत्र में डीएमएफटी मद से 13 स्थानों पर ट्रैफिक लाइट लगाने की योजना बनी। लेकिन, इसे एंस्टाल कौन करेगा तथा इसके रख-रखाव की जिम्मेदारी कौन संभालेंगे। इस पर नगर निगम, जिला प्रशासन एवं पुलिस के बीच जिच बरकरार है। यह योजना आगे नहीं बढ़ पा रही है।

वहीं झारखंड के पहले मिलेनियम सिटी धनबाद में अब भी जवान हाथ रोक कर। ऐसे में वर्ष 2010 में नेशनल गेम्स के दौरान तीन स्थानों पर ट्रैफिक लाइटें लगी थी। लेकिन, यह केवल आठ दिन ही चली। एक बार खराब हुई तो दुबारा शुरू नहीं हो पायी। ट्रैफिक लाइट लगाने के लिए कई बार योजनाएं बनीं। लेकिन, एंस्टाल एवं मेटेंनेंस को लेकर यहां नगर निगम, पुलिस एवं जिला प्रशासन के बीच जिच बना हुआ है। इस कारण योजनाएं आगे नहीं बढ़ पा रही हैं।

पिछले डेढ़ दशक के दौरान धनबाद में कई बार ट्रैफिक लाइट सिस्टम लागू करने की कई बार योजनाएं बनीं। परंतु कभी भी योजनाएं धरातल पर नहीं उतर पायीं। वर्ष 2018 में नगर निगम ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत छह प्रमुख चौराहों पर लाइट लगाने की योजना बनाई थी। लेकिन, बजट, टेंडर प्रक्रिया और प्रशासनिक बदलावों के कारण काम अधूरा रह गया। फिर 2024 में धनबाद जिला में 20 स्थानों पर ट्रैफिक लाइट लगाने की योजना बनी। तय हुआ कि ट्रैफिक लाइट एवं सीसीटीवी लगाने के लिए डीएमएफटी मद से 31 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। स्थल चयन जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम को करनी है। जबकि इसके एंस्टॉलेशन एवं रखरखाव की जिम्मेदारी नगर निगम को दी गयी। हालांकि, निगम प्रशासन इसके लिए तैयार नहीं है।वर्ष 2024 में तय हुआ था कि सिटी सेंटर चौक, रणधीर वर्मा चौक, बिरसा मुंडा चौक, बैंक मोड़, मेमको मोड़, चंद्रशेखर आजाद चौक, श्रमिक चौक, स्टील गेट चौक, गोल बिल्डिंग चौराहा आदि प्रमुख स्थलों पर ट्रैफिक लाइट्स लगाने की योजना थी।

एक घर से अचानक उठने लगा धुआं, मची अफरातफरी; फायर ब्रिगेड ने आग पर पाया काबू

आदित्यपुर, एजेंसी। आदित्यपुर थाना क्षेत्र के रोड नंबर 21 स्थित स्वर्गीय विमल पंडित के घर में सोमवार सुबह अचानक आग लग जाने से अफरा-तफरी मच गई। यह घटना तब हुई जब घर के सभी सदस्य गहरी नींद में थे।

स्थानीय लोगों ने खिड़की से धुआं निकलते हुए देखा और शोर मचाकर घर के वर्तमान निवासी सूरज प्रजापति सहित परिवार के सदस्यों को जगाया। स्थानीय लोगों ने तुरंत पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन अंदर से लगातार धुआं उठता रहा।

राहगीरों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। लोगों ने तत्काल आदित्यपुर थाना और झारखंड अग्निशमन विभाग को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते फायर ब्रिगेड की टीम के पहुँचने से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

जानकारी के अनुसार, यह घर आकाशवाणी चौक से महज सौ मीटर की दूरी पर स्थित है। घर के बाहर कुछ दुकानें भी हैं, जो किराए पर दी गई हैं। आग लगने का स्थान घर का पूजा कक्ष बताया जा रहा है। आग किस कारण लगी, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि, स्थानीय लोगों का अनुमान है कि यह घटना शॉर्ट सर्किट या पूजा स्थल पर जलाई गई दीया के कारण हो सकती है।

इस घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। हालांकि, आग से घर के पूजा रूम में रखे सामान को नुकसान पहुंचा है। फिलहाल, फायर ब्रिगेड की टीम घटना की जांच कर रही है।

झारखंड पुलिस के पूर्व मुखिया ही थे कोयला माफिया के सरगना ! अरबों की उगाही को लेकर थाने में शिकायत

राज्य ब्यूरो, रांची। झारखंड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता राजीव कुमार ने मंगलवार को रांची के डोरंडा थाने में झारखंड के पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता के विरुद्ध ऑनलाइन शिकायत की है। उन्होंने अपनी शिकायत का आधार मीडिया रिपोर्ट्स व झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी द्वारा लगाए गए आरोपों को बनाया है।

पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, डोरंडा थाने को की गई ऑनलाइन शिकायत पहले एसएसपी कार्यालय जाएगी, उसके बाद आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ डोरंडा थाने जाएगी। पुलिस इस मामले की जांच करा सकती है।

कोयला कारोबारियों से करोड़ों रुपये की वसूली : अधिवक्ता राजीव कुमार ने अपनी ऑनलाइन शिकायत में लिखा है कि उन्हें मीडिया रिपोर्ट्स तथा उपलब्ध जानकारी से पता चला है कि पूर्व डीजीपी अनुराग गुप्ता ने अपने कार्यकाल में झारखंड के कुख्यात अपराधी सुजीत सिन्हा आदि से मिलकर कोयलांचल शांति समिति (केएसएस) नामक संगठन का गठन कर पूरे राज्य में कोयला कारोबारियों, ठेकेदारों, ट्रांसपोर्टरों, डॉक्टरों, व्यवसायियों आदि से करोड़ों रुपये की वसूली की है।

झारखंड के सबसे बड़े आपराधिक संगठन का संचालन : पद पर रहते हुए वे अपरोक्ष रूप से झारखंड के सबसे बड़े आपराधिक संगठन का संचालन कर रहे थे। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने प्रेस वार्ता में भी खुलासा किया है कि एक अपराधी के कहने पर अनुराग गुप्ता ने जेल में बंद अपराधी अमन साहू से तथाकथित मुठभेड़ करवाया।

पाकिस्तान से प्राप्त हथियार मुहैया कराया : बाबूलाल मरांडी ने यह भी खुलासा किया है कि कोयलांचल शांति समिति को पाकिस्तान से प्राप्त हथियार मुहैया कराया गया है। यह खुलासा न सिर्फ झारखंड के लिए खतरा का विषय है, बल्कि पूरे देश की सुरक्षा के लिए चिंता का विषय है।

अधिवक्ता ने अपनी शिकायत में लिखा है कि अनुराग गुप्ता ने अपने पद का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपये की उगाही की है। इसमें उन्हें उनके सहयोगी पदाधिकारियों-जवानों ने भी पूरी मदद की है, जिसकी जानकारी अधिवक्ता ने अपनी शिकायत में की है और डोरंडा थाना प्रभारी से प्राथमिकी दर्ज कर जांच का आग्रह किया है।

ट्रैक्टर यूनियन ने सड़क किया जाम बालू उठाव की मांग पर प्रदर्शन

पाकुड़, एजेंसी। पाकुड़ जिले के महेशपुर प्रखंड में ट्रैक्टर यूनियन ने सोमवार को बालू उठाव की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। बाबूपुर के पास महेशपुर-पाकुड़ मुख्य पथ पर हुए इस जाम को प्रशासन के आश्वासन के बाद चार घंटे बाद समाप्त किया गया। यूनियन सदस्यों ने बताया कि बालू की कमी से सरकारी और निजी दोनों तरह के कार्य बाधित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बालू न मिलने से सबसे ज्यादा परेशानी प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को हो रही है।

बालू उपलब्ध न होने के कारण काम पूरी तरह रुका हुआ है : लाभार्थी अपना पुराना आवास तोड़कर नया बना रहे थे, लेकिन बालू उपलब्ध न होने के कारण काम पूरी तरह रुका हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने चिंता व्यक्त की कि ठंड का मौसम आ रहा है और यदि आवास का कार्य पूरा नहीं हुआ तो लोगों को रहने में दिक्कत होगी। यूनियन के अनुसार, एनजीटी के आदेश के बाद जून से 15 अक्टूबर तक बालू उठाव पूरी तरह बंद था। 15 अक्टूबर के बाद उठाव शुरू हुआ, लेकिन फिर अचानक रोक लगा दी गई, जिससे विकास कार्य और आम लोगों के काम प्रभावित हो रहे हैं।

प्रदर्शन कर रहे यूनियन के लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द बालू उठाव शुरू कराने की मांग की, ताकि लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने अपनी मांग को जायज बताया।

जाम के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई : सड़क जाम की सूचना मिलते ही सीओ संजय कुमार सिन्हा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विजय कुमार और थाना प्रभारी रवि शर्मा मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को समझा-बुझाकर चार घंटे बाद जाम समाप्त करवाया। जाम के कारण सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी, जिससे लोगों को काफी परेशानी हुई। इस दौरान मनोज यादव, सुजीत यादव, विजय भगत, रोहन तुरी, लोचन यादव, सुमन यादव, लक्ष्मण साहा, राकेश यादव, गौतम पाल, अजय भगत सहित दर्जनों यूनियन सदस्य और ग्रामीण उपस्थित थे।

न्यू ईयर सेलिब्रेशन से माघ मेला तक, कई ट्रेनें खचाखच; धनबाद से दक्षिण की ट्रेनों में जगह नहीं

धनबाद, एजेंसी। त्योहारी सीजन समाप्त होने के साथ ही सैर-सपाटे का मौसम आ गया है। समुद्र तटों से लेकर हिल स्टेशन और तीर्थ स्थलों पर जानेवाली ट्रेनों में लंबी वेटिंग लहरा रही है। नवंबर के बाद दिसंबर के दूसरे पखवाड़े में क्रिसमस और न्यू ईयर को लेकर ट्रेनें खचाखच हैं। राजस्थान के रेगिस्तान से गुजरात के कच्छ और गोवा के समुद्री तटों तक पहुंचने की बेताबी दिख रही है। इसके साथ ही जनवरी के पहले सप्ताह से धार्मिक यात्रा भी शुरू होनेवाली है।

प्रयागराज में तीन जनवरी से माघ मेला शुरू होगा। मध्य फरवरी तक पुण्य स्नान की छह तिथियां हैं। जनवरी के पहले पखवाड़े की बुकिंग शुरू हो चुकी है। अग्रिम आरक्षण शुरू होने के पहले दिन ही प्रयागराज जानेवाली ट्रेनों में सीटें फुल हो रही हैं। ज्यादातर ट्रेनों में अब गिनती की सीटें ही बची हैं।

धनबाद होकर गोवा जानेवाली जसीडीह-वास्को द गामा एक्सप्रेस 12 जनवरी तक फुल है। स्लीपर से एसी तक इस ट्रेन में जगह नहीं है। गुजरात जानेवाली मालदा टाउन-सूरत, हावड़ा-गांधीधाम व आसनसोल-भावनगर टर्मिनस पारसनाथ एक्सप्रेस का भी यही हाल है।

धनबाद से कोयंबटूर के बीच बोकारो व रांची होकर चलने वाली साप्ताहिक स्पेशल के फेरे बढ़ाने की घोषणा सात नवंबर को ही हो चुकी है। 06063 कोयंबटूर-धनबाद स्पेशल 30 जनवरी तक तथा 06064 धनबाद-कोयंबटूर स्पेशल दो फरवरी तक चलाने की घोषणा हुई है। पर कोयंबटूर से 28 नवंबर तो धनबाद से एक दिसंबर के बाद टिकटों की बुकिंग शुरू नहीं हुई है।

क्रिसमस और न्यू ईयर के दौरान पुरी जानेवाले यात्रियों की संख्या में अधिक रहती है। धनबाद के नजदीकी स्टेशन गोमो होकर पुरी जानेवाली पुरुषोत्तम, नीलांचल और नंदनकानन एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में स्लीपर से एसी तक नो रूम है।

इसके बाद भी धनबाद-भुवनेश्वर स्पेशल के फेरे नहीं बढ़े हैं।भुवनेश्वर से 30 नवंबर तो धनबाद से एक दिसंबर तक ही टिकट बुक हो रहे हैं। इस ट्रेन के फेरे में विस्तार हुआ तो पुरी तक पहुंचने का विकल्प मिल सकेगा।

ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बना रहा आजीविका सखी मंडल

धनबाद, एजेंसी। जिले के दस प्रखंडों में जेएसएलपीएस (झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसायटी) के तहत 12,400 आजीविका सखी मंडल चल रहे हैं। इससे जुड़ी सदस्य न सिर्फ आर्थिक रूप से मजबूत बन रही हैं, बल्कि घर की दहलीज से बाहर निकलकर स्टॉलों का संचालन भी कर रही हैं। पुरुषों के भरोसे न रहकर अब वे सारे काम स्वयं कर रही हैं।

महिलाओं को सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए जेएसएलपीएस द्वारा एनआरएलएम (नेशनल रूरल लाइवलीहुड मिशन) की शुरुआत की गयी थी। जिले में इसकी शुरुआत 2016 से टुंडी व पूर्वी टुंडी प्रखंड में हुई थी। उसके बाद सभी प्रखंडों में योजना की जानकारी दी गयी। महिलाओं को समूह बनाने व उसके संचालन की जानकारी दी गयी। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं आजीविका सखी मंडल बनाकर आज आत्मनिर्भर बन चुकी हैं।

योजना के तहत 10 से 15 महिलाओं का एक समूह बनता है। उन्हें जेएसएलपीएस की ओर से 30 हजार रुपये आरएफ (रिवाल्विंग फंड) दिया जाता है। इस फंड का काम समूह बनाने से लेकर महिलाओं को सक्रिय करना होता है। हर माह सदस्यों की चार-पांच मीटिंग होती है। हर मीटिंग में ये दस रुपये जमा करती हैं। छह माह के बाद उन्हें जेएसएलपीएस की ओर से सीआइएफ (कम्यूनिटी इंवेस्टमेंट फंड) के तहत 50 से 75 हजार रुपया लोन दिया जाता है। उसके बाद सीसीएल (कैरा क्रेडिट लिकेंज) के तहत बैंक से लोन मिलता है।

सभी मंडल तैयार करता है उत्पादआजीविका सखी मंडल की सदस्य जूट बैग, मसाला, तेल, बेकरी, जेनरल स्टोर, ब्यूटी पार्लर, फिनाइल बनाने के साथ ही प्रखंड में दीदी किचन चला रही हैं। वहीं हैंडी क्राफ्ट के तहत कलात्मक वस्तुएं बना रही हैं। सबसे ज्यादा सखी मंडल बलियापुर व निरसा में चल रहे हैं। बाजार में किस उत्पाद की खपत व मांग है, इसके मार्केट सर्वे के बाद मंडल की सदस्य उत्पाद तैयार करती हैं।

शैलेश रंजन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने कहा कि जेएसएलपीएस महिलाओं की आर्थिक मजबूती के लिए लगातार काम कर रहा है। सखी मंडल से जुड़कर महिलाएं बेहतर काम कर रही है। बैंक का लोन भी समय पर चुका रही हैं जिससे बैंक का भरोसा सखी मंडल पर बढ़ा है। इन महिलाओं को बहु कार्य से जोड़ने की प्लानिंग चल रही है। उनके लिए पलाश मार्ट बनाने पर विचार किया जा रहा है। इसके लिए उपायुक्त व नगर निगम के पास प्रपोजल भेजा गया है।

धनबाद सदर प्रखंड के मल्लिकडीह घोखरा की रहने वाली लक्ष्मी कुमारी मध्यम वर्गीय परिवार से आती हैं। गांव में कुछ जमीन रहने के कारण वे बहुत अधिक कुछ नहीं कर पा रही थीं। पति की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं थी। ऐसे में उन्हें महिला समूह की जानकारी मिली। उसने मां तारा आजीविका सखी मंडल से जुड़कर नर्सरी शुरू करने की योजना बनायी। इसके लिए उन्होंने एक लाख रुपये लोन लिया। इससे उन्होंने अपने 50 डिसमिल जमीन पर नर्सरी लगायी। यह काम उन्होंने वर्ष 2022 में शुरू किया था। वर्तमान में लक्ष्मी कुमारी की नर्सरी एक एकड़ में फैली है। इसमें गुलाब, गेंदा, मधुकामिनी, जवा एवं अन्य फूल लगाये गये हैं। धनबाद के अलावा आसनसोल, गिरिडीह, बोकारो से आकर लोग फूल ले जाते हैं। इससे उन्हें प्रति वर्ष तीन लाख रुपये व उसे अधिक की आमदनी हो जाती है। लक्ष्मी ने बताया कि अब उनका परिवार खुशहाल है। पति भी काम में सहयोग करते हैं।

हेमंत सरकार ने दी खुशखबरी, किसानों को धान पर प्रति क्विंटल मिलेगा बोनस; एकमुश्त होगा भुगतान

रांची, एजेंसी। झारखंड के किसानों को धान बिक्री पर एकमुश्त भुगतान राज्य सरकार करेगी। किसानों को अब किस्त में भुगतान नहीं किया जाएगा। खाद्य आपूर्ति मंत्री इरफान अंसारी ने झारखंड की रजत जयंती के अवसर पर इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इससे किसानों को बिचौलियों से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि किसानों को भुगतान के लिए कतार में खड़ा नहीं होना पड़ेगा। उन्होंने जामताड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि किसान मजबूत होंगे तभी समाज मजबूत होगा। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2,369 रुपये प्रति क्विंटल के साथ किसानों को 100 रुपये बोनस भी जोड़कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे संबंधित प्रस्ताव तैयार है, जिसपर जल्द ही कैबिनेट की मंजूरी ली जाएगी। उन्होंने सभी जिला आपूर्ति पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है कि धान बाहर गया तो कड़ी कार्रवाई होगी। मंत्री ने कहा कि इस बार धान खरीद प्रक्रिया 15 दिसंबर से पहले शुरू कर दी जाएगी। राज्य में अगले 10-15 दिनों में धान की कटनी पूरी होने जा रही है। इसे देखते हुए ही सरकार ने धान खरीद प्रक्रिया को अंतिम रूप दे दिया है। राज्य सरकार ने दूसरे राज्यों के बिचौलियों को रोकने के लिए विशेष निगरानी तंत्र को भी सक्रिय कर दिया है।

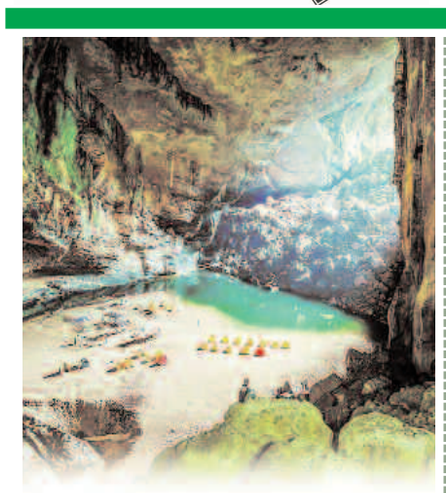

प्राकृतिक का अनमोल खजाना है दुनिया की यह जादुई गुफा

दुनिया में एक से बढ़कर एक चीज हैं, जो अपने आप में अनोखी है। ऐसी चीज लोगों को हैरान कर देती है। हर चीज के पीछे कोई ना कोई कारण भी अवश्य छुपा होता है। आज हम आपको दुनिया की सबसे बड़ी गुफा के बारे में बताएंगे। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस गुफा के अंदर एक रहस्यमई दुनिया भी है, जो यकीन से परे है। यहां के रास्ते, गहराई और अनदेखे नजारे आपको हैरान कर देंगे। यह दुनिया की सबसे बड़ी चमत्कारिक गुफा मानी जाती है। आज हम आपको उस गुफा के बारे में बताएंगे, जो इतनी विशाल है कि उसके अंदर एक अलग सी दुनिया बसी हुई है। यहां का रहस्य काफी अलग है। यहां हर किसी को जाने की इजाजत भी नहीं मिलती है।

ऐसे पड़ा गुफा का नाम

दरअसल, इस गुफा का नाम सॉन डूंग गुफा है जो कि वियतनाम और लाओस की सीमा पर स्थित है। यहां फॉन्ग न्हाके बांग नेशनल पार्क भी है, जो कि 9 किलोमीटर लंबी है। इस तरह यह दुनिया की सबसे बड़ी गुफाओं में से एक है। इसके पास एक छोटा सा गांव बसा है, जिसका नाम डूंग है। इसी नाम के आधार पर इस गुफा का नाम रखा गया है।

किसान ने की थी खोज

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यहां आस-पास रहने वाले किसान हो खान ने 1991 में इस गुफा को ढूंढा था, लेकिन वह इसे भूल गया। फिर साल 2009 में ब्रिटिश गुफा अनुसंधान संघ ने इसे दोबारा खोजा, जिसे देख सभी हैरान रह गए थे। इस गुफा के अंदर 80 मीटर तक ऊंचे चूने के स्टैलेग्माइट्स है। इस रहस्यमई गुफा में कई बड़े-बड़े मोती मिलते हैं, जो पानी और चूने से बने होते हैं। लंबाई और चौड़ाई की बात करें, तो यह 150 मीटर चौड़ी और 200 मीटर ऊंची है और 9 किलोमीटर लंबी है। जिसमें एक पूरा शहर या फिर हवाई जहाज भी समा सकता है।

बसी है अलग दुनिया

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इसमें एक अलग दुनिया भी बसी है। यहां बारिश होती है, जंगल है, नदी बहती है। जिस कारण यहां अलग जलवायु बन चुकी है। साल 2013 में वियतनाम सरकार द्वारा इसे खोला गया, जहां केवल चुनिंदा पर्यटकों को ही जाने की इजाजत मिलती है। वह भी केवल चार दिन के लिए.. ऑक्जेलिक एडवेंचर कंपनी परमिट से लेकर गाइड तक सब कुछ संभालती है, ताकि पर्यटकों को किसी प्रकार का कोई नुकसान ना हो। यह जादुई दुनिया प्राकृतिक का अनमोल खजाना है।

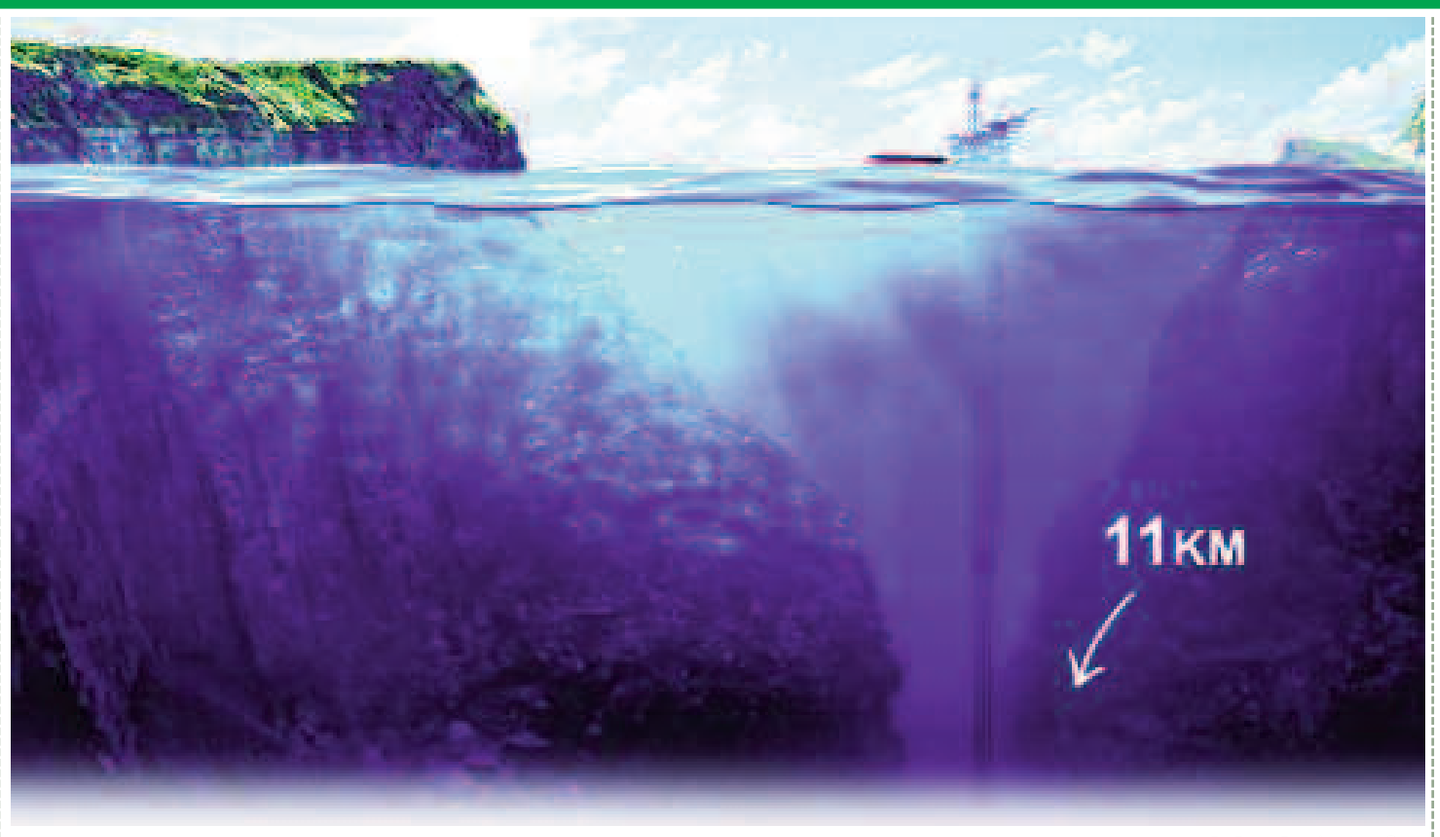

समुद्र रहस्यमय जगह मारियाना ट्रेंच

सूरज की रोशनी जहां कभी नहीं पहुंची। कहीं बर्फीला पानी तो कहीं उबाल देने वाले स्प्रिंग्स। प्रेशर इतना कि इंसान की हड्डियां पल में चकनाचूर हो जाएं। पानी की सतह से 11 हजार मीटर नीचे बसती है एक दुनिया जिसने समेट रखी हैं कई पहेलियां और होश उड़ा देने वाले नजारे। जिसकी तुलना चांद की सतह से की जाती है और जहां दूसरे ग्रहों की तरह वैज्ञानिक जीवन की खोज में जुटे रहे- ये है कहानी दुनिया के सबसे गहरे पॉइंट मारियाना ट्रेंच की।

धरती की सबसे खतरनाक जगहों में से एक मारियाना ट्रेंच की गहराई इसे धरती की सबसे खतरनाक जगहों में से एक बनाती है। यहां सूरज की रोशनी पहुंचती नहीं और अंधेरे की चादर हमेशा कायम रहती है। उस पर से शून्य डिग्री सेल्सियस का जमा देने वाला तापमान। सबसे भयानक होता है पानी का दाब जो इंसानी हड्डियों को पल में चकनाचूर कर सकता है। यहां हर स्क्वेयर इंच पर 8 टन का दबाव होता है जो गहराई के साथ और भी ज्यादा बढ़ता जाता है। पानी का यह दबाव इंसानी शरीर पर इस तरह असर करता है कि ऐसा कोई भी हिस्सा जहां हवा भरी हो, वह बाकी नहीं रह जाता। धीरे-धीरे फेफड़े धंस जाते हैं और हड्डियां टूट जाती हैं। मारियाना ट्रेंच धरती की सबसे बाहरी सतह, क्रस्ट की सबसे गहरी जगह है। यह कितना गहरा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत माउंट एवरेस्ट को ट्रेंच के सबसे गहरे पॉइंट पर रख दिया जाए तो भी उसकी चोटी समुद्र स्तर से 7 हजार फीट नीचे ही रह जाएगी। दो टेक्टॉनिक प्लेटों- पैसिफिक और मारियाना- की टक्कर से मारियाना ट्रेंच बना है। इसमें एक प्लेट दूसरी के नीचे दब गई जिसकी वजह से पुराना और घना क्रस्ट नीचे की सतह मैंटल में धंस गया।

गहरे समंदर की इस अंजान दुनिया में पहली बार कदम रखा था ओशियनॉग्रफर जैक पीका और लेफ्टिनेंट डॉन वॉल्श ने। 23 जनवरी 1960 को Trieste नाम की सबमर्सिबल की खिड़की से बाहर झांकते हुए दोनों ऐसे नजारों के गवाह बने जो पहले किसी ने नहीं देखे थे। उनके अनुभव जानने के बेताब दुनिया के मन में सबसे बड़ा सवाल था कि

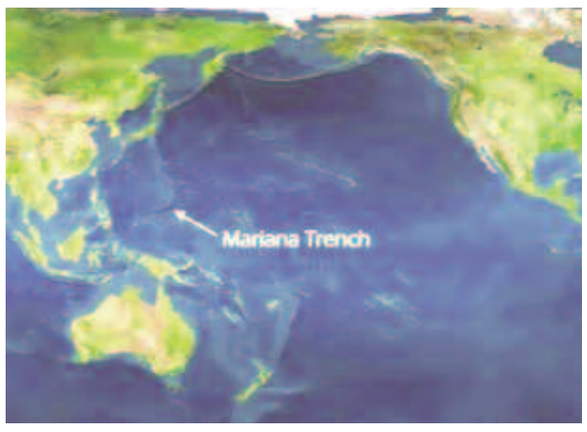

क्या इतनी गहराई, ठंडे पानी और भयानक दबाव में जीवन की संभावना है? चार घंटे और 47 मिनट में सतह पर पहुंचने पर रेत में हुई हलचल की वजह से दोनों कोई तस्वीर नहीं ले सके लेकिन उनकी आंखों ने जो देखा उस पर लंबे वक्त तक बहस चलती रही। जैक ने खिड़की को खिड़की से बाहर एक फ्लैटफिश नजर आई। उन्होंने फौरन वॉल्श को बताया। वॉल्श ने भी इस मछली को देखा और तभी नीचे से निकली रेत उनकी खिड़की के सामने आ गई। हालांकि, मरीन बायॉलजिस्ट्स ने दावा किया कि इतने दबाव में मछलियों का होना नामुमकिन है और पीका और जैक्स ने जो देखा वह कुछ और रहा होगा लेकिन अमेरिकी नौसेना के इन अनुभवी अफसरों ने साफ-साफ कहा कि जब तक वैज्ञानिक उन्हें गलत साबित नहीं कर देते वे यह मानते रहेंगे कि उन्होंने जो देखा वह मछली ही थी। इस मिशन के बाद भी यह सवाल बना रहा कि क्या मारियाना ट्रेंच में जीवन मुमकिन है।

...तो क्या यहां मुमकिन है जीवन?

मारियाना ट्रेंच पर जीवन के बारे में अभी बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन जीवन जरूर फल-फूल रहा है। वह बताते हैं, बिना रोशनी, एसिड, तापमान और दबाव जैसी स्थितियों में भी हैरान कर देने वाली संख्या में जीव यहां पाए जाते हैं। 200 से ज्यादा सूक्ष्मजीवियों से लेकर क्रस्टेशियन और ऐंफपॉड समेत सी क्युकूंबर, ऑक्टोपस और मछलियां यहां मौजूद हैं। साल 2014 में गुआम के पास सबसे गहराई में 8000 मीटर नीचे पाई जाने वाली स्नेलफिश की खोज की गई। जेम्स कैमरन ने जो तस्वीरें लीं उनमें एकदम गहराई में भी समुद्री जीवन देखा जा सका। इन पर वैज्ञानिक रिसर्च कर रहे हैं ताकि पता लगाया जा सके कि आखिर यहां जीवन कैसे मुमकिन है।

इन परिस्थितियों में भी कैसे पनप रहा है जीवन?

माना जाता रहा कि दबाव की वजह से कैल्शियम, जिससे हड्डियां बनती हैं, वह रह ही नहीं सकता है। बिना हड्डियों के मछलियों के जीवन पर भी सवाल बना रहा। हालांकि, डॉ. राम करन बताते हैं कि प्रकृति विज्ञान को हैरान करती रही है और मारियाना में स्नेलफिश का पाया जाना इसका सबूत है। उन्होंने बताया है, सतह के पास रहने वाली मछलियों में तैरने के लिए ब्लैडर होता है जिसमें हवा भरी होती है। इसकी मदद से वे ऊपर-नीचे करती हैं लेकिन गहराई में रहने वाली मछलियों में ये एयर-बैग नहीं होते हैं। इसलिए दबाव का इन पर असर नहीं होता। यही नहीं, यहां पाए जाने वाले जीवों में हड्डियों के अलावा कार्टिलेज पर ज्यादा निर्भरता होती है। इनके खोपड़ों में भी जगह खाली रहती है ताकि टूटने का खतरा कम हो। सबसे बड़ा बदलाव जेनेटिक स्तर पर हुआ है। किसी भी प्रक्रिया के लिए उनके शरीर में मौजूद प्रोटीन अपनी संरचना स्थिरता के साथ बदल सकें, इसके लिए जरूरी TMAO (ट्राईमिथिलअमीन-ऑक्साइड) को बनाने वाले जीन की स्नेलफिश में ज्यादा कॉपी पाई गईं। बर्फीले पानी में रहने के लिए इन जीवों में ऐसे फैट होते हैं जो जमते नहीं हैं।

इसके अलावा अंधेरा होने के बावजूद के बाद कुछ जीव तेज नजर पर भरोसा करते हैं तो कुछ स्पर्श और वाइब्रेशन की मदद लेते हैं। कुछ खुद की रोशनी पैदा करते हैं जिससे शिकार को पकड़ा जाता है और खुद शिकार होने से बचा जाता है। सूरज की रोशनी के बिना होने वाली खाने की कमी ऊपर से आने वाले मृत जीवों के अवशेषों से लेकर लकड़ी के टुकड़ों तक पर निर्भर करते हैं।

यहां रिसर्च में क्यों जुटे हैं वैज्ञानिक?

किसी भी ट्रेंच में छिपे रहस्यों को उजागर करने से दवाओं, खाद्य, ऊर्जा स्रोत जैसे उत्पाद तो मिल ही सकते हैं, भूकंप और सुनामी जैसी आपदाओं से बचने की तैयारी की जा सकती है। सबसे बड़े जिस सवाल का जवाब यहां छिपा हो सकता है वह है धरती के पर्यावरण में हो रहा बदलाव। इतने गहरे पानी, अंधेरे, दबाव और तापमान के हालात में रह रहे जीवों का विज्ञान हमें बता सकता है कि उनमें विकास कैसे हुआ। रिसर्चर्स को गहरे समुद्र में रहने वाले ऐसे सूक्ष्मजीवी मिले हैं जो ऐंटीबायॉटिक और ऐंटी-कैंसर दवाओं के काम आ सकते हैं। ऐसे में यहां रिसर्च से डायबिटीज के इलाज से लेकर लॉन्ड्री डिटर्जेंट जैसी जरूरतों तक को पूरा किया जा सकेगा।

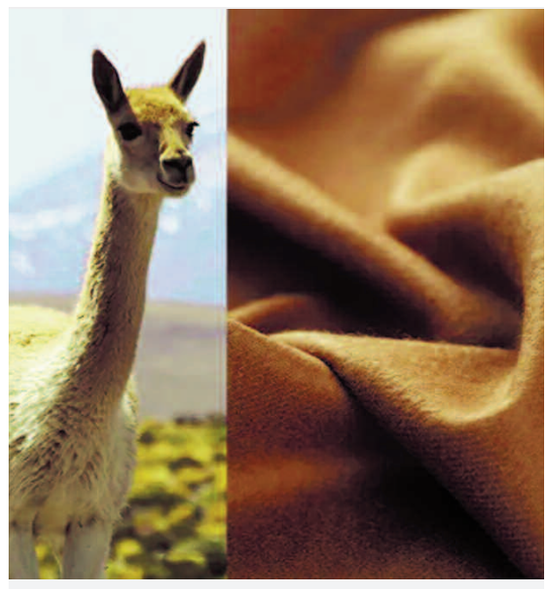

दुनिया का सबसे महंगा फैब्रिक विकुना

इस दुनिया में सस्ती से सस्ती और महंगी से महंगी चीज मौजूद है। इसे खरीदने वाले भी अलग-अलग बजट के लोग होते हैं। कुछ लोग महंगी चीज खरीदना पसंद करते हैं तो कुछ लोगों को सस्ती और बजट के अंदर मिलने वाली चीज पसंद आती है। कुछ ब्रांड ऐसे हैं जिनकी वैल्यू बहुत ज्यादा होती है इसलिए यह महंगे मिलते हैं। आपने अब तक सस्ती से महंगी कई चीजों के बारे में सुना होगा। आप में से सभी लोगों ने सस्ते से महंगी हर तरह की चीजों की खरीदी की होगी और उनका उपयोग भी किया होगा। इस दौरान क्या आपने कभी सोचा है कि दुनिया में सबसे महंगा कपड़ा कौन सा होगा। अगर नहीं तो चलिए आज हम आपको दुनिया के सबसे महंगे फैब्रिक के बारे में बताते हैं। यह इतना ज्यादा महंगा है कि अगर आप इसके मोजे भी खरीदना चाहे तो आपको अपनी गाड़ी बेचनी पड़ सकती है।

विकुना है सबसे महंगा फैब्रिक

दुनिया के सबसे महंगे फैब्रिक की बात करें तो यह कोई और नहीं बल्कि विकुना है। इसकी कीमत का अंदाजा इससे बने हुए कपड़ों से आसानी से लगाया जा सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन इससे बने हुए मोजे की कीमत 80000 रुपए से शुरू होती है। अगर आपको इससे बनी टी-शर्ट खरीदनी है तो आपको लाखों रुपए चुकाने पड़ सकते हैं। शर्ट खरीदना हो तो यह कीमत 5 लाख से ऊपर जा सकती है। पैंट की कीमत 8 लाख से ज्यादा हो सकती है। वहीं अगर कोट खरीदना है तो शायद 11 लाख रुपए से ऊपर चुकाना होंगे।

कहां मिलता है

दुनिया का सबसे महंगा कपड़ा विकुना एक दुर्लभ ऊन है, जो दक्षिण अमेरिका के एंडीज पर्वतों में मिलता है। ये बहुत ही मुलायम, महीन और गर्म होता है। हालांकि, इससे बने कपड़े आम आदमी की पहुंच से बाहर है।

क्यों है महंगा

दुनिया का यह सबसे महंगा फैब्रिक ऊंट के ऊन से तैयार होता है। यह ऊंट आम नहीं होते बल्कि बहुत ही खास प्रजाति के होते हैं, जो धीरे-धीरे विलुप्त हो रहे हैं। 1960 में इन्हें दुर्लभ प्रजाति घोषित कर दिया गया था, जिसके बाद इन्हें पालने के नियम भी सख्त बना दिए गए थे। इस ऊंट से जो ऊन निकलता है वह 12 से 14 माइक्रोन मोटा होता है। यह इतना ज्यादा गर्म होता है कि सर्दी आपको छू भी नहीं सकती। हालांकि, एक कोट बनाने के लिए कम से कम 35 ऊंटों का ऊन निकलेगा तब जाकर कोट तैयार होगा। दुर्लभ प्रजाति के ऊंट के ऊन से तैयार होने के कारण ही यह फैब्रिक इतना महंगा है।

दुनिया का इकलौता देश जहां नहीं है एक भी अस्पताल

दुनिया में कई ऐसी अनोखी जगह हैं, जिनके बारे में बहुत सारे लोग नहीं जानते हैं। इनमें से एक ऐसा देश भी है, जहां पिछले 96 साल से एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ है। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि यहां पर एक भी अस्पताल नहीं है। यह बात चौंकाने वाला है, लेकिन यह बिल्कुल सच है। घर में बच्चों की किलकारी ना गुंजे, तो घर सुना-सुना लगता है। कई बार अपने बड़े बुजुर्गों से हम दो, हमारे दो वाली कहावत भी सुनी होगी, लेकिन इस देश में आजतक कोई बच्चा जन्म नहीं लिया, तो आप बहुत सारी बातों को सोचने पर मजबूर हो गए होंगे कि आखिर बीमार पड़ने पर लोग क्या करते होंगे।मन में यह भी सवाल उठ रहे होंगे कि यदि यहां पर अस्पताल नहीं है, तो क्या यहां के लोग बीमार नहीं पढ़ते होंगे। यदि कोई मेडिकल इमरजेंसी आ जाए तो फिर यहां क्या होता है। किसी बच्चे का जन्म नहीं हुआ है तो जनसंख्या वृद्धि कैसे होगी। आइए आपको इसका जवाब बताते हैं।

वेटिकन सिटी

दरअसल, इस देश का नाम वेटिकन सिटी है, जो दुनिया का सबसे छोटा देश है। जनसंख्या की बात करें, तो यह करीब 800 के आसपास है। जिसे कैथोलिक चर्च द्वारा संभाल गया है। यहां रोमन कैथोलिक ईसाई धर्म के सभी धर्मगुरु रहते हैं। इस देश की स्थापना 11 फरवरी साल 1929 में किया गया था, तब से लेकर आज तक यहां पर एक भी बच्चा पैदा नहीं हुआ और ना ही यहां पर एक भी अस्पताल नहीं है। ऐसे में जब कोई व्यक्ति यहां पर बीमार पड़ जाता है या फिर इमरजेंसी हेल्थ केयर की जरूरत होती है, तो उन्हें इटली के अस्पतालों में भेज दिया जाता है।

किसी बच्चे का नहीं हुआ जन्म

यह देश रोम सिटी के बीचो-बीच है, जिसका क्षेत्रफल मात्र 111 एकड़ है। कई बार अस्पताल बनाने का अनुरोध भी किया गया, लेकिन हर बार इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया गया। ऐसे में यहां कोई बीमार हो जाए या फिर कोई महिला गर्भवती होती है, तो उन्हें रोम के अस्पताल में भेज दिया जाता है। यही कारण है कि यहां अब तक किसी भी बच्चे ने जन्म नहीं लिया, क्योंकि यहां पर प्रसव कक्ष की कोई सुविधा नहीं है।

कैसे होता है बीमार लोगों का इलाज

वेटिकन सिटी में स्थानीय नागरिकता नहीं मिलती। यहां चर्च के अधिकारी, कार्डिनल्स, पादरी और स्विस गॉड्स रहते हैं, जिन्हें ब्रह्मचर्य का पालन करना पड़ता है। वहीं, जो लोग यहां काम करते हैं, वह भी अस्थाई रूप से ही यहां रहते हैं। जिनका परिवार आमतौर पर इटली या फिर अन्य देशों में रहता है। यही कारण है कि पिछले 96 सालों से कोई जन्म नहीं हुआ। मेडिकल इमरजेंसी के दौरान वेटिकन सिटी के अंदर एंबुलेंस की टीम मौजूद रहती है, जो रोम के अस्पतालों तक मरीजों को पहुंचाती है। इसके अलावा, यहां पर एक छोटा सा मेडिकल डिस्पेंसरी है, जहां प्राथमिक उपचार दिया जाता है। इसके साथ ही यहां दुनिया की सबसे पुरानी फार्मेसी स्थित है।

दुनिया का सबसे छोटा रेलवे स्टेशन

दुनिया का सबसे छोटा देश होने के साथ ही यहां का रेलवे स्टेशन भी सबसे छोटा है, जहां केवल दो ट्रैक है। इसकी लंबाई मात्र 300 मीटर है और एक स्टेशन है, जिसका नाम सिट्टा वेटिकनो है। इसका उपयोग केवल माल परिवहन के लिए किया जाता है। यहां लोगों के लिए ट्रेन नहीं चलाई जाती है।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय विमानन उद्योग में सुधार के संकेत, आईसीआरए ने लगाया अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारतीय नागरिक उड्डयन उद्योग पर अपना आउटलुक स्थिर बनाए रखा है। एजेंसी का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में घरेलू हवाई यात्री यातायात में चार से छह प्रतिशत की मामूली वृद्धि देखने को मिल सकती है। जहां तक भारतीय विमानन कम्पनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री यातायात वृद्धि का प्रश्न है, आईसीआरए का अनुमान है कि यह वृद्धि 2025-26 में 13 से 15 प्रतिशत के बीच रहेगी। वहीं अप्रैल-अक्तूबर 2025 के दौरान घरेलू यात्री यातायात 944.5 लाख रहा। यह सालाना आधार पर 1.6 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। आईसीआरए के अनुसार, इस वर्ष विमानन उद्योग की वृद्धि इससे अधिक हो सकती थी, लेकिन सीमापार तनाव के कारण उड़ान रद्द होने और व्यवधानों के साथ-साथ जून 2025 में हुई दुखद एआई171 दुर्घटना ने यात्रियों में अस्थायी झिझक पैदा की, जिससे मांग पर असर पड़ा।

आगामी तिमाहियों में कमजोरी की आशंका: एजेंसी ने कहा कि ये कारक, अमेरिकी टैरिफ

से उत्पन्न व्यापार बाधाओं के साथ मिलकर, आगामी तिमाहियों में व्यापारिक भावनाओं को कमजोर करेंगे। इसी प्रकार, आईसीआरए ने कहा है कि नवंबर 2025 में वायु यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संबंधित व्यवधान, जिसके कारण उड़ानें रद्द होंगी, वृद्धि में एक अतिरिक्त (हालांकि कम) बाधा उत्पन्न करेगा।

एटीएफ और भारतीय रुपये से डॉलर की विनिमय दर: आईसीआरए ने कहा कि एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों और भारतीय रुपये से डॉलर की विनिमय दर के साथ इसके जुड़ाव के कारण प्रतिफल की गति पर नजर रखी जा सकेगी, क्योंकि दोनों का एयरलाइनों की लागत संरचना पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2024-25 में एटीएफ की औसत कीमतें 95,181 रुपये प्रति किलोलीटर रहीं, जो साल-दर-साल आधार पर 8.0 प्रतिशत कम है। इसके अलावा, 1 अप्रैल, 2025 से 1 नवंबर, 2025 तक एटीएफ की कीमतों में साल-दर-साल 6.5 प्रतिशत की कमी आई है। ईंधन लागत एयरलाइनों के परिचालन व्यय का 30-40 प्रतिशत है, जिसमें विमान पट्टे का भुगतान भी शामिल है। आईसीआरए को उम्मीद है कि भारतीय विमानन उद्योग को 2025-26 में 95-105 अरब रुपये का शुद्ध घाटा होगा।

रेकॉर्ड कीमत के बावजूद सोने का आयात 200 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी टैरिफ के बीच भारत से तमाम चीजों का निर्यात अक्टूबर में सालभर पहले के मुकाबले 11.8 प्रतिशत घटकर 34.38 बिलियन डॉलर रहा। कॉमर्स मिनिस्ट्री से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, आयात 16.63 प्रतिशत बढ़कर 76.06 बिलियन डॉलर का रहा और इसके चलते व्यापार घाटा 41.68 बिलियन डॉलर के रेकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इंपोर्ट का आंकड़ा बढ़ाने में गोल्ड और सिल्वर का बड़ा योगदान रहा अक्टूबर में सोने का आयात करीब 200 प्रतिशत बढ़कर 14.72 बिलियन डॉलर रहा। वहीं, 2.71 बिलियन डॉलर की चांदी आयात की गई, जो सालभर पहले से 528.71 प्रतिशत ज्यादा है। वहीं, अमेरिका को एक्सपोर्ट अक्टूबर में सालभर पहले के 6.9 बिलियन डॉलर से घटकर 6.31 बिलियन डॉलर पर आ गया। हालांकि यह सितंबर के 5.47 बिलियन डॉलर से ज्यादा रहा। कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने पिछले साल के अप्रैल से अक्टूबर तक में 47.32 बिलियन डॉलर के मुकाबले इस बार 52.12 बिलियन डॉलर के एक्सपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, ओवरऑल पॉजिटिव ट्रेड है। मासिक आधार पर भी बढ़त है।
एफआईईओ के प्रेसिडेंट एस सी रल्हन ने कहा, निर्यात पर दबाव से वैश्विक आर्थिक मंदी का पता चल रहा है। कई प्रमुख बाजारों में कम मांग और कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति है। नियत को सपोर्ट देने वाले उपाय बढ़ाने के साथ तमाम योजनाओं के तहत लाभों को निर्यातकों के लिए जल्द जारी किया जाना चाहिए। सरकार ने सोमवार को कुछ खास तरह की प्लैटिनम जूलरी के आयात पर अगले साल अप्रैल तक के लिए पाबंदी लगा दी है। इस कदम का मकसद मुक्त व्यापार समझौतो के गलत इस्तेमाल को रोकना है।

सरकार ने इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीरो कर दिया जीएसटी

नई दिल्ली, एजेंसी। जीएसटी2.0 के तहत सरकार ने सभी पर्सनल लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर लगने वाले 18 प्रतिशत गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स को खत्म कर दिया है। इस सुधार का मकसद बीमा को आम लोगों के लिए ज्यादा सस्ता और सुलभ बनाना है। हालांकि, ग्रुप इंश्योरेंस पॉलिसियों जैसे कि कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को दी जाने वाली पॉलिसी पर 18 प्रतिशत जीएसटीपहले की तरह लगता रहेगा। सरकार की यह पहल बीमा खरीदने वालों, खासकर पहली बार पॉलिसी लेने वालों और मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर की गई है। सरकार के इस कदम के बावजूद सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर कई ग्राहकों ने शिकायत की है कि जब उन्होंने अपनी लाइफ या हेल्थ पॉलिसी को रिन्यू कराने या नई पॉलिसी खरीदने की कोशिश की, तो उन्हें जीएसटीकटौती का फायदा नहीं मिला। सर्वे में शामिल 43 प्रतिशत लोगों का कहना है कि 22 सितंबर, 2025 के बाद पॉलिसी खरीदने या रिन्यू कराने पर उन्हें जीएसटीछूट का फायदा नहीं मिला।

आधी कीमत पर माल बेचेगी रिलायंस

नेस्ले, गोदरेज, इमामी... बड़े उलटफेर की तैयारी में मुकेश अंबानी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का पेट फूड्स यानी पालतू जानवरों के खाने का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। अब इस मार्केट में रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स भी उतरने की तैयारी में है। रिलायंस अपने पेट फूड्स को बाजार में मौजूद बड़े नामों जैसे नेस्ले, मार्स, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और इमामी की तुलना में आधे दाम पर बेचने की योजना बना रही है। ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि रिलायंस ने अपने वितरकों और व्यापारिक साझेदारों को बताया है कि वे अपने ब्रांड वैगीज़ को मौजूदा कंपनियों के मुकाबले 20-50त सस्ता बेचेगी। यह वैसी ही रणनीति है जैसी रिलायंस ने कोला बाजार में अपनाई थी।

60 करोड़ ग्राहकों पर नजर

रिलायंस के कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिवीजन के डायरेक्टर टी. कृष्णकुमार ने जून में एक इंटरव्यू में कहा था कि कंपनी मार्च 2027 तक अपने कंज्यूमर पोर्टफोलियो को पूरे देश में उपलब्ध कराना चाहती है। कृष्णकुमार कोका-कोला के प्रमुख रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी की रणनीति 60 करोड़ आम ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करने की है। कंपनी परचून की दुकानों के साथ मिलकर काम कर रही है और उन्हें आज के हिसाब से मार्जिन दे रही है।

एक अधिकारी ने बताया कि ये पेट फूड्स सामान्य दुकानों और छोटे शहरों में भी आसानी से उपलब्ध होंगे। इस बारे में आरसीपीएल ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। रिलायंस सॉफ्ट ड्रिंक्स, जूस, एनर्जी ड्रिंक्स, पानी और रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजों को मौजूदा कंपनियों के मुकाबले 20-40त कम दाम पर बेच रही है। इस वजह से कई कंपनियां अपने ग्राहकों के लिए खास ऑफर ला रही हैं, अपने डीलरों को ज्यादा मार्जिन दे रही हैं या फिर छोटे और सस्ते पैक बाजार में उतार रही हैं। हालांकि रिलायंस का कोई भी ब्रांड अभी तक पूरे देश में नहीं फैला है। रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत का पेट केयर बाजार 2028 तक दोगुना होकर 7 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो अभी 3.5 अरब डॉलर है। साल 2019 में जहां भारत में पेट्स की संख्या 2.6 करोड़ थी, वहीं 2024 में यह बढ़कर 3.2 करोड़ हो गई। पेट-केयर कैटेगरी में बड़े ब्रांड्स में पेडिग्री, पुरीना, सुपरटेल्स और रॉयल कैनिन शामिल हैं। वहीं, हेड्स अप फॉर टेल्स एंड ड्रोल्स जैसे स्टार्टअप्स भी इस सेक्टर में सक्रिय हैं।

दूसरी तिमाही में जीडीपी दर 7.5 प्रतिशत के आसपास रहने की उम्मीद

एसबीआई की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। एसबीआई ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर लगभग 7.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट के अनुसार निवेश गतिविधियों में तेजी, ग्रामीण खपत में सुधार और जीएसटी सुधार के प्रभाव से अर्थव्यवस्था को सहारा मिलेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा और विनिर्माण दोनों क्षेत्रों में तेजी के साथ-साथ संरचनात्मक सुधारों से भी विकास को बल मिल रहा है।

इन क्षेत्रों में दिखी उल्लेखनीय तेजी

रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया है कि कृषि, उद्योग और सेवाओं के संकेतकों में उल्लेखनीय तेजी देखी गई है। उपभोग और मांग में वृद्धि दर्शाने वाले प्रमुख संकेतकों की हिस्सेदारी दूसरी तिमाही में बढ़कर 83 प्रतिशत हो गई। वहीं पहली तिमाही में यह 70 प्रतिशत थी, व्यापक सुधार का संकेत है।

उम्मीद: सीबीडीटी चेयरमैन बोले- प्रत्यक्ष कर संग्रह 6.99 प्रतिशत बढ़ा

25.20 लाख करोड़ का कर लक्ष्य हासिल करना संभव

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा, चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट में निर्धारित 25.20 लाख करोड़ रुपये के आयकर संग्रह लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। अग्रवाल ने सोमवार को भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में करदाताओं के लाउंज के उद्घाटन के अवसर पर कहा, प्रत्यक्ष कर संग्रह पिछले वर्ष की तुलना में 6.99 फीसदी की दर से बढ़ रहा है।?यह उत्साहजनक रुझान है और करदाताओं की प्रतिक्रिया भी अच्छी रही है। हमें उम्मीद है कि साल के अंत तक हम 25.20 लाख करोड़ का कर संग्रह लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

चालू वित्त वर्ष 2025-26 में एक अप्रैल से 10 नवंबर के बीच शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 6.99 फीसदी बढ़कर 12.92 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। कॉरपोरेट कर संग्रह और धीमी रिफंड दर मुख्य वजह रही। 10 नवंबर तक 2.42 लाख करोड़ का रिफंड जारी किया गया, जो 18 फीसदी कम है।

एक अप्रैल से लागू होने वाले नए आयकर नियमों पर सीबीडीटी चेयरमैन ने कहा, नए नियमों और फॉर्म

को साल के अंत या जनवरी, 2026 तक अधिसूचित किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, आईटीआर फॉर्म प्रासंगिक और कारोबारी सुगमता के सिद्धांत पर आधारित होने चाहिए, ताकि करदाताओं पर अनावश्यक बोझ न पड़े। इसलिए, हम इसे जनवरी तक लागू करने की दिशा में काम कर रहे हैं। अग्रवाल ने कहा, हमारा उद्देश्य करदाताओं के लिए नए?आयकर फॉर्म को सरल और सुगम बनाना है, क्योंकि यही पहला जरिया है, जिसके माध्यम से अनुपालन करना सुनिश्चित होता है।? रिफंड जारी करने में देरी के बारे में अग्रवाल ने कहा, जांच में पाया गया कि कुछ गलत रिफंड या कटौतियों का दावा किया जा रहा था। विभाग कुछ रिफंड दावों का विश्लेषण कर रहा है, जो उच्च राशि के थे या जिन्हें प्रणाली ने लाल झंडी दिखा दी थी। यह एक सतत प्रक्रिया है। करदाताओं से भी कहा गया है कि अगर वे कुछ भूल गए हैं तो संशोधित रिटर्न दाखिल करें। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि शेष रिफंड इस महीने या दिसंबर तक जारी कर दिए जाएंगे। हालांकि, कम राशि के रिफंड जारी किए जा रहे हैं।

डीमर्जर होते ही टाटा मोटर्स पर मंडराया बाहर होने का खतरा, इंडिगो को मिल सकती है जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स पर एक बार फिर सेंसेक्स से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। हाल में कंपनी का डीमर्जर हुआ है और कमर्शियल वीकल बिजनेस अलग होने से कंपनी का मार्केट कैप बंट गया है। टाटा मोटर्स के कमर्शियल वीकल डिवीजन का मार्केट कैप 1.19 लाख करोड़ रुपये है जबकि पैसेंजर वीकल यूनिट का बाजार मूल्य 1.37 लाख करोड़ रुपये है। टाटा मोटर्स 30 शेयरों वाले सेंसेक्स के मूल घटकों में शामिल है। हालांकि कंपनी पहले भी सेंसेक्स से बाहर हो चुकी है। बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक अगले महीने टाटा मोटर्स को सेंसेक्स से बाहर होना पड़ सकता है जबकि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की पेरेंट कंपनी इंटरग्लोब एविएशन को इंडेक्स में जगह मिल सकती है। इसका मार्केट कैप 2.27 लाख करोड़ रुपये है। दिसंबर रिव्यू की घोषणा अगले कुछ दिनों में हो सकती है। टाटा मोटर्स इससे पहले दिसंबर 2019 में भी सेंसेक्स से बाहर हुई थी और दिसंबर 2022 में इसे फिर से इंडेक्स में जगह मिली थी। सेंसेक्स 1 जनवरी, 1986 को लॉन्च हुआ था। इसके 30 स्टॉक्स में से केवल 3 स्टॉक ही लगातार इसमें बने हुए हैं। इनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी शामिल हैं। साथ ही लार्सन एंड टुब्रो, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा भी बने हुए हैं। हालांकि ये कई बार अंदर-बाहर हुए हैं। नेस्ले को जून में बाहर होना पड़ा था।

गिरते-गिरते 90,000 डॉलर से नीचे आई बिटकॉइन की कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे पुरानी, सबसे लोकप्रिय और सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में गिरावट का दौर जारी है। सात महीने में पहली बार इसकी कीमत 90,000 डॉलर से नीचे गिर आ गई है। इसके साथ ही बिटकॉइन ने इस साल की अपनी सारी बढ़त गंवा दी है। अक्टूबर में यह 126,000 डॉलर से भी ऊपर थी, लेकिन उसके बाद इसमें लगभग 30त की गिरावट आई है। एशियाई बाजार में यह 2त गिरकर 89,953 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। जानकारों का कहना है कि अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती को लेकर अनिश्चितता और शेयर बाजारों में आई नरमी क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों को नीचे खींच रही है।

दुनिया की दूसरी बड़ी क्रिप्टोकरेंसी ईथर भी महीनों से दबाव में है। अगस्त में यह 4,955 डॉलर से ऊपर थी, लेकिन अब इसमें लगभग 40त की गिरावट आई है। मंगलवार को यह 1त गिरकर 2,997 डॉलर पर कारोबार कर रही थी। जानकारों का कहना है कि लिस्टेड कंपनियों और बड़े निवेशकों के अपनी पोजीशन से निकलने के कारण यह बिकवाली और बढ़ रही है। उन्होंने तेजी के दौरान खूब निवेश किया था। माना जा रहा है कि क्रिप्टोकरेंसी में आई यह गिरावट एक शुरुआती संकेत हो सकती है जो आगे चलकर अन्य बाजारों को भी प्रभावित कर सकती है।

कहां तक गिरेगी कीमत

रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक इनवेस्टमेंट ऑफिसर मैथ्यू डिब ने कहा कि कुल मिलाकर रिप्टो में भावनाएं काफी कमजोर हैं और यह अक्टूबर में हुए बड़े कर्ज की सफाई के बाद से ऐसा ही है। अगला सपोर्ट लेवल 75,000 डॉलर है। साफ है कि जब बड़े निवेशक डर जाते हैं और अपना पैसा निकालना शुरू कर देते हैं, तो छोटी क्रिप्टोकरेंसी की कीमतें भी तेजी से गिर सकती हैं।

बेटे की बीमारी के बाद खुद की आंखों की भी गई रोशनी

हार नहीं मानी और आज हर महीने 14 लाख का बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी। केरल के थोडुपुझा की जैस्मिन की कहानी हिम्मत देने वाली है। यह साबित करती है कि जब जिंदगी सबसे बड़ी चुनौतियां लाती है तो इंसान अपनी अदम्य इच्छाशक्ति से उन्हें पार कर सकता है। अपने बेटे की मस्तिष्क संबंधी बीमारी (सेरेब्रल पाल्सी) के बाद 10 साल में उनकी अपनी आंखों की भी रोशनी पूरी तरह चली गई। इसके बावजूद जैस्मिन ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी निराशा को ताकत में बदला। अप्पूज फूड्स की स्थापना की। यह आज हाथ से बने नेयप्पम (मीठे चावल का पकवान) का सफल कारोबार बन चुका है। आंखों की रोशनी न होने के बावजूद वह न केवल अपनी कंपनी के फाइनेंस और प्रोडक?शन को संभालती हैं, बल्कि अपने जज्बे से कई लोगों को प्रेरित भी करती हैं। आइए, यहां जैस्मिन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

जैस्मिन का जीवन चुनौतियों से भरा रहा। 1998 में शादी के बाद उनके बेटे अखिल को सेरेब्रल पाल्सी (मस्तिष्क संबंधी बीमारी) का पता चला। इसने परिवार को सालों तक इलाज के लिए कई शहरों की यात्रा करने के लिए मजबूर किया। लेकिन, मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हुईं। 2001 में जैस्मिन को एक तंत्रिका संबंधी समस्या विकसित हुई। अगले 10 वर्षों के भीतर उन्होंने अपनी आंखों की रोशनी पूरी तरह से खो दी। एक संघर्षरत बेटे और बिगड़ते स्वास्थ्य के बीच उन्होंने असहाय महसूस किया। लेकिन, वह जानती थीं कि उन्हें अपने परिवार खासकर अपने बेटे के लिए चलते रहना है। इसी दौरान वेलंकन्नी चर्च की एक यात्रा उनके जीवन में एक बड़ा मोड़ लेकर आई।

ऐसे मिला पहला बड़ा ऑर्डर

जैस्मिन की दृढ़ता का सबसे बड़ा प्रमाण 2009 में मिला। तब कोट्टायम में अल्फोंसो चर्च महोत्सव के लिए 1,200 किलो नेयप्पम का पहला बड़ा ऑर्डर उनके हाथ लगा। केवल चार कर्मचारियों के बावजूद उन्होंने टेंट लगाकर और अतिरिक्त लोगों को काम पर रखकर दस दिनों में सफलतापूर्वक ऑर्डर पूरा किया। यह वेंचर के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था। 2010 तक उन्होंने चर्चों, थोक विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं को सप?लाई करने के लिए अपने घर के पास एक छोटी मिल स्थापित की। 2011 तक उनकी दृष्टि पूरी तरह जा चुकी थी। लेकिन, तब तक उन्होंने सब कुछ अपने दम पर करना सीख लिया था। आज, वह छूकर नेयप्पम के आकार और बनावट का निरीक्षण कर सकती हैं। वह फाइनेंस, सैलरी और यहां तक कि बैटर को मिलाने जैसे महत्वपूर्ण कामों को भी संभालती हैं। महामारी के दौरान मांग में गिरावट आने पर उन्होंने चावल, रागी और पुट्टू आटा जैसे नए उत्पाद पेश करके अपने व्यवसाय में विविधता लाई। इससे उनके कर्मचारियों की नौकरी सुरक्षित रही। आज जैस्मिन का वेंचर हर महीने औसतन 1,500 किलो नेयप्पम का उत्पादन करता है। पीक सीजन, खासकर जुलाई में अल्फोंसो चर्च उत्सव के दौरान उत्पादन 10 दिनों में 7,000 किलो से अधिक हो जाता है। इससे मासिक राजस्व 14 लाख रुपये तक पहुंच जाता है। जैस्मिन का थोक मूल्य 220 रुपये प्रति किलो है। वह न केवल सफल उद्यमी हैं, बल्कि एक कम?युनिटी लीडर भी हैं जो अपने कर्मचारियों को पोस्ट ऑफिस बचत खातों के जरिये बचत करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

बांग्लादेश में तनाव, स्थगित हो सकता है महिला क्रिकेट टीम का भारत दौरा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी फ्यूचर टूर प्रोग्राम के तहत दिसंबर में बांग्लादेश के खिलाफ भारत की आगामी घरेलू सीरीज कथित तौर पर बांग्लादेश में महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण स्थगित हो सकती है। भारत और बांग्लादेश की महिला टीमों के बीच इस सीरीज में 3 वनडे और 3 टी20 मैच शामिल हैं। दोनों देशों के बीच इन मुकाबलों के लिए विशिष्ट तिथियों और स्थानों की घोषणा नहीं की गई थी, लेकिन इस सप्ताह बांग्लादेश में हुए राजनीतिक घटनाक्रम से पहले ही दौरे का कार्यक्रम अनिश्चित था। 'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' के अनुसार, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से एक पत्र मिला है, जिसमें कहा गया है कि सीमित ओवरों की सीरीज को बाद की तारीख के लिए पुनर्निर्धारित किया जाएगा। भले ही इसके पीछे का कोई विशेष कारण नहीं बताया गया, लेकिन माना जा रहा है कि भारत और बांग्लादेश के बीच जारी राजनीतिक तनाव ने सीरीज के स्थगित होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दोनों देशों के बीच इस सीरीज के मुकाबले कोलकाता और कटक में होने वाले थे। वनडे मुकाबले दोनों टीमों के लिए महिला वनडे चैंपियनशिप के नए चरण की शुरुआत का प्रतीक थे। इससे पहले, भारतीय पुरुष टीम का बांग्लादेश में सीमित ओवरों की सीरीज के लिए दौरा अगस्त 2025 में होना था, लेकिन इसे सितंबर 2026 तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

बता दें कि बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल (आईसीटी) ने 'मानवता के खिलाफ अपराध' मामले में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को फांसी की सजा सुनाई है। 78 वर्षीय शेख हसीना को पिछले साल छात्र आंदोलन के दौरान हुई हिंसा और मौतों के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए मौत की सजा सुनाई है।

यह सजा शेख हसीना की अनुपस्थिति में सुनाई गई और संयुक्त राष्ट्र ने भी इस सजा का विरोध किया है। फिलहाल शेख हसीना भारत में हैं और बांग्लादेश उनकी वापसी पर अड़ा हुआ है। पिछले कुछ समय से दोनों पड़ोसी देशों के बीच राजनयिक संबंध प्रभावित हुए हैं।

जर्मनी और नीदरलैंड ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई किया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्लोवाकिया को 6-0 से शिकस्त देकर जर्मनी ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। यूरोपीय दिग्गजों के साथ नीदरलैंड्स भी विश्व कप में जगह पक्की कर चुका है, जिसने लिथुआनिया को 4-0 से हराते हुए ग्रुप जी में पहला स्थान हासिल किया। लेरॉय साने जर्मनी की जीत के हीरो रहे, जिन्होंने स्लोवाकिया के खिलाफ दो गोल दागते हुए जर्मनी को लगातार 19वें विश्व कप में जगह दिलाई। निक वोल्टेमाडे ने इस मुकाबले का खाता खोला। 18वें मिनट उन्होंने हेडर से गोल दागा, जिसके बाद सर्ज ग्नब्री ने 29वें मिनट गोल करते हुए जर्मनी की बढ़त को दोगुना कर दिया।यहां से फ्लोरियन विर्ट्ज ने लेरॉय साने को 5 मिनट में दो बार गोल करने का मौका दिया और हाफ टाइम से पहले मैच को सुरक्षित बना दिया। लेरॉय ने बखूबी इन मौकों को भुनाते हुए 36वें और 41वें मिनट में दो गोल करते हुए जर्मनी को 4-0 से बढ़त दिला दी।ब्रेक के बाद रिंडल बाकू ने 67वें मिनट में गोल किया। मुकाबले के 79वें मिनट असन ओउएड्रागो ने साने के शानदार शॉट के बाद गोल दागकर टीम को 6-0 से आगे कर दिया। मुकाबला इसी स्कोर के साथ खत्म हुआ। दूसरी ओर, ग्रुप-जी के मुकाबले में नीदरलैंड्स ने लिथुआनिया पर 4-0 से जीत दर्ज करते हुए विश्व कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। मुकाबले के 16वें मिनट तिजानी रेइंडर्स ने दाहिने पैर से गोल करते हुए नीदरलैंड्स का खाता खोला। इसके बाद 58वें मिनट कोडी गाकपो ने पेनाल्टी स्पॉट से बढ़त दोगुनी कर दी। जावी सिमंस ने 60वें मिनट गोल दागा, जिसके 2 मिनट बाद डोनियल मालेन के गोल ने नीदरलैंड्स को 4-0 से आगे कर दिया। इस हार के बावजूद, स्लोवाकिया 16 टीमों की यूईएफए प्ले-ऑफ प्रतियोगिता में जगह बनाने के लिए तालिका में दूसरे स्थान पर रहने के बाद विश्व कप में जगह बनाने की दौड़ में बना हुआ है।

विकेट को दोष देना आसान, लेकिन अपने गिरेबान में झांकना होगा:अमित मिश्रा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में खेले गए टेस्ट सीरीज के पहले मैच को 30 रन के करीबी अंतर से गंवा बैठी। पूर्व भारतीय स्पिनर अमित मिश्रा का मानना है कि इसके लिए विकेट को दोष देना आसान है, लेकिन खिलाड़ियों को अपने गिरेबान में झांकना होगा। भारत-साउथ अफ्रीका के बीच ईडन गार्डन्स में खेले गए इस टेस्ट मैच में टेंबा बावुमा ऐसे इकलौते बल्लेबाज रहे, जिन्होंने अर्धशतकीय पारी खेली। भारत को दूसरी पारी में जीत के लिए सिर्फ 124 रन का लक्ष्य मिला था, लेकिन टीम इंडिया 93 रन पर सिमट गई। इसके बाद कुछ दिग्गजों ने इस शर्मनाक हार के लिए पिच को दोषी ठहराया। अमित मिश्रा ने कहा, 'ऐसा पहली बार नहीं है कि इस तरह की विकेट मिली हो। मुझे लगता है कि खिलाड़ियों को अपनी स्किल्स निखारनी होगी। अपनी स्किल्स को सुधारने की जरूरत है। विकेट को दोष देना आसान है, लेकिन इससे पहले अपने गिरेबान में झांकना होगा। जब हम इंग्लैंड जैसे देशों का दौरा करते हैं, तो वहां स्विंग का सामना करना पड़ता है। हम उस हिसाब से अपनी स्किल्स को सुधारते हैं। आपको समझना होगा कि किस तरह की पिच पर किस तरह से बल्लेबाजी करनी होगी। 'उन्होंने कहा, 'यह एक युवा टीम है। इसमें काफी युवा खिलाड़ी हैं, जिनमें अनुभव की कमी है। सीनियर खिलाड़ियों और कोच को उनसे बात करनी होगी। इस तरह की पिच पर फुट मूवमेंट बेहद अहम है। आपको यह समझना होगा कि किन गेंदबाजों के खिलाफ शॉट खेल सकते हैं, किन गेंदबाजों के खिलाफ शॉट नहीं खेलने। यह सभी टैलेंटेड खिलाड़ी हैं। भविष्य में यह टीम बेहतरीन हो जाएगी। साउथ अफ्रीका ने मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए पहली पारी में 159 रन बनाए। इसके जवाब में भारत ने 189 रन बनाकर 30 रन की मामूली बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में भी साउथ अफ्रीकी टीम की हालत खराब रही, लेकिन कप्तान टेंबा बावुमा की नाबाद 55 रन की पारी के दम पर टीम ने किसी तरह 153 रन बनाकर भारत को जीत के लिए 124 रन का लक्ष्य दिया। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम 93 के स्कोर तक अपने 9 विकेट गंवा चुकी थी। चोटिल कप्तान शुभमन गिल इस पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतर सके। इसी के साथ टीम इंडिया को सीरीज के पहले मैच में हार का सामना करना पड़ा।

कबड्डी स्टार नरवाल बोले- केसीएल युवाओं को दे रहा सुनहरा मौका, वर्ल्ड टेनिस लीग पहली बार भारत में

नई दिल्ली, एजेंसी। 12 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन और वर्ल्ड टेनिस लीग के सह-संस्थापक महेश भूपति ने कहा, 'भारत और टेनिस का रिश्ता बहुत पुराना है। डब्ल्यूटीएल के भारत आने से यह रिश्ता और मजबूत होगा। वैश्विक सितारों और भारतीय खिलाड़ियों का साथ में खेलना युवाओं के साथ परिवार वालों को बड़ी प्रेरणा देगा। भारत के जाने-माने कबड्डी खिलाड़ी राजेश नरवाल ने एक खास बातचीत में बताया कि कबड्डी चैंपियंस लीग हरियाणा के युवाओं के लिए एक बड़ा बदलाव ला रही है। उनके मुताबिक केसीएल ने लड़कों को ट्रेनिंग, मौके और करियर, तीनों ही स्तरों पर नई ऊर्जा दी है।

राजेश नरवाल ने बताया कि केसीएल ने हरियाणा के हर इलाके, छोटे गांव से लेकर बड़े शहर तक में कबड्डी को नई जिंदगी दी है। लीग बेहतरीन ट्रेनिंग, राष्ट्रीय स्तर का माहौल, प्रोफेशनल खेलने का अनुभव जैसी सुविधाएं दे रही है। उनके अनुसार इससे युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने और करियर बनाने का बड़ा रास्ता मिल रहा है। नरवाल ने कहा कि हरियाणा को पहले से ही रेसलिंग का गढ़ माना जाता है। लेकिन केसीएल जैसी पहलें अब राज्य को कबड्डी और बाकी खेलों का हब बना रही हैं। उन्होंने कहा, 'हरियाणा खेलों की धरती है। कुश्ती और कबड्डी में हमारे खिलाड़ी हमेशा छाए रहे हैं। साथ मुझे यकीन है कि हरियाणा जल्द ही देश की स्पोर्ट्स कैपिटल कहलाएगा।'

आउट होने के बाद स्टंप्स तोड़ने चले बाबर आजम, आईसीसी ने लगाया जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के दिग्गज बल्लेबाज बाबर आजम एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार कारण उनका खेल नहीं बल्कि अनुशासनात्मक मामला है। रावलपिंडी में श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे के दौरान बाबर पर आईसीसी आचार संहिता के लेवल-1 उल्लंघन का आरोप लगा, जिसके बाद उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना और एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ा गया। आउट होने के बाद स्टंप्स की ओर बल्ले से गेंद मारना उनके खिलाफ कार्रवाई का आधार बना। हालांकि बाबर ने तुरंत गलती स्वीकार कर ली, लेकिन यह घटना पाकिस्तान की क्लीन स्वीप जीत के बीच चर्चा का विषय बन गई। पारी के 21वें ओवर में आउट होने के बाद बाबर आजम ने गुस्से में अपने बल्ले से स्टंप्स की ओर गेंद मार दी। यह व्यवहार आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 का स्पष्ट उल्लंघन है, जो मैदान पर उपकरणों के दुरुपयोग से संबंधित होता है। मैदानी अंपायर एलेक्स व्हार्फ और राशिद रियाज, तीसरे अंपायर शरफुद्दौला इब्ने शाहिद और चौथे अंपायर फैसल अफरीदी ने तत्काल इस पर रिपोर्ट दर्ज की। आईसीसी मैच रेफरी अली नकवी ने जुर्माने की अनुशंसा की, जिसे बाबर ने बिना किसी आपत्ति के स्वीकार कर लिया। इसलिए किसी औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। आईसीसी ने बताया कि यह बाबर आज़म का पिछले 24 महीनों में पहला अपराध है, इसलिए उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट जोड़ा गया है।

मिनर्वा की प्रोडक्शन लाइन फिर चमकी, पांच प्लेयर्स भारत की सीनियर टीम में शामिल

चंडीगढ़, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल विकास की कहानी को एक और बड़ी मजबूती देते हुए मिनर्वा एकेडमी ने एक बार फिर राष्ट्रीय मंच पर अपनी अद्वितीय भूमिका साबित की है। उसके पांच ग्रेजुएट्स– बिकाश, अनवर, संदेश, विक्रम प्रताप और प्रमवीर –को एएफसी अभियान के लिए भारतीय सीनियर राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। यह चयन भारतीय फुटबॉल हलकों में लंबे समय से स्वीकार की जा रही सच्चाई को दोहराता है: मिनर्वा की टैलेंट पाइपलाइन देश की सबसे निरंतर और भरोसेमंद प्रतिभा देने वाली प्रणालियों में से एक है। एक ऐसी एकेडमी के लिए जिसने भारत के फुटबॉल इकोसिस्टम को बदलने के साहसिक लक्ष्य के साथ शुरुआत की थी, यह उपलब्धि उसकी ग्रासरूट-फर्स्ट फिलॉसफी की एक और पुख्ता पुष्टि है। साल दर साल, मिनर्वा ने कच्ची प्रतिभा को पहचानने, संरचित मार्ग प्रदान करने और विभिन्न आयु वर्गों में राष्ट्रीय सेटअप को लगातार खिलाड़ियों की आपूर्ति करने की प्रतिष्ठा बनाई है। यह नवीनतम उपलब्धि मिनर्वा के उस बढ़ते हुए सूची में एक और अध्याय जोड़ती है, जिसमें उसके विकसित खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व उच्चतम स्तर पर कर चुके हैं। साथ ही यह दिखाती है कि एकेडमी-ड्रिवन मॉडल राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी पूल को मजबूत करने में कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

जैसे ही सीनियर स्क्वाड अपने एएफसी अभियान की तैयारी कर रहा है, भारतीय फुटबॉल पर मिनर्वा की छाप एक बार फिर स्पष्ट है–यह याद दिलाते हुए कि एकेडमी की मिट्टी से राष्ट्रीय जर्सी तक का सफर न सिर्फ संभव है, बल्कि उसके सिस्टम में निखरने वाले खिलाड़ियों के लिए अब बेहद आम होता जा रहा है।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में, त्रीसा और गोपीचंद को मिली हार

आस्ट्रेलियन ओपन

सिडनी, एजेंसी। विश्व की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी सात्विक-चिराग ने को-ची और पो ली-वेई के खिलाफ 48 मिनट तक चले पहले दौर के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 25-23, 21-16 से जीत हासिल की। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली है। सात्विक-चिराग की जोड़ी ने पहले दौर में चीनी ताइपे के चांग को-ची और पो ली-वेई पर सीधे गेम में जीत दर्ज की। विश्व की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने को-ची और पो ली-वेई के खिलाफ 48 मिनट तक चले पहले दौर के संघर्षपूर्ण मुकाबले में 25-23, 21-16 से जीत हासिल की।

सात्विक और चिराग की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी शुरुआती गेम में एक समय 2-6 से पीछे चल रही थी। इसके बाद भी कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन चीनी ताइपे की जोड़ी ने 16-14 तक मामूली बढ़त बनाए रखी। भारतीयों ने पलटवार करते हुए 19-17 की बढ़त बना ली, लेकिन इसके बाद मुकाबला रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया। इसके बाद दोनों टीमों को गेम प्वाइंट मिले लेकिन आखिर में भारतीय जोड़ी अपने तीसरे गेम प्वाइंट को भुनाने में सफल रही। सात्विक और चिराग ने दूसरे गेम की शुरुआत में 7-4 की बढ़त बना ली, लेकिन नेट पर दो गलतियों और ताइवानी जोड़ी के एक ज़ोरदार स्मैश ने उन्हें बराबरी पर ला दिया। भारतीय जोड़ी इंटरवल तक एक अंक से आगे थी।

भारत में 17 दिसंबर से होगी विश्व टेनिस लीग

बेंगलुरु एजेंसी। पूर्व अमेरिकी ओपन चैंपियन दानिल मेदवेदेव और 2022 की विंबलडन चैंपियन एलेना रयबाकिना सहित कई शीर्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी यहां 17 दिसंबर से होने वाले विश्व टेनिस लीग में भारतीय प्रशंसकों के सामने अपना जलवा दिखाएंगे। इस प्रतियोगिता की शुरुआत 2022 में की गई थी और पहली बार भारत में इसका आयोजन किया जा रहा है। इससे पहले इस चार दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में किया जाता रहा है। मेदवेदेव और रयबाकिना के अलावा आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी निक किर्गियोस, फ्रांसीसी स्टार गेल मोनफिल्स और पाउला बडोसा भी इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। हाल ही में शीर्ष स्तर के टेनिस से संन्यास लेने वाले रोहन बोपन्ना, सुमित नागल, युकी भांबरी, अंकिता रैना, श्रीवल्ली भामिदीपती और माया रेवती लीग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। रयबाकिना ने कहा, 'मैंने भारत में टेनिस संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सुना है और मैं डब्ल्यूटीएल के साथ यहां अपनी शुरुआत करने के लिए रोमांचित हूं।

अब बॉक्सिंग में होगा एआई का इस्तेमाल, जूरी की हो सकती है छुट्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व मुक्केबाजी संगठन के निवर्तमान अध्यक्ष बोरिस वान डेर वोर्स्ट ने दावा किया कि विश्व मुक्केबाजी मुकाबलों की समीक्षा के लिए आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल की संभावना का मूल्यांकन कर रहा है। इससे जूरी की छुट्टी हो सकती है। विश्व मुक्केबाजी प्रमुख ने स्वीकार किया कि खेल की विवादास्पद स्कोरिंग प्रणाली से उत्पन्न चुनौतियों से निपटना, 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में इस खेल का आयोजन करने वाले नए संगठन के लिए मुख्य चुनौती होगी। वैन डेर वोर्स्ट ने चल रहे विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल के दौरान संवाददाताओं से कहा, 'मुख्य चुनौती यह है हाथ उठाया जाता है। प्रतियोगिता की निष्ठा एक ऐसे खेल के लिए मुख्य चुनौती बनी हुई है, जिसमें जूरी शामिल होती है। '

एआई के इस्तेमाल का मूल्यांकन

एआई के इस्तेमाल के बारे में बात करते हुए वोर्स्ट ने आगे कहा, 'हम मुकाबलों की समीक्षा के लिए एआई जैसी आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल की जुगत में लगे हुए हैं ताकि हम प्रशंसकों और मुक्केबाजों का सिस्टम में विश्वास बहाल कर सकें। इस पर अभी काम चल रहा है और मैं बस इतना कह सकता हूं कि हम इस समय इसका मूल्यांकन कर रहे

'स्कोरिंग दिक्कत का विषय

चाहे पिछला संगठन अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (आईबीए) हो या वर्तमान संस्था मुक्केबाजी के लिए स्कोरिंग दिक्कत का विषय बना हुआ है। ऐसा माना जा रहा है कि विश्व मुक्केबाजी को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति से पूर्ण मान्यता दिलाने के लिए इसे सुलझाना एक प्रमुख मुद्दा है।प्रतिस्पर्धा के स्तर को और भी बेहतर बनाने के लिए विश्व मुक्केबाजी ने हाल ही में एक रैंकिंग प्रणाली शुरू की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाज किसी बड़ी प्रतियोगिता के शुरुआती दौर की बजाय, अंत में एक-दूसरे से भिड़ें। वान डेर वोर्स्ट ने कहा, 'रैंकिंग अंक रखने का उद्देश्य मुक्केबाजों को बड़े टूर्नामेंटों से पहले

रैंकिंग से वरीयता तय होगी

भारत की दिग्गज मुक्केबाज निखत जरीन को ओलंपिक में वरीयता न मिलने का खामियाजा भुगतना पड़ा क्योंकि दो विश्व खिताब जीतने के बावजूद वह गैर-वरीयता प्राप्त थी और पेरिस ओलंपिक के दूसरे दौर में उनका सामना स्वर्ण पदक विजेता चीन की वू यू से हुआ। विश्व मुक्केबाजी द्वारा शुरू की गई वर्तमान रैंकिंग प्रणाली के तहत, एक सत्र में सभी टूर्नामेंटों में मुक्केबाजों के प्रदर्शन के आधार पर उनकी रैंकिंग की जाएगी और इसी से उनकी वरीयता तय होगी। यह पूछे जाने पर कि क्या रैंकिंग अंकों का उपयोग क्वालीफिकेशन के लिए किया जाएगा, वैन डेर वोर्स्ट ने कहा, 'सबसे पहले, लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन प्रक्रिया अभी तक अंतिम रूप से तय नहीं हुई है।

किस किसको प्यार करूँ 2 'फुर्र' इंटरनेट का नया पार्टी पसंदीदा बना

हनी सिंह और कपिल शर्मा की जोड़ी ने मचाया धमाका

पहली बार हनी सिंह और कपिल शर्मा परदे पर साथ आए हैं, और आते ही दोनों ने दर्शकों पर कमाल का जादू चला दिया। उनका नया गीत फुर्र ज़बरदस्त धूम मचा रहा है। दर्शक उनकी ताज़गी भरी, ऊर्जावान और मज़ेदार जोड़ी को देखकर खूब खुश हो रहे हैं। उनकी बेफ़िक्र तालमेल, खिलखिलाता अंदाज़ और परदे पर लाया गया जोश लोगों को बेहद पसंद आ रहा है। फुर्र अब तक पच्चीस मिलियन से अधिक लोगों तक पहुँच चुका है और इस साल का सबसे चर्चित गाना बन गया है। यह गीत 'साल का पार्टी गाने' के रूप में सराहा जा रहा है। लोग इसके तेज़-तर्रार संगीत और दोनों की धमाकेदार मौजूदगी पर लगातार झूम रहे हैं। मीका सिंह और किकू शारदा द्वारा इसे अपनी इंस्टाग्राम कहानी पर साझा करने से इसका उत्साह और बढ़ गया। किस किसको प्यार करूँ 2 को लेकर दर्शकों की उत्सुकता अब और बढ़ गई है। फ़िल्म में कपिल शर्मा के साथ मंजोत सिंह, आयशा ख़ान, त्रिधा चौधरी, हीरा वरीना और पारुल गुलाटी दिखाई देंगे। फुर्र की ज़बरदस्त सफलता के बाद फ़िल्म की रफ़्तार और मज़बूत हो गई है।

पुलकित सम्राट की फिल्म राहु केतु होगी 16 जनवरी 2026 को रिलीज़, फुकरे स्टार ने की घोषणा

पुलकित सम्राट अपनी आगामी फिल्म 'राहु केतु' के साथ बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं, जो रिलीज़ होगी अगले साल की शुरुआत में, यानी कि 16 जनवरी 2026 को। पुलकित की इस घोषणा ने उनके फैंस, खासकर फुकरे के दर्शकों में जबरदस्त उत्साह फैला दिया है, जो पुलकित को एक नए, दमदार अवतार में देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

सालों से अपनी बेहतरीन एक्टिंग और प्यारी स्क्रीन प्रेज़ेंस से दर्शकों का दिल जीतने वाले पुलकित अब 'राहु केतु' के साथ एक नए अध्याय की शुरुआत करने जा रहे हैं। यह फिल्म उन्हें एक पावर-पैक्ड, मास-अपीलिंग किरदार में पेश करेगी, जो उनके दर्शकों के दिलों में सीधा उतरने वाला है। फिल्म की खास बात यह है कि इसमें फुकरे फ्रैंचाइज़ी की पसंदीदा जोड़ी, पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा एक बारे फिर अपने मज़ेदार अंदाज़ से दर्शकों का मनोरंजन करते नज़र आएँगे। गौरतलब है कि पुलकित के लिए 'राहु केतु' एक ऐसी फिल्म है, जो कॉमेडी, फैंटेसी, ड्रामा और रोचक कहानी को मिलाकर बनाई गई है, और उन्हें अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाने का शानदार मौका देती है।

विपुल विग द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शंस ने किया है। साथ ही फिल्म में पुलकित के साथ महत्वपूर्ण भूमिका में नज़र आ रहे वरुण शर्मा भी अपनी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और स्क्रीन प्रेज़ेंस के लिए जाने जाते हैं। इनके साथ ही इस फिल्म में शालिनी पांडे भी नजर आएंगी, जिन्होंने अपनी पिछली फिल्मों में दमदार प्रदर्शन के जरिए दर्शकों को प्रभावित किया है।

हालांकि 16 जनवरी 2026 रिलीज़ डेट तय होने के साथ ही यह उम्मीद भी जग गई है कि 2026 में रिलीज़ होने जा रही 'राहु केतु' के साथ न सिर्फ पुलकित सम्राट अपनी शानदार और धमाकेदार वापसी करेंगे, बल्कि इस फिल्म के साथ फिल्मों के नज़रिए से नए साल की शानदार शुरुआत होगी, जो सिनेमा प्रेमी दर्शकों के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगी।

राम माधवानी की स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर श्रॉफ की एंट्री

बिल्कुल अलग अवतार में नजर आएंगे एक्टर

अभिनेता टाइगर श्रॉफ एक बार फिर एक्शन का दम दिखाते नजर आएंगे। निर्देशक राम माधवानी की फिल्म उनके हाथ लगी है, जिसमें वे कभी न देखे गए अवतार में दिखेंगे।

टाइगर श्रॉफ ने अपने एक्शन से इंडस्ट्री में अलग छाप छोड़ी है। उनका यह हुनर उनकी फिल्मों में भी नजर आता है। टाइगर ने 'बागी' फ्रेंजाइजी, 'हीरोपंती' और 'वॉर' के साथ एक्शन का एक एंपायर बनाया है। अब वे एक कदम और आगे बढ़ते हुए एक्शन में नया धमाल करते दिखेंगे। दरअसल, राम माधवानी की आगामी स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म में टाइगर लीड रोल अदा करने वाले हैं, जिसमें उनका धांसू एक्शन अवतार देखने को मिलेगा।

पारंपरिक एक्शन फिल्मों से अलग होगी यह फिल्म

टाइगर श्रॉफ ने निर्माता-निर्देशक राम माधवानी की आगामी फिल्म साइन की है। यह स्पिरिचुअल एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इस फिल्म में टाइगर को एक ऐसे अवतार में देखा जाएगा, जैसे वे पहले कभी नजर नहीं आए। महावीर जैन फिल्म्स और राम माधवानी फिल्म्स द्वारा इस फिल्म को प्रोड्यूस किया जाएगा। यह बॉलीवुड की पारंपरिक एक्शन फिल्मों से एक कदम आगे साबित होगी।

जापान में होगी शूटिंग

राम माधवानी की यह फिल्म सिर्फ भारतीयों को ही नहीं, बल्कि वैश्विक दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाइगर इस फिल्म के लिए तैयारी में जुट गए हैं। कहा जा रहा है कि इसके प्रोडक्शन का एक बड़ा हिस्सा जापान में शूट किया जाएगा। यह भारतीय सिनेमा में पहले कभी न आजमाए गए कॉन्सेप्ट पर आधारित होगी।

बाकी स्टारकास्ट के नाम फाइनल होने बाकी

फिलहाल टाइगर पहले अभिनेता हैं, जो इस फिल्म का हिस्सा बने हैं। फिल्म के लिए फीमेल लीड और नेगेटिव रोल निभाने के लिए एक्टर की तलाश जारी है। इसके अलावा अन्य सपोर्टिव रोल के लिए भी कास्ट फाइनल होनी बाकी है। टाइगर इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिलहाल राम माधवानी और महावीर जैन, दोनों अपनी-अपनी टीमों के साथ फिल्म के पहले लुक पर काम कर रहे हैं, जिसे आधिकारिक घोषणा के साथ जल्द ही रिवील किए जाने की उम्मीद है।

नील भट्ट से अलगाव की खबरों के बीच एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा ने फैंस से की ये भावुक अपील

टीवी एक्ट्रेस ऐश्वर्या शर्मा और नील भट्ट की शादीशुदा जिंदगी में आए मनमुटाव और अलगाव की खबरों के बीच ऐश्वर्या शर्मा ने ट्रोलर्स को जवाब दिया। सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए उन्होंने अपने ऊपर लगे आरोपों और अफवाहों पर अपना पक्ष रखा। ऐश्वर्या शर्मा ने सोमवार को इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में कहा, ''मैंने कभी किसी को परेशान नहीं किया या किसी के साथ भी बुरा व्यवहार नहीं किया, बल्कि अपने प्रोफेशनलिज्म को हमेशा बनाए रखा। बावजूद इसके मुझे लगातार ट्रोल किया गया, जिसे मैंने हमेशा हंसते-हंसते सहन किया है। मेरे खिलाफ जो अफवाहें फैलाई जा रही हैं, वे गलत हैं और उन पर विश्वास करने से पहले लोगों को सच जानना चाहिए।'' ऐश्वर्या ने अपने पोस्ट में कहा कि उन्होंने कभी किसी को बुली नहीं किया। वे खुद ही बुली की शिकार हैं, जो आम लोगों की नजर में क्यों नहीं आ पाता। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी व्यक्ति को बिना पहचाने उसके बारे में गलत बातें न फैलाएं। नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा की पहली मुलाकात टीवी सीरियल 'गुम है किसी के प्यार में' के सेट पर हुई थी। इस सेट पर उनकी दोस्ती ने धीरे-धीरे प्यार का रूप ले लिया और सिर्फ एक साल के भीतर दोनों ने शादी कर ली।

शादी के बाद दोनों कई बार साथ में टीवी शो में नजर आए। वे 'बिग बॉस 17' में भी दिखाई दिए, जहां उनके बीच की केमिस्ट्री को लोगों ने खूब सराहा, हालांकि बिग बॉस के दौरान ऐश्वर्या को कई बार नील पर गुस्सा करते हुए देखा गया, लेकिन हर बार नील प्यार और समझदारी से उनके गुस्से को शांत कर देते थे। पिछले कुछ महीनों से उनके रिश्ते में दूरियां बढ़ने लगीं और दोनों के अलग रहने की खबरें सामने आने लगीं। सोशल मीडिया पर दोनों ने एक-दूसरे के साथ तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करना भी बंद कर दिया है।

अपारशक्ति खुराना: आवाज से श्रोताओं का दिल जीता फिर दंगल से बॉलीवुड में जमाए पैर

बॉलीवुड में कई ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत और खास अंदाज से दर्शकों के दिलों में जगह बनाई। एक्टर अपारशक्ति खुराना उन्हीं में से एक है, लेकिन दिलचस्प बात यह है कि उनकी पहचान एक्टिंग या किसी फिल्म सेट से नहीं, बल्कि एक ऐसे मंच से हुई, जिसे लोग रोजाना अपने घरों, गाड़ियों और मोबाइल पर सुनते हैं, जहां आवाज ही असली पहचान होती है। अपारशक्ति खुराना का जन्म 18 नवंबर 1987 को चंडीगढ़ में हुआ। उनका परिवार शिक्षा, कला और साहित्य से गहराई से जुड़ा था। पिता लेखक और ज्योतिषी थे। बड़े भाई आयुष्मान खुराना पहले ही थिएटर और टेलीविजन में कदम रख चुके थे, लेकिन अपारशक्ति का रास्ता थोड़ा अलग था। बचपन से ही वह खेल, लेखन और लोगों से बातचीत में काफी आगे थे। स्कूल और कॉलेज में उन्हें स्पोर्ट्स, म्यूजिक और डिबेट का माहौल मिला। दिलचस्प बात यह है कि वे हरियाणा की अंडर-19 क्रिकेट टीम के कप्तान भी रह चुके हैं। पढ़ाई पूरी होने के बाद उन्होंने मुंबई की ओर रुख किया। हालांकि यह सफर बिल्कुल आसान नहीं था। शुरुआत में उन्हें समझ नहीं आता था कि किस दिशा में बढ़ना चाहिए। इसी बीच उन्हें रेडियो जॉकी बनने का मौका मिला। यही वह जगह थी, जिसने अपारशक्ति की असली प्रतिभा को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी आवाज न सिर्फ आकर्षक थी, बल्कि उनका बोलने का अंदाज, चुटीला ह्यूमर और लोगों को सहज महसूस कराने की कला उन्हें जल्दी ही लोकप्रिय बना गई। वे रेडियो पर न सिर्फ गाने प्ले करते थे, बल्कि बातचीत में ऐसा मजा और ताजगी भर देते थे कि श्रोता सिर्फ उनको सुनने के लिए रेडियो ऑन रखते थे। यही अनुभव आगे चलकर अपारशक्ति के अभिनय में भी दिखाई दिया। उनके डायलॉग्स में सहजता, चेहरे पर मुस्कान और हर सीन में एनर्जी भरपूर होती है। रेडियो में लोकप्रियता ने उन्हें टीवी और इवेंट होस्टिंग तक पहुंचाया। धीरे-धीरे मंच पर बोलना, कैमरे के सामने खड़ा होना और दर्शकों का मनोरंजन करना उनके स्वभाव का हिस्सा बन गया।

स्ट्रेस-बस्टर साबित होगी मस्ती 4

बॉलीवुड की दुनिया में कुछ फिल्में मनोरंजन के साथ-साथ हंसी और मस्ती का भरपूर अनुभव कराती हैं। ऐसी ही एक फिल्म है 'मस्ती 4', जो जल्द ही रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को लेकर अभिनेत्री रुही सिंह ने एक इंटरव्यू में अपने अनुभव और विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि फिल्म में हर तरह के दर्शक का ध्यान रखा गया है और यह फिल्म देखने वालों के लिए एक हल्का-फुल्का मनोरंजन और स्ट्रेस-बस्टर साबित होगी। रुही सिंह ने कहा कि हर फिल्म का अपना अलग मजा होता है और 'मस्ती 4' उसी की एक बेहतरीन मिसाल है। फिल्म में हंसी का पूरा खजाना है और अगर कोई अपने दिनभर के तनाव से छुटकारा पाना चाहता है तो यह फिल्म उनके लिए परफेक्ट है। रुही ने कहा कि इस फिल्म को देखने के लिए ज्यादा सोचने-समझने की जरूरत नहीं है, बस थिएटर जाएं और दिल खोलकर हंसें। उन्होंने आगे बताया कि मस्ती फ्रेंचाइजी हमेशा अपने खास दर्शक वर्ग के लिए बनती आई है और हर फिल्म का अपना अलग अंदाज और स्वाद होता है। 'मस्ती 4' इसी शैली को आगे बढ़ा रही है और इसमें दर्शक बिना किसी तनाव या चिंता के फिल्म देख सकते हैं। रुही ने आफताब शिवदसानी के साथ अपनी जोड़ी के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, 'आफताब बेहद मिलनसार इंसान हैं।

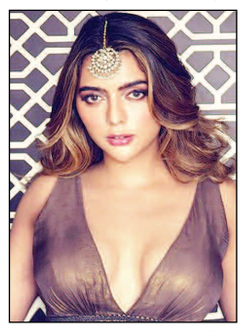

कई सालों तक निर्देशक आनंद एल. राय के पीछे पड़ी रही कृति सेनन

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री कृति सेनन ने अपनी आने वाली फिल्म 'तेरे इश्क में' के ट्रेलर लॉन्च के मौके पर फिल्म और अपने अनुभवों को लेकर बातचीत की। कृति ने फिल्म निर्देशक आनंद एल. राय के साथ काम करने की ख्वाहिश के बारे में बताया। अभिनेत्री ने कहा कि उनकी जिंदगी का एक सपना था कि वह किसी प्यार भरी कहानी में आनंद एल. राय के निर्देशन में काम करें और अब यह सपना आखिरकार पूरा हुआ है। कृति सेनन ने कहा कि वह सालों से आनंद एल. राय से मिलती रही हैं और कई बार उनसे उनके साथ काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में बताया, ''मैं सालों से उनके पीछे लगी हुई थी और हमेशा कहती थी कि मुझे उनके निर्देशन में एक रोमांटिक फिल्म करनी है। यह मेरी सबसे बड़ी ख्वाहिश थी।'' उन्होंने कहा कि प्यार और रोमांस की कहानियां आजकल कम हो गई हैं और यह देखकर अच्छा नहीं लगता। रोमांटिक और लव स्टोरी केवल मनोरंजन नहीं है, बल्कि ऐसी कहानियां हैं जिनमें दिल की गहराई और जज्बात छिपे होते हैं।

कृति ने इस फिल्म के अपने किरदार मुक्ति के अनुभव के बारे में भी विस्तार से बताया

कृति ने कहा, ''मैं हमेशा अपने रोल के लिए पूरी तैयारी करती हूं और शूटिंग शुरू होने से पहले हर छोटी-बड़ी चीज सीख लेती हूं, लेकिन इस बार आनंद सर ने मुझे सुझाव दिया कि मैं पूरी तरह खुलकर रोल को महसूस करूं और पहले से कोई तैयारी न करूं। मैंने इस किरदार को एक चुनौती की तरह लिया और शूटिंग के दौरान धीरे-धीरे मुक्ति का किरदार अपने अंदर ढूंढा। यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया था, क्योंकि मैंने पहले कभी बिना तैयारी के रोल को इस तरह महसूस नहीं किया था। कृति ने बताया कि इस प्रक्रिया ने उन्हें पूरी तरह से खुला महसूस कराया। वह अपने आप को एक 'खाली पन्ने' की तरह ले आईं और शूटिंग के दौरान ही किरदार की हर परत और भाव को खोजा।

नेहा भसीन ने ऑल-गर्ल्स बैंड से लिखी अपनी पहचान की कहानी

भारतीय संगीत जगत में कई ऐसी आवाजें हैं, जिन्होंने समय के साथ अपनी एक अलग पहचान बनाई है, लेकिन कुछ आवाजें शुरुआत से ही इतनी खास होती हैं कि उनका सफर अपने आप में एक प्रेरणा बन जाता है। नेहा भसीन ऐसी ही कलाकारों में से एक हैं। बचपन से ही गाने के प्रति उनके जुनून को देख लोग कहते थे कि वह एक दिन देश की सबसे खास गायिकाओं में गिनी जाएंगी। आज भले ही लाखों लोग उन्हें 'जग घूमेया' और 'कुछ खास' जैसे सुपरहिट गानों की वजह से पहचानते हों, लेकिन उनके करियर की नींव उस समय पड़ी थी जब उन्होंने भारत के पहले ऑल-गर्ल्स बैंड विवा में जगह बनाई थी। करियर के इस मोड़ ने उनकी पहचान को नई उड़ान दी। नेहा भसीन का जन्म 18 नवंबर 1982 को दिल्ली में हुआ था। महज नौ साल की उम्र में उन्होंने मारिया कैरी का गाना 'हीरो' गाया और एक प्रतियोगिता में जीत हासिल की। इसी स्टेज ने उनके मन में संगीत के प्रति लगाव को बढ़ा दिया। पढ़ाई के दौरान भी नेहा हमेशा प्रोग्राम में हिस्सा लेती और अपनी आवाज से सबका ध्यान खींच लेती थीं। बाद में उन्होंने शास्त्रीय संगीत की ट्रेनिंग उस्ताद गुलाम मुस्तफा खान से ली, जिसने उनकी आवाज को और भी प्रभावशाली बनाया। कॉलेज के दिनों के दौरान नेहा भसीन ने चैनल वी के शो 'कोक वी पॉपस्टार्स' के लिए ऑडिशन दिया, जो उस समय के सबसे बड़े म्यूजिक टैलेंट सर्च शोज में से एक था। यहां तक पहुंचना आसान नहीं था, लेकिन नेहा न सिर्फ चुनी गईं बल्कि 18 साल की उम्र में यह शो जीत भी लिया। शो जीतने के बाद नेहा और बाकी चार लड़कियों ने मिलकर भारत का पहला ऑल-गर्ल्स पॉप बैंड 'विवा' बनाया। यह बैंड उस समय युवाओं में एक क्रेज बन चुका था।